CMYK

हिन्दी दैनिक

न्यूज गाइड

आपका देश आपकी बात...

RNI No- UPHIN/2008/28258

वर्षः 14, अंकः 37 पृष्ठ :8 www.newsguide.co.in E-mail : newsguidelko@gmail.com लखनऊ, शुक्रवार 25 नवम्बर, 2022 मूल्य 1.50

मुख्यमंत्री ने जनपद प्रयागराज में प्रबुद्धजन सम्मेलन को सम्बोधित किया

प्रदेश सरकार जनमानस की सुविधा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही-योगी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज जनपद प्रयागराज में प्रबुद्धजन सम्मेलन को सम्बोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी 1,295 करोड़ रुपये लागत की 284 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, प्रतीकात्मक चेक एवं आवास की चाभी वितरित की। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज की धरती को नमन करते हुए जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए कहा कि तीर्थराज प्रयाग सम्पूर्ण भारतवासियों की आस्था का प्रतीक है। माँ गंगा, यमुना एवं सरस्वती, द्वादश माधव, लेटे हुए हनुमान जी एवं स्वयं तीर्थराज का आशीर्वाद प्रयागराज के लोगों को प्राप्त है। दुनिया का पहला गुरुकुल महर्षि भारद्वाज आश्रम प्रयागराज में स्थित है। भारद्वाज आश्रम में महर्षि भारद्वाज की प्रतिमा स्थापित होने से हम सभी को पुरातन परम्परा से जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। प्रयागराज कुम्भ सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में अक्टूबर, 2018 में प्रयागराज कुम्भ के ठीक पहले प्रयागराज को उसका

पौराणिक नाम प्रदान करने का गौरव हमें प्राप्त हुआ। त्वदीयं वस्तु गोविन्दः तुभ्यमेव समर्पये। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में मुख्य महोत्सव को सम्बोधित करते हुए पंचप्रण की बात कहीं थी। प्रधानमंत्री जी ने विकसित भारत, विरासत के सम्मान, गुलामी की हर सोच से मुक्ति, एकता और एकीकरण तथा नागरिकों के कर्तव्य पालन के पंच प्रण का संकल्प लिया था। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मन्दिर का निर्माण, काशी में श्री काशी विश्वनाथ धाम, माँ विन्ध्यवासिनी कॉरीडोर, प्रयागराज का ऐतिहासिक कुम्भ विरासत के सम्मान के रूप में हमारी प्राचीन परम्परा का भाग हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रयागराज महाकुम्भ वर्ष 2025 में होने जा रहा है। प्रयागराज कुम्भ-2019 सुरक्षा, सुव्यवस्था और स्वच्छता के लिए जाना जाता है। वर्ष 2025 में इस परम्परा को और भी अच्छे ढंग से प्रस्तुत करने के लिए प्रदेश सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आज यहां लोकार्पित एवं शिलान्यास की गयी परियोजनाओं में-नगर निगम के सीवरेज ट्रीटमेण्ट प्लाण्ट, स्वास्थ्य, नगर विकास, समाज कल्याण एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं से सम्बन्धित परियोजनाएं सम्मिलित हैं। स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत वर्ष 2019 में निर्मित प्रयागराज के इण्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कण्ट्रोल सेण्टर ने प्रयागराज कुम्भ को सुव्यवस्थित और सुरक्षित ढंग से सम्पन्न करने में महती भूमिका का निर्वहन किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद प्रयागराज में स्मार्ट सिटी मिशन के अनेक कार्यक्रमों के साथ अन्य कार्य भी संचालित हैं। ग्रामीण क्षेत्र में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हर घर नल की योजना क्रियान्वित की जा रही है। अमृत योजना के अन्तर्गत शहरी क्षेत्रों में लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का

प्रयागराज वर्ष 2019 से संवरा, वर्ष 2025 के लिए एक नए प्रयागराज की परिकल्पना को साकार किया जाएगा

कार्य किया जा रहा है। प्रदेश सरकार जनमानस की सुविधा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि स्थानीय निकाय डबल इंजन सरकार के साथ पूरी तत्परता से कार्य करें, तो विकास कार्यों को और भी शीघ्रता से सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक गरीब को आवास, शौचालय, विद्युत कनेक्शन आदि की सुविधा प्रदान की जा रही है। स्ट्रीट वेण्डर्स को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से जोड़ने में सफलता प्राप्त हुई है। विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाकर 'ईज़ ऑफ लिविंग' के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता मिली है।

मोदी ने 'लचित दिवस' पर लचित बोड़फूकन को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को लचित दिवस के अवसर पर पूर्ववर्ती अहोम साम्राज्य के जनरल लचित बोड़फूकन को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उन्होंने लोगों की भलाई को हर चीज से ऊपर रखा। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, ''लचित दिवस की शुभकामनाएं। यह लचित दिवस विशेष है क्योंकि हम महान लचित बोड़फूकन की 400 वीं जयंती मना रहे हैं।''उन्होंने कहा, ''वह अद्वितीय साहस के प्रतीक थे। उन्होंने लोगों की भलाई को हर चीज से ऊपर रखा। साथ ही वह एक न्यायप्रिय और दूरदर्शी नेता भी थे।'' लचित बोड़फूकन असम के पूर्ववर्ती अहोम साम्राज्य में एक सेनापति थे। सरायघाट के 1671 के युद्ध में उनके नेतृत्व के लिए उन्हें पहचाना जाता है, जिसमें मुगल सेना का असम पर कब्जा करने का प्रयास विफल कर दिया गया था।इस विजय की याद में असम में 24 नवंबर को लचित दिवस मनाया जाता है। सरायघाट का युद्ध गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी के तटों पर लड़ा गया था।

उत्तराखंड के मदरसों में लागू होगा ड्रेस कोड और एनसीईआरटी पाठ्यक्रम, सात मदरसे बनेंगे मॉर्डन

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में वक्फबोर्ड के तहत आने वाले मदरसों में अगले शिक्षा सत्र से एनसीईआरटी पाठ्यक्रम और ड्रेस कोड लागू किया जाएगा। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि बोर्ड के दायरे में आने वाले सभी 103 मदरसों में ड्रेस कोड और एनसीईआरईटी पाठ्यक्रम लागू करने जा रहे हैं। पहले चरण में 7 मदरसे होंगे मॉडर्न। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने कहा कि शुरूआत में सात मदरसों को मॉडर्न स्कूल की तर्ज पर चलाया जाएगा। इन मदरसों में अन्य धर्मों के बच्चे भी शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। इन 7 मदरसों में अगले शैक्षिक सत्र से ड्रेस कोड लागू किया जाएगा।

बुलंदशहर : हर माह की 15 तारीख को स्वास्थ्य इकाइयों पर मनेगा निक्षय दिवस

बुलंदशहर। देश को वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से नित नए कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में अब निर्णय लिया गया है कि टीबी मरीजों की शीघ्र पहचान, गुणवत्तापूर्ण इलाज और योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए हर माह की 15 तारीख को प्रदेश की स्वास्थ्य इकाइयों पर निक्षय दिवस मनाया जाएगा। किसी भी महीने में 15 तारीख को अवकाश की स्थिति में निक्षय दिवस अगले कार्य दिवस पर मनाया जाएगा। उत्तर-प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन- की मिशन निदेशक अपर्णा उपाध्याय ने इस बारे में प्रदेश के सभी जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र जारी किया है। इसके माध्यम से उन्होंने अवगत कराया है कि टीबी एक प्रमुख सामाजिक समस्या है। भारत विश्व के 20 फीसद रोगियों के साथ सबसे

प्रदेश में क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 5.5 लाख अधिसूचना का लक्ष्य केंद्र सरकार द्वारा तय किया गया

अधिक टीबी ग्रसित व्यक्तियों का देश है। प्रदेश में क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 5.5 लाख अधिसूचना का लक्ष्य केंद्र सरकार द्वारा तय किया गया है । इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए ही प्रदेश की स्वास्थ्य इकाइयों पर सामूहिक प्रयास की जरूरत है। सेंट्रल टीबी डिविजन के निर्देशों के अनुक्रम में क्षय रोगियों के पूर्ण स्वस्थ होने के लिए गुणवत्तापूर्ण सुविधा मुहैया कराने के लिए प्रदेश के समस्त जनपदों में हर माह की 15 तारीख को सभी जनपद एवं ब्लाक स्तरीय पीएचसी और आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर निक्षय दिवस मनाया जाएगा। जिला क्षयरोग अधिकारी डा. हेमंत रस्तोगी ने बताया निक्षय दिवस से पहले आशा कार्यकर्ता गृह भ्रमण कर टीबी के बारे में और दिवस के आयोजन के बारे में समुदाय को जागरूक करेंगी। स्वास्थ्य इकाइयों पर एलईडी के जरिये टीबी के बारे में जागरूकता सम्बन्धी फिल्म भी प्रसारित की जाएगी। निक्षय दिवस की उपलब्धियों को सोशल मीडिया पर भी प्रदर्शित किया जाएगा। आशा कार्यकर्ता संभावित टीबी मरीजों की सूची तैयार कर उन्हें हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर तक लाने का कार्य करेंगी। कम्युनिटी हेल्थ आफिसर (सीएचओ) द्वारा मरीजों की प्रारम्भिक जांच (उपलब्धता के आधार पर) एचआईवी, डायबिटीज और अन्य जांच सुनिश्चित की जायेगी । इसके अलावा बलगम का नमूना लिया जायेगा और उसे निक्षय पोर्टल पर प्रिजमिटिव आईडी बनाते हुए नजदीकी टीबी जांच केंद्र पर भेजा जाएगा।

दिल्ली के वकील ने गलवान पर ट्वीट को लेकर ऋचा चड्ढा के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के एक वकील ने गुरुवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा के पास बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा के खिलाफ उनके शगलवानश् ट्वीट पर शिकायत दर्ज कराई। ट्वीट में उन्होंने उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी के बयान पर प्रतिक्रिया दी थी। सोशल मीडिया पर वायरल हुआ कि भारतीय सेना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेने जैसे आदेशों को अंजाम देने के लिए तैयार है। उत्तरी कमान के कमांडिंग-इन-चीफ के बयान पर एक पोस्ट साझा करते हुए ऋचा ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, गलवान सेज हाय। हालांकि, बाद में उन्होंने ट्वीट डिलीट कर दिया। अपनी शिकायत में एडवोकेट विनीत जिंदल ने कहा कि 23 नवंबर को चड्ढा ने सेना और उसके बलिदान का मजाक उड़ाया है। ऋचा चड्ढा ने उस घटना का इस्तेमाल किया, जहां भारतीय सैनिक बिना किसी हथियार के चीनी सेना से लड़े और उन्हें पीछे धकेलने में कामयाब रहे, उनका मजाक उड़ाया।

बहुविवाह, 'निकाह हलाला' प्रथा के खिलाफयाचिकाओं की सुनवाई के लिए पांच-सदस्यीय नयी पीठ गठित होगी

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह मुसलमानों में बहुविवाह और 'निकाह हलाला' की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए पांच न्यायाधीशों की नयी संविधान पीठ का गठन करेगा।इस मुद्दे पर एक जनहित याचिका दायर करने वाले वकील अश्विनी उपाध्याय ने प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति जे. बी. पर्दीवाला की पीठ से अनुरोध किया था कि इस मामले में संविधान पीठ को नये सिरे से गठित करने की आवश्यकता है, क्योंकि पिछली संविधान पीठ के दो न्यायाधीश- न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी और न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता- सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

इस पर न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, ''हम एक नयी पीठ का गठन करेंगे। पिछली संविधान पीठ ने 30 अगस्त को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (एनसीएम) को जनहित याचिकाओं में पक्षकार बनाया था और उनसे जवाब मांगा था। तत्कालीन संविधान पीठ की अध्यक्षता न्यायमूर्ति बनर्जी कर रही थीं और न्यायमूर्ति गुप्ता, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया इसमें शामिल थे। हालांकि न्यायमूर्ति बनर्जी और न्यायमूर्ति गुप्ता इस साल क्रमशः 23 सितंबर और 16 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हो गये, जिससे बहुविवाह और शिनकाह हलालाश् की प्रथाओं के खिलाफ आठ याचिकाओं पर सुनवाई के लिए संविधान पीठ के पुनर्गठन की आवश्यकता हुई।

उपाध्याय ने अपनी जनहित याचिका में बहुविवाह और शिनकाह हलालाश् को असंवैधानिक और अवैध घोषित करने का निर्देश देने का आग्रह किया है। शीर्ष अदालत ने जुलाई 2018 में उनकी याचिका पर विचार किया था और इस मामले को संविधान पीठ के पास भेज दिया था जो पहले से ही ऐसी ही याचिकाओं की सुनवाई कर रही थी।

दिल्ली आबकारी नीति मामला

दिल्ली हाईकोर्ट ने विजय नायर और बोइनपल्ली को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अब रद्द की जा चुकी आबकारी नीति 2021-22 से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में कारोबारी विजय नायर और अभिषेक बोइनपल्ली की जमानत को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर बृहस्पतिवार को उनसे जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति योगेश खन्ना की एकल पीठ ने नायर और बोइनपल्ली को नोटिस जारी किया और उन्हें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की अलग-अलग याचिकाओं पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा। साथ ही इस मामले को आगे की सुनवाई के लिए पांच दिसंबर को सूचीबद्ध किया। उच्च न्यायालय ने उन्हें निचली अदालत के जमानत आदेश पर रोक लगाने की मांग वाली सीबीआई की अर्जी पर भी जवाब दाखिल करने को कहा। आम आदमी पार्टी (आप) के संचार प्रभारी नायर और कारोबारी बोइनपल्ली हालांकि, अभी भी हिरासत में हैं। उन्हें आबकारी नीति से संबंधित धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया था।

हाईकोर्ट का फैसला : जरुरत पड़ने पर ही काटे जाएं पेड़, एक काटें तो दो लगाएं

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने जल शक्ति मिशन के तहत बोरवेल और ओवर हेड टैंक के निर्माण के लिए पेड़ काटे जाने पर एक बड़ा फैसला दिया है। अदालत ने यह आदेश दिया है कि, अगर किसी काम के लिए पेड़ काटने की जरुरत पड़े तो ही पेड़ काटे जाए, लेकिन अगर पेड़ काटने की आवश्यकता न हो तो पेड़ नहीं काटे जाए। कोर्ट ने यह भी कहा है कि पेड़ काटने से पहले वन विभाग की अनुमति लेनी होगी। वहीं, अदालत ने एक पेड़ काटने पर दो पेड़ लगाने के भी निर्देश दिए है।बता दें कि पेड़ काटने की आवश्यकता को लेकर यह आदेश न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और

न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की खंडपीठ ने दिया है। यह निर्देश कोर्ट ने अनिल कुमार की ओर से दाखिल एक जनहित याचिका पर पारित किया। याचिका में उस प्रस्ताव को चुनौती दी गई थी जिसके तहत सीतापुर जिले के बरगवां गांव में जल शक्ति मिशन के तहत बोरवेल और ओवर हेड टैंक के निर्माण के लिए एक जमीन को चिह्नित की गई है। याची की ओर से दलील दी गई थी कि उस जमीन पर काफी मात्रा में पेड़ लगे हुए हैं और निर्माण के लिए उन पेड़ों को काट दिया जाएगा। अनिल कुमार की ओर से दाखिल याचिका पर राज्य सरकार की ओर से भी जवाब दिया गया कि, उस जमीन से अब तक एक नीम, तीन चिलवाल और एक बड़हल का पेड़ हटाया गया है जो लगभग दो साल पुराने थे। इसके अलावा अब तक कोई पेड़ नहीं गिराया गया है और न ही निर्माण कार्य के लिए कोई अन्य पेड़ गिराए जाने की आवश्यकता है। कोर्ट की तरफ से इस जवाब के बाद याचिका को निस्तारित करते हुए आदेश दिया कि यदि किसी भी पेड़ को हटाने के बाद उसकी जगह दो पेड़ लगाए जाएगे।

वित्तीय घोटालों को रोकने पावर कारपोरेशन प्रबंधन ने जारी किए सख्त निर्देश

लखनऊ, (यूएनएस)। पावर कारपोरेशन लिमिटेड लगातार भ्रष्टाचार पर ऑपरेशन क्लीन चला रहा है। इसके कारण बडे पैमाने पर घोटालों का पर्दाफाश भी हो रहा है। विगत दिनों अलग-अलग बिजली कंपनियों के उपभोक्ताओं द्वारा दाखिल याचिकाओं पर उच्च न्यायालय इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्णय आधार पर अब उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन काफी सख्ती के मूड में आ गया है। उसी क्रम में पावर कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार की तरफ से सभी बिजली कंपनियों के प्रबंध निदेशक को यह निर्देश जारी किए गए हैं कि सबसे पहले सभी बिजली कंपनियों में विद्युत नियामक आयोग द्वारा बनाए गए मुआवजा कानून को लागू करते हुए उसका व्यापक प्रचार प्रसार करें। जनवरी और जुलाई में हर साल इसका व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए पंपलेट का वितरण कराया जाए। विद्युत बिलों के पीछे भी सभी जानकारी उपभोक्ताओं को दी जाए शिकायत का निराकरण ना होने की दशा में अनिवार्य रूप से उपभोक्ताओं को मुआवजा दिया जाए। पावर कारपोरेशन ने प्रदेश के सभी विद्युत वितरण खण्डों की विशेष संप्रेक्षण जांच कराने का भी निर्देश दिया है। उपभोक्ताओं द्वारा प्राप्त सभी ऑनलाइन शिकायतों का निस्तारण कर संपूर्ण विवरण भी सुरक्षित रखने का निर्देश दिया गया है। पावर

प्रदेश के सभी वितरण खंडों की विशेष संप्रेक्षा जांच होगी

कारपोरेशन द्वारा जारी निर्देश में यह भी कहा गया है विद्युत उपभोक्ताओं के बीजको में फर्जी बकाया अथवा गलत बिल निर्गत करने एवं उनकी वसूली में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों कर्मचारियों को चिन्हित कर उनके खिलाफकठोर कार्रवाई की जाए।इसकी समय सीमा तय करते हुए अप्रैल 2023 तक पूरी कार्यवाही को अनिवार्य रूप से करना होगा।उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने उच्च न्यायालय इलाहाबाद पीठ द्वारा जारी किए गए ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए कहा आने वाले समय में इस आदेश का लाभ प्रदेश के व्यापक उपभोक्ताओं को मिलेगा। अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा पारित निर्णय के क्रम में पावर कारपोरेशन ने सभी बिजली कंपनियों को यह भी निर्देश जारी किया है कि 30 जनवरी 2023 तक सभी वितरण कंपनियों में ऐसी प्रणाली व तंत्र विकसित करा लिया जाए जिससे उपभोक्ताओं को निर्गत होने वाले गलत विद्युत बीजक विद्युत बीजको में दर्शाया जा रहे।

मध्यप्रदेश में सभी क्षेत्रों के उद्योग और निवेश के लिए पर्याप्त संभावनाएं : शिवराज

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योगों के लिए पर्याप्त लैंड बैंक उपलब्ध है। मध्यप्रदेश, पावर सरप्लस राज्य है, दिल्ली की मेट्रो ट्रेन भी मध्यप्रदेश के सोलर प्लांट से चल रही है। प्रदेश में पानी की पर्याप्त उपलब्धता है। स्किल्ड मैन पावर के साथ कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहतर है, प्रदेश के लोग शांति से कार्य करने में विश्वास रखते हैं, हमारी ब्यूरोक्रेसी भी प्रो-एक्टिव है। यह सब बिन्दु औद्योगिक विकास और निवेश के लिए हमारी ताकत है। राज्य सरकार उद्योगों की

आवश्यकता के अनुसार अपनी विभिन्न नीतियों में जरूरी बदलाव करने के लिए सहमत है। प्रदेश में सभी क्षेत्रों के उद्योग और निवेश के लिए पर्याप्त संभावनाएँ मौजूद हैं। उद्योगपति एंव निवेशक आएँ, बातचीत करें और उद्योग तथा प्रदेश की प्रगति में सहभागी बने। मुख्यमंत्री चौहान गुरुवार को बेंगलुरू में ÷मध्यप्रदेश में निवेश अवसर÷ पर संवाद सत्र को संबोधित कर रहे थे। सत्र में प्रदेश के औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा, विभिन्न उद्योगपति और निवेशक सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों से यह संवाद मात्र कर्मकांड नहीं है, अपितु प्रदेश के विकास की तड़प, जिद, जुनून और जज्बे से उत्पन्न भावना है जिसे व्यवहारिक रूप देने के लिए मैं प्रतिबद्ध हूं। उन्होंने कहा कि इंदौर में 11-12 जनवरी 2023 को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हो रही है। इससे पहले 8 से 10 जनवरी तक प्रवासी भारतीय सम्मेलन होगा,

- **मुख्यमंत्री ने बेंगलुरु में उद्योगपतियों और निवेशकों से किया संवाद**
- **इंदौर में जनवरी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए किया आमंत्रित**

जिसमें 80 से अधिक देशों में निवास कर रहे प्रवासी भारतीय सम्मिलित होंगे। प्रधानमंत्री मोदी सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सम्मेलन के समापन समारोह में शामिल होंगी। उन्होंने उद्योगपतियों और निवेशकों को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश और उद्योग लगाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श कर समिट में उद्योगपति एवं निवेशक अपनी भावी योजनाओं को निर्णायक रूप देंगे, इस विश्वास के साथ ही मैं आपको आमंत्रित कर रहा हूं। मध्यप्रदेश के उज्जैन में श्री महाकाल लोक की अद्भुत सृष्टि हुई है, प्रदेश टाईगर स्टेट, लेपर्ड स्टेट और चीता स्टेट भी है।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

गोरखपुर में जलभराव होगा न लगेगा जाम, सीवर की समस्या की भी होगी दूर

मुख्यमंत्री 27 नवम्बर को देंगे 1821 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात, करायेंगे एक हजार कन्याओं की शादी

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 27 नवंबर को गोरखपुर जायेंगे और 1821 करोड़ 61 लाख रुपए लागत की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। कार्यक्रम वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट कॉलेज में होगा जिसमें मुख्यमंत्री गोरखपुर के गोडधोईय नाला, खजांची फ्लाईओवर, गोरखपुर शिविर योजना सहित कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 27 नवंबर को दोपहर बाद लगभग 4 बजे गोरखपुर पहुंचेंगे, उसके बाद वह वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर गोरखपुर के विकास की कई परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। परियोजनाओं का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद गोरखपुर के विकास के साथ ही जाम और जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। परियोजनाओं में सीवरेज व्यवस्था भी शामिल है। रोहिन नदी में प्रदूषित जल नहीं गिरेगा। 21 वार्डों में सीवरेज व्यवस्था ठीक होगी।रोहिन नदी में गिरने वाले तीन नालों से संबंधित 21 वार्डों को शिविर नेटवर्क से आच्छादित किया जाएगा। 561 करोड़ 34 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। योजना के अंतर्गत 188.47 किलोमीटर सीवर लाइन बिछाई जाएगी। इसमें 30 एमएलडी का एक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट भी स्थापित किया जाएगा।इसमें 43 हजार 963 सीवर गृह संयोजन का लाभ मिलेगा। गोरखपुर में ही 28 नवंबर को मुख्यमंत्री चंपा देवी पार्क में सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होंगे,जहां 1000 से अधिक जोड़े मुख्यमंत्री की मौजूदगी में शादी के बंधन सूत्र में बंधेंगे।इसमें मुस्लिम समुदाय के लोगों के लिए अलग से व्यवस्था रहेगी।

सदर अस्पताल से भ्रूण मुंह में दबाकर भागा कुत्ता

हाल-ए-स्वास्थ्य महकमा, छह कर्मचारियों को नोटिस

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिला अस्पताल में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक कुत्ता अपने मुंह में मानव के मृत भ्रूण को ले जा रहा है। सीएमएस डॉ. एके द्विवेदी ने 3 सफाई कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और एक ऑन-ड्यूटी नर्स और डॉक्टर सहित अस्पताल के 6 कर्मचारियों को नोटिस दिया है। घटना की जांच भी शुरू कर दी गई है। अस्पताल की गैलरी में मौजूद लोगों ने कुत्ते को देखा। शिकायत के बाद अस्पताल के कर्मचारियों ने कुत्ते को पकड़कर भ्रूण को बरामद कर लिया। अस्पताल प्रमुख ने कहा कि मृत पैदा हुए 2 बच्चों का जन्म उसी दिन हुआ था और दोनों बच्चों के शव उनके परिजनों को दे दिए गए थे। परिवारों में से एक शव को लेने के लिए अनिच्छुक था और उसे कूड़ेदान के पास छोड़ दिया, जिसे कुत्ते ने उठा लिया था। मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

आयकर की छूट सीमा बढ़ाए जाने की मांग

लखनऊ, (यूएनएस)। जवाहर भवन इन्दिरा भवन कर्मचारी महासंघ की एक महत्वपूर्ण बैठक सतीश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में बुलाई गई जिसमें आयकर की सीमा बढ़ाए जाने पर विस्तार से चर्चा हुई। महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय तथा महामंत्री सुशील कुमार बच्चा ने बताया कि महासंघ लगातार कई वर्षो से केन्द्र सरकार से मांग करता आया है कि सरकारी कर्मचारियों के आयकर में गत वर्षो से कोई खास छूट नहीं हुई है जिसके चलते चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी भी आयकर लिमिट में आ रहे हैं। महासंघ द्वारा भारत के वित्त मंत्री सीतारमण को पत्र लिखकर मांग की है कि सरकारी कर्मचारियों को आयकर में 05 लाख तक की आय पूरी तरह आयकर से मुक्त रखा जाए तथा 10 लाख की आय पर 10ः सेअधिक टैक्स ना लिया जाए जिससे छोटे व मध्यम क्लास के कर्मियों को राहत मिले।बैठक के दौरान उमंग निगम, आकिल सईद बब्लू,अमित शुक्ला, अभिनव त्रिपाठी, शफीकुर्रहमान अंसारी, अमित खरे आदि मौजूद रहे।

हत्या के पहले के 2 वीडियो, विवाद में कभी छत तो कभी सड़क पर लेकर घूमता रहा बंदूक, फिर मारी गोली

शाहजहांपुर, (यूएनएस)। जिले में जमीन विवाद में हुई हत्या से पहले के 2 वीडियो सामने आए हैं। जिसमें विवाद के दौरान का खौफनाक मंजर दिखाई दे रहा है। एक व्यक्ति हाथ में बंदूक लिए छत के ऊपर खड़ा होकर गोली मारने की धमकी दे रहा है। दूसरे वीडियो में वही व्यक्ति बंदूक लेकर घर से बाहर गया और सामने बंदूक को तान दिया। जबकि दूसरे पक्ष के लोग हाथ में लाठी-डंडे लेकर खड़े हैं। उसके बाद गोली चलते ही पूर्व कोटेदार की मौत हो जाती है। पुलिस ने कुछ घंटे बाद तीन आरोपियों को लाइसेंसी बंदूक के साथ बरामद कर जेल भेज दिया है। थाना निगोही क्षेत्र के गांव पिपरिया उदय भानपुय निवासी राधेश्याम की जमीन विवाद में मंगलवार की सुबह उनके भतीजों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना से पहले दोनों पक्षों में काफी विवाद भी हुआ था। उस विवाद के दो वीडियो सामने आए हैं। जिसमें एक वीडियो में एक व्यक्ति छत के उपर खड़ा दिख रहा है। उसके हाथ में बंदूक है। जिसको उसने सड़क की ओर तान रखी है। वो गोली मारने की धमकी दे रहा है। दूसरे वीडियो में दिख रहा है कि वही शख्स बंदूक लेकर घर से बाहर आ गया है। वो सामने की ओर बंदूक तानकर गोली मारने की धमकी दे रहा है। सामने राधेश्याम और उसके पक्ष के लोग लाठी-डंडे लिए खड़े थे। तभी वीडियो बनना बंद हो जाता है। उसके बाद मेवाराम पक्ष के लोग फायरिंग कर देते हैं। जिससे राधेश्याम की मौत हो जाती है। पुलिस ने वायरल हुए वीडियो को विवेचना में शामिल कर लिया है। बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह राधेश्याम प्लाट पर दरवाजा लगवा रहे थे। तभी मेवाराम पक्ष के लोग मौके पर पहुंचकर उसका काम रुकवा देते हैं। एक पक्ष पुलिस को भी फोन करके बुला लेता है। जानकारी के अनुसार पुलिस के सामने ही दोनों आपस में भिड़ जाते हैं। पुलिस आपस में दोनों पक्षों को लड़ता छोड़कर चली जाती है। तभी गोली मारकर हत्या कर दी जाती है।

पानी की टंकी पर चढ़े ग्रामीण,वोटर लिस्ट में नाम कटने से नाराजगी

शाहजहांपुर, (यूएनएस)। जिले में वोटर लिस्ट से नाम कटने से नाराज दर्जनों लोग पानी की टंकी पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन करने लगे। करीब दो घंटे के हंगामे के बावजूद किसी अधिकारी ने मौके पर जाने की जहमत नहीं उठाई। ग्रामीणों का आरोप है कि, नगर पंचायत चुनाव आने वाला है। सैकड़ों लोगों के नाम लिस्ट में से काट दिए गए हैं। जब उन नामों को लिस्ट में दोबारा से नहीं चढ़ाया जाएगा तब तक टंकी पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। नगर पंचायत चुनाव करीब हैं। ऐसे में वोटर लिस्ट में नाम बढ़ाने और काटने का काम चल रहा है। ऐसे में निगोही कस्बे के सैंकड़ों लोग ऐसे हैं कि, जिनके वोटर लिस्ट से नाम काट दिए गए हैं। इससे गुस्साए दर्जनों लोग पानी की ऊंची टंकी पर चढ़ गए। उनका कहना है कि, बताया जाए कि, नाम क्यों काटे गए। क्या यहां के लोग भारत के रहने वाले नहीं हैं। क्यों वोट डालने से वंचित किया जा रहा है। कुछ ऐसे लोग भी हैं जो, नगर पंचायत का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। वो दूसरों के वोट बनवाने की जिम्मेदारी उठा रहे थे। लेकिन जब लिस्ट देखी तो उनके ही नाम लिस्ट से गायब थे।

राज्य लोक सेवा अधिकरण, उत्तर प्रदेश का 48वां स्थापना दिवस मनाया गया

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश राज्य लोक सेवा अधिकरण का 48वां स्थापना दिवस 24 नवम्बर को इन्दिरा भवन लखनऊ स्थित कार्यालय में मनाया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति रेखा दीक्षित अध्यक्ष राज्य लोक सेवा अधिकरण द्वारा अधिकरण के पीठासीन अधिकारीगण मौजूद रहें। साथ ही संकल्प दिलाया कि हम सभी अधिकरण की प्रतिष्ठा को उच्च स्तर पर स्थापित करने तथा वादकारियों को त्वरित न्याय प्रदान करने में पूर्ण मनोयोग के साथ कार्य करते हुए सहायक होंगे। इस अवसर पर अशोक कुमार सिंह उपाध्यक्ष (न्यायिक), शीतला प्रसाद, सदस्य (प्रशा.), वीर नायक सिंह सदस्य (न्या.), लालता प्रसाद, सदस्य (न्या.), शमीम अहमद खान, सदस्य (प्रशा.), हेमन्त कुमार, सदस्य (न्या.), संगीता श्रीवास्तव, सदस्य (न्या.), डॉ. रमा शंकर मौर्य, सदस्य (प्रशा), सर्वेश कुमार पाण्डेय, निबंधक स्वतंत्र प्रकाश संयुक्त निबंधक (न्यायिक) सतीश कुमार पाण्डेय अध्यक्ष, इन्दिरा भवन-जवाहर के समस्त अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

डिम्पल यादव ने आज मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में प्रचार अभियान के दौरान किशनी विधानसभा क्षेत्र में व्यापक जनसम्पर्क किया

न्यूज गाइड। संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी पूर्व सांसद श्रीमती डिम्पल यादव ने आज मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में प्रचार अभियान के दौरान किशनी विधानसभा क्षेत्र में व्यापक जनसम्पर्क किया। उन्होंने कहा कि 05 दिसम्बर 2022 के दिन का इंतजार कर रहे मतदाता समाजवादी पार्टी के चुनाव चिन्ह साइकिल वाले बटन को ईवीएम में दबा कर इतिहास रचने को तैयार हैं। श्रीमती डिम्पल यादव के साथ पूर्व एम.एल.सी. श्रीमती लीलावती कुशवाहा भी थी। श्रीमती डिम्पल यादव ने आज कई स्थानों पर जनसम्पर्क करते हुए कहा कि महिलाएं बहुत ही उत्साहित हैं। नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव ने महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम किया। समाजवादी पार्टी की सरकार में महिलाओं की सुरक्षा और शिक्षा के क्षेत्र में बहुत काम किया गया है। भाजपा सिर्फ जनता को भटकाना जानती है। श्रीमती डिम्पल ने कहा कि नेताजी के आदर्शों और विचारों पर चलकर मैनपुरी के विकास को आगे बढ़ाएंगे। नेताजी के विचारों और उनके काम से लोग प्रेरित हैं। यहां हमें बहुत प्यार और सम्मान मिल रहा है। जनता का मन समाजवादी पार्टी को भारी मतो सें जिताने का है। श्रीमती डिम्पल यादव ने कहा कि हमारा विश्वास है कि मैनपुरी की जनता इस उपचुनाव में हमारा साथ देगी और नेताजी की समाजवादी पार्टी को आगे बढ़ाएगी। श्रीमती डिम्पल यादव ने आज व्यापक जनसम्पर्क के तहत किशनी विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत अजीतगंज में श्री विमल दुबे, श्री महेन्द्र यादव, तारापुर में श्री सहदेव सिंह प्रधान, श्री सूरज सिंह यादव पूर्व प्रधान, पुडरी में श्री वीरकुमार यादव गुड्डू प्रधान, श्री विपिन कुमार पाल, लेखराजपुर में श्री प्रकेत यादव यादव, श्री जोनी प्रधान पूर्व प्रधान, श्री राजीव कुमार, श्री धर्मेन्द्र कुमार पूर्व प्रधान, देवपुरा मुडौसी में अवनीश कुमार प्रधान, अभिषेक यादव, कुसमरा में संजय कुमार गुप्ता चेयरमैन, नरेन्द्र सिंह यादव, संतराम सिंह यादव, शीटू यादव जगराम सिंह यादव, उपदेश कुमार, अभिषेक यादव, दीपू मिश्रा, श्री सिन्टू शाक्य, कूडी में श्री प्रवीन कुमार सन्टी प्रधान, श्री सुनील यादव सैनिक प्रकोष्ठ, रजनेश यादव प्रधान कूडी एवं हीरापुर में उदयराज यादव प्रधान, अशोक यादव पूर्व प्रधान, रिन्कू यादव के साथ सभी से भारी मतों से विजयी बनाने का आग्रह किया।

राजभवन में तैयार है भगवान बुद्ध का प्रसाद कालानमक

इस महीने के अंत या दिसंबर के शुरू में होगी कटाई

लखनऊ, (यूएनएस)। जुलाई में लखनऊ के राजभवन में करीब आधा एकड़ रकबे में रोपी गई कालानमक धान की फसल पककर तैयार है। इस महीने के अंत में या दिसंबर के शुरू में इसकी कटाई होगी। यहां रोपा गया कालानमक पूरी तरह जैविक है। इसमें खाद एवं कीटनाशक के रूप में किसी भी तरह के रसायन का प्रयोग नहीं किया गया है। मसलन यह पूरी तरह जैविक है। उल्लेखनीय है कि कालानमक धान मूलतः गौतम बुद्ध से जुड़े सिद्धार्थनगर का उत्पाद है। ई योगी आदित्यनाथ की सरकार ने इसकी विशिष्टताओं की वजह से ही इसे जीआई (जियोग्राफिकल इंडीकेशन) भी मिल चुका है। इसका मतलब यह हुआ कि जिन जिलों की कृषि जलवायु सिद्धार्थनगर के समान है, उनमें पैदा होने कालानमक की खूबियां एक जैसी होंगी। ऐसे समान कृषि जलवायु वाले जिलों में महाराजगंज, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बलरामपुर, बहराइच, बस्ती, कुशीनगर, गोंडा, बाराबंकी, देवरिया व गोंडा भी आते हैं। जीआई से कालानमक को विस्तार मिला तो 2018 में योगी सरकार द्वारा इसे सिद्धार्थनगर का ओडीओपी एक जिला,एक उत्पाद घोषित करने से इसकी लोकप्रियता में चार चांद लग गए। नतीजतन पांच साल पहले जो कालानमक धान विलुप्त होने की कगार पर था। जिसका रकबा घटकर 2200 हेक्टेयर तक सिमट गया था वह गुजर रहे खरीफ के सीजन में बढ़कर करीब 70 हजार हेक्टेयर तक पहुंच गया। इस तरह कालानमक जीआई और ओडीओपी के पंख पर सवार होकर लगातार समृद्धि का शिखर चूमने की ओर अग्रसर है। सरकार के प्रोत्साहन से कालानमक की खेती से जुड़े किसान मालामाल हो रहे हैं तो इसकी महक व पोषक तत्वों की पूरी दुनिया मुरीद हो रही है। इसी क्रम में यह खरीफ के बीते सीजन में राजभवन को भी रास आ गया। कालानमक धान की खेती किसानों की आय दोगुनी करने में कारगर साबित हो रही है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में किसान इसकी खेती की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। यह योगी सरकार की तरफ से सिद्धार्थनगर की ओडीओपी के इस उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए लगातार हुए प्रयासों का परिणाम है। हर खरीफ सीजन में खेती के लिए कालानमक धान के बीज की मांग बढ़ती जा रही है। गत खरीफ सीजन से करीब तीन गुना बीज की बिक्री इस सीजन में हुई। कालानमक धान की खेती बुद्ध काल की मानी जाती है। इसका इतिहास 2600 साल पुराना माना जाता है। मान्यता है कि भगवान बुद्ध ने कपिलवस्तु की तराई में अपने शिष्यों को यह चावल यह कहते हुए सौंपी थी कि इसकी खुश्बू व गुणवत्ता उनकी याद दिलाएगी। इसी कारण कालानमक चावल को बुद्ध का प्रसाद भी कहा जाता है। मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ ने कालानमक को ओडीओपी में शामिल कर इसकी ब्रांडिंग पर भी ध्यान दिया। नई प्रजातियों के शोध को बढ़ावा दिया। इसके परिणाम बेहद उत्साहजनक रहे। ब्रांडिंग को और मजबूत करने के लिए योगी सरकार ने मार्च 2021 में कपिलवतु महोत्सव के साथ ही कालानमक महोत्सव का भी आयोजन किया था। सरकार के प्रयासों से इसका निर्यात भी तेजी से बढ़ रहा है और यह चावल ई कामर्स प्लेटफार्म पर भी उपलब्ध है। कालानमक चावल पर लंबे समय से काम कर रहे कृषि वैज्ञानिक डाक्टर आरसी चौधरी के अनुसार सुगंध और स्वाद के साथ पोषण में भी कालानमक चावल नायाब है। यह कुल मिलाकर इम्युनिटी बूस्टर है। प्रोटीन, जिंक और आयरन के स्रोत के रूप में मान्य कालानमक चावल में बीटा कैरोटीन भी पाया जाता है। इसकी मात्रा प्रति 100 ग्राम चावल में 42 मिलीग्राम बीटा कैरोटीन मिलता है। बीटा कैरोटीन विटामिन ए का मूल तत्व है। यही नहीं, इसमें चावल की अन्य प्रजातियों के मुकाबले प्रोटीन दोगुना, आयरन तीन गुना, और जिंक चार गुना प्रमाणित किया जा चुका है।

संघर्ष के लिए तैयार रहे पी.डब्ल्यू.डी. नियमित वर्कचार्ज कर्मचारी कार्यकारिणी सम्मान समारोह

लखनऊ, (यूएनएस)। पी.डब्ल्यू.डी. नियमित वर्कचार्ज कर्मचारी संघ लो.नि.वि. उ.प्र. लखनऊ की क्षेत्रीय शाखा की विस्तारित बैठक संघ के प्रदेश अध्यक्ष भारत सिंह यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन संघ के मण्डल अध्यक्ष लल्लन प्रसाद यादव ने किया। इस दौरान कार्यकारिणी का सम्मान समारोह किया गया। इस अवसर पर संघ के प्रदेश महामंत्री शैलेन्द्र कुमार शुक्ला ने बैठक को सम्बोधित किया बैठक में कर्मचारियों की सेवा नियमावली प्रख्यापन कराने तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली में वर्कचार्ज कर्मचारी की सेवा जोड़ने हेतु योजित रिट याचिका के अन्तिम निस्तारण कराये जाने तथा कर्मचारियों की लम्बित समस्याओं का निस्तारण कराये जाने पर सधन विचार विमर्श हुआ। बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष भारत सिंह यादव, महामंत्री शैलेन्द्र कुमार शुक्ला ने बैठक में उपस्थित क्षेत्रीय शाखा के प्रतिनिधियों को संघर्ष के लिए तैयार रहने का आहवाहन किया, उन्होने यह भी कहा कि संघ कर्मचारियों की समस्यओं के निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है एवं जो भी समस्याऐ प्रादेशिक कार्यालय के संज्ञान में लायी जायेगी उनका तत्परता से निस्तारण कराया जायेगा। कर्मचारियों की सेवा नियमावली का प्रख्यापन एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली में सेवा जोड़ने हेतु रिट याचिका अन्तिम निस्तारण हेतु विचाराधीन है। शैलेन्द्र कुमार शुक्ला कहा कि जो समस्याऐ सर्वोच्च न्यायालय एवं शासन अथवा विभाग स्तर पर विचाराधीन है उनके निस्तारण हेतु आपका सहयोग आपेक्षित है। जो समस्याऐं विभाग स्तर पर लम्बित है उनके सम्बद्ध में विभागाध्यक्ष एवं शासन को पत्र लिखकर उनके निस्तारण का अनुरोध किया गया है। समयबद्ध निस्तारण न किये जाने की दशा में आन्दोलन ही मात्र विकल्प है। उक्त बैठक में शैलेन्द्र कुमार शुक्ला प्रदेश महामंत्री, लल्लन प्रसाद यादव मण्डल अध्यक्ष, सैय्यद मोहम्मद नदीम मण्डल मंत्री, विमल कुमार प्रदेश संगठन मंत्री, श्री दिलीप सिंह यादव प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रयाग नरायण बाजपेयी प्रान्तीय कार्यकारिणी सदस्य, बशिष्ट नरायण तिवारी प्रदेश संयुक्त मंत्री, ओम प्रकाश मौर्या प्रदेश कार्यकारिणी सदव्स्य, संजय यादव मण्डल उपाध्यक्ष, बहादुर सदस्य, श्रीमती माया देवी प्रान्तीय संगठन मंत्री एवं रमई यादव कार्यालय सचिव एवं क्षेत्र के अधीनस्थ समस्त जनपद अध्यक्ष एवं जनपद मंत्री तथा अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मचारियो ने बैठक में प्रतिभाग किया। उपरोक्त प्रस्ताव का समर्थन करते हुए आन्दोलन हेतु तैयार रहने का आहवाहन किया।

शिक्षा के साथ साथ खेल कूद भी जरूरीः मौलाना खालिद रशीद

दारूल उलूम निजामिया फरंगी महल में स्पोर्टस डे का आयोजन हुआ

लखनऊ, (यूएनएस)। सेहतमन्द इंसान अपने और अपने समाज के लिए बहुत लाभदायक होता है। जिस्मानी वर्जिश और खेल कूद से छात्रों की योग्यताओं में वृद्धि होती है और उनका व्यक्तित्व परवान चढ़ता है। इन ख्यालाता का इज्हार नाजिम दारूल उलूम फरंगी महल मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया ने किया। वह आज दारूल उलूम फरंगी महल और शाहीन एकेडमी में छात्रों के मध्य खेल कूद के इंआमी मुकाबलों के विजेताओं को पुरस्कार वितरित कर रहे थे। इस अवसर पर स्पोर्टस डे का भी आयोजन हुआ। फुटबाल टोरनामिंट का उद्घाटन करते हुए मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि कतर में इतने उच्च पैमाने पर फीफा वर्ल्ड कप के आयोजन से विशेषकर मदरसों के छात्रों ने इस खेल से सम्बन्धित दिलचस्पी में बढ़ौतरी हुई है। हम सब को मिल कर इस बात की कोशिश करनी चाहिए कि क्रिकेट की तरह फुटबॉल में भी एक मजबूत नेशनल टीम हो जो अपने देश का मजबूती से प्रतिनिधित्व आने वाले वर्ष में फीफा वर्ल्ड कप में करे। उन्होने कहा कि स्पोटर्स में मदरसों के छात्र ने मेहनत और लगन से हिस्सा लिया इस से यह बात जाहिर होती है कि अगर हमारे मदरसों में प्रोफेशनली स्पोटर्स को बढ़ावा दिया जाए तो यह बच्चे खेल के मैदान में भी अपने देश का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। इस बात की भी कोशिश की जायेगी अगले वर्ष मदरसों के मध्य खेल कूद का आयोजन किया जाए। मौलाना फरंगी महली ने छात्रों पर जोर दिया कि वह शिक्षा के साथ फुटबॉल, हॉकी, क्रिकेट, वाली बॉल और बैडमिंटन जैसे मेहनत वाले खेलों में भी हिस्सा लें ताकि जिस्म मजबूत और ताकतवर हो सके। मौलाना ने कहा कि सेहत व तंदरुस्ती के सिलसिले में कुरान व हदीस में भी हिदायत मिलती हैं। इस लिए हम को चाहिए कि अपने सेहत व तंदरुस्ती की देख भाल करते रहें। फुटबॉल कप जैडान टीम ने प्राप्त किया। रेसिंग सीनर ग्रुप में प्रथम पुरस्कार मो0 जकारिया , दुसरा पुरस्कार मो0 याकूब, तीसरा पुरस्कार मो0 फैज, रेसिंग जूनियर ग्रुप प्रथम पुरस्कार मो0 अरशान, दुसरा पुरस्कार जुलकरनैन, तीसरा पुरस्कार मो0 अली ने प्राप्त किया।

अपर आयुक्तों की देखरेख में फागिंग,एण्टी लार्वा छिड़काव और सफाई अभियान

लखनऊ, (यूएनएस)। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के निर्देशानुसार पूरे शहर में जोनवार नियमित रूप से फॉगिंग एवं एंटीलार्वा का छिड़काव तथा नालियों की साफ-सफाई, जलभराव वाले स्थानों पर जलनिकासी की व्यवस्था, खुले नाले नालियों को ढकना, शुद्ध पेय जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। समस्त अपर नगर आयुक्त की अध्यक्षता में गठित टीमों के नेतृत्व में शहर के सभी जोनों में आज फॉगिंग एवं एंटीलार्वा का छिड़काव तथा नालियों की साफ-सफाई का विशेष अभियान चलाया गया। कई जगहों पर घरों के अन्दर पाईरेथ्रम का छिड़काव कराया गया स्वास्थ्य विभाग द्वारा सोर्स रिडक्शन की कार्यवाही उच्च स्तर पर की गई। जोन-2-क्षेत्र में सौकत अली हाता, भीम नगर यहियागंज वार्ड जोन-2 में एक विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें घर घर भ्रमण किया गया व सफाई, फागिंग, एंटीलार्वा का छिड़काव कराया गया। साथ ही नालियों की सफाई व सिल्ट निस्तारण तथा घर घर पाइरिश्रम रसायन का छिड़काव भी कराया गया। जोन-3-क्षेत्रान्तर्गत वार्ड- कदम रसूल के अन्तर्गत शिया कॉलेज, भाण्डू टोला के सम्पूर्ण क्षेत्र के आस-पास चलाये गए अभियान में एण्टी लार्वा का छिड़काव, साफ-सफाई एवं नालियों से सिल्ट एवं कूड़े का उठान कराया गया। ट्रैक्टर टैंकर के द्वारा से एण्टी लार्वा का छिड़काव कराया गया। नालियों में 04 हैण्ड हेल्ड स्प्रे मशीनों द्वारा एण्टीलार्वा का छिड़काव कराया गया। साथ-ही-साथ फागिंग का भी कार्य कराया गया। 01 बड़ी फॉगिंग मशीन, 02 साइकिल माउण्टेड फॉगिंग मशीन के द्वारा सकरी गलियों एवं अवासी क्षेत्र में फॉगिंग का कार्य कराया गया। 1 रोबोट 3 डीआई 1 ट्रैक्टर के माध्यम से कूड़े का निस्तारण कराया गया। जोन-4-क्षेत्र के अंतर्गत गोमती नगर विस्तार में खरगापुर, मलेशिमऊ, सेक्टर 05 व 07 में आज विशेष अभियान चलाया गया।जिसमें फॉगिंग, एन्टी लार्वा का छिड़काव, साफ सफाई व नालियों की सिल्ट का उठान एवं खाली प्लॉटो की साफ सफाई इत्यादि कार्य कराए गए।अभियान में चार बड़ी फॉगिंग मशीन, 10 बड़ी फॉगिंग मशीन, 2 एन्टी लार्वा के ट्रैक्टर, 5 हैंडहेल्ड मशीन लगाकर कार्य किया गया। जोन-5-क्षेत्रान्तर्गत वार्ड रामजीलाल पटेल नगर में मंगल खेड़ा, ब्रहम नगर, श्रीनगर, गीता नगर, बहादुर खेड़ा, राम प्रसाद खेड़ा, रामनगर, शाही मस्जिद, सिंगार नगर, श्याम नगर, चित्र गुप्त नगर, समर विहार एवं गुरुनानक नगर वार्ड में विशेश्वर नगर, स्नेह नगर, प्रेम नगर, दामोदर नगर का भ्रमण किया गया घर -घर जाकर लोगो को डेंगू चिकनगुनिया, मलेरिया, जैसे रोगो से बचाव हेतु जनता को जागरुक किया गया एवं सम्पूर्ण क्षेत्र में सघन फॉगिंग, (9 साइकिल माउंण्टेड मशीन 3 व्हीकल माउंण्टेड मशीन) एंटी लाव (1 टैक्टर टैंकर एवं 8 हैंण्ड सेनेटाइज मशीन) का छिड़काव नालियों की सफाई एवं घरों के अन्दर पाईरेथ्रम का छिड़काव कराया गया। जोन-6- विस्तारि क्षेत्र सराय प्रेमराज एवं उसके आस-पास की समस्त गलियों में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान में 01 ट्रैक्टर-टैंकर, 18 हैण्ड हेल्ड स्प्रे मशीन, 05 वेहिकल माउण्ट फॉगिंग मशीन, 08 साइकिल माउण्ट फॉगिंग मशीन, 60 सफाई कर्मी 01 रोबोट, 01 जे0सी0बी0, 01 टी. एम एक्स - 20 एवं 10 कूड़ा उठान हेतु वाहन लगाकर सड़क व नालियों एवं नालों पर सफाई का कार्य, फॉगिंग का कार्य, एण्टी लार्वा एवं पैराथ्रम छिड़काव का कार्य, कूड़े के उठान का कार्य एवं चूना व ब्लीचिंग कीटनाशक का छिड़काव कराया गया। अभियंत्रण विभाग द्वारा 07 टन मलबे का उठान कराया गया। साथ ही जोन के अन्तर्गत 02 विद्यालय में एण्टीलार्वा का छिड़काव भी कराया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा 50 घरों का सर्वे किया गया जिसमें 25 व्यक्तियों को दवा का वितरण भी किया गया। जोन-7- क्षेत्रान्तर्गत शंकरपुरवा द्वितीय वार्ड स्थित मोहल्ला आदिल नगर एवं गन्ने का पुरवा व आस-पास के क्षेत्रों में घर-घर जाकर सर्वे, साफ-सफाई, नाला- नालियों की सफाई करायी गयी। सिल्ट का निस्तारण, फॉगिंग, एण्टीलार्वा, चूने का छिड़काव एवं खाली प्लाटों की सफाई का कार्य भी वृहद स्तर पर कराया गया। जोन-8- क्षेत्रान्तर्गत अमर शहीद पथ सेक्टर-8 व 9 दुर्गोपुरी, सेक्टर-सी 1, सेक्टर-एच, सेक्टर- जी, रजनीखण्ड, रूचीखण्ड, सेक्टर-डी 1, सेक्टर - एन 1, सेक्टर- एम, न्यू डिफेंस कालोनी, रतन खण्ड, रूचि खण्ड, तेलीबाग, ऐल्डिगो सौभाग्यम, वृन्दावन कालोनी, सेक्टर-6सी, सेक्टर-आई, बिजनौर, सेक्टर-ओ, सेक्टर पी मानसरोवर, रूचि खण्ड-1, उत्तरठिया, सेक्टर डी, सेक्टर 5 व 7 वृन्दावन योजना, नीलमथा, आदि क्षेत्रों का भ्रमण किया गया।

बिजली कर्मचारियों व इंजीनियरों का दिल्ली में विशाल प्रदर्शन, हड़ताल की धमकी

लखनऊ, (यूएनएस)। इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2022 के विरोध में तथा पुरानी पेंशन की बहाली हेतु, बिजली कंपनियों के एकीकरण हेतु तथा आउटसोर्सिंग समाप्त कर संविदा कर्मियों को नियमित करने हेतु बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों ने आज दिल्ली में जन्तर मंतर पर विशाल प्रदर्शन व रैली की गई। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रीसिटी इम्प्लाइज एन्ड इंजीनियर्स के आह्वान पर हुई रैली को मुख्यतया शैलेन्द्र दुबे, ई करीम, प्रशान्त नन्दी चौधरी, मोहन शर्मा,आर के त्रिवेदी, कुलदीप कुमार,पी रत्नाकर राव, अभिमन्यु धनकड़, पद्मजीत सिंह, समर सिन्हा, आर के शर्मा,के अशोक राव,कृष्णा भोयूर ने संबोधित किया। ई करीम एमपी, आर कृष्णय्या एमपी,डी राजा एमपी, तपन सेन पूर्व एमपी, हन्नान मुल्ला संयुक्त किसान मोर्चा और आम आदमी पार्टी के गौरव माहेश्वरी ने रैली को सम्बोधित किया और बिजली कर्मियों के आंदोलन का समर्थन किया। रैली में एक प्रस्ताव पारित कर केन्द्र सरकार को चेतावनी दी गई की यदि बिजली कर्मियों को विश्वास में लिये बिना जल्दबाजी में बिल संसद में पारित कराने की एकतरफा कोशिश की गई तो देश भर के तमाम बिजली कर्मचारी और इंजीनियर हड़ताल पर जाने हेतु बाध्य होंगे। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने यहां बताया कि लोकसभा ने इलेक्ट्रीसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2022 को संसद की ऊर्जा मामलों की स्टैंडिंग कमेटी को भेज दिया है किन्तु स्टैंडिंग कमेटी ने अभी तक बिजली कर्मचारियों और आम उपभोक्ताओं से इस पर कोई चर्चा नही की है।उन्होंने कहा कि बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों को विश्वास में लिए बिना इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2022 को संसद में पारित कराने की किसी भी एक तरफा कार्यवाही का कड़ा विरोध किया जाएगा और देश के तमाम 27 लाख बिजली कर्मचारी व इंजीनियर ऐसे किसी भी कदम के विरोध में राष्ट्रव्यापी हड़ताल करने हेतु बाध्य होंगे। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ने देश के सभी मुख्यमंत्रियों से यह अपील भी की है कि ऊर्जा क्षेत्र और बिजली उपभोक्ताओं के व्यापक हित में वे इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2022 का पुरजोर विरोध करें। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने बताया कि विगत वर्ष किसान आंदोलन के बाद केंद्र सरकार ने संयुक्त किसान मोर्चा को प्रेषित पत्र में यह लिखित आश्वासन दिया है कि इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2022 सभी स्टेकहोल्डर्स को बिना विश्वास में लिए और सभी स्टेकहोल्डर्स से बिना चर्चा किए संसद में नहीं रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि बिजली के क्षेत्र में सबसे बड़े स्टेकहोल्डर बिजली के उपभोक्ता और बिजली के कर्मचारी हैं। केंद्र सरकार ने और केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने आज तक न ही बिजली के उपभोक्ता संगठनों से और न ही बिजली कर्मचारियों के किसी भी संगठन से इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2022 के माध्यम से प्रस्तावित संशोधनों पर कोई वार्ता की है। उन्होंने कहा की इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2022 के जरिए उपभोक्ताओं को चॉइस देने की बात पूरी तरह गलत है। दरअसल इस संशोधन के जरिए केंद्र सरकार बिजली वितरण हेतु निजी घरानों को सरकारी बिजली वितरण के नेटवर्क के जरिए बिजली आपूर्ति करने की सुविधा देने जा रही है। बिजली के सरकारी निगमों ने अरबों खरबों रुपए खर्च करके बिजली के ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन का नेटवर्क खड़ा किया है और इसके अनुरक्षण पर सरकारी निगम प्रति माह करोड़ों रुपए खर्च कर रहे हैं ।इस बिल के जरिए इस नेटवर्क के उपयोग की छूट निजी घरानों को देने की सरकार की मंशा है।

संक्षिप्त समाचार

कोर्ट ने सांसद अरुण सागर को फरार घोषित किया

शाहजहांपुर, (यूएनएस)। शाहजहांपुर की अदालत ने भाजपा सांसद को फरार घोषित कर दिया है। आदेश दिए कि एक नोटिस सांसद के घर पास सार्वजनिक स्थान पर चस्पा करें। वर्ष 2019 में आचार संहिता लागू होने के बाद एक कार से कुछ होर्डिंग मिले थे। जिसके ऊपर भाजपा सांसद, निवेदक और कुछ समर्थक के फोटो और नाम लिखे थे। जब मुकदमा दर्ज हुआ था, तब सांसद चुनाव लड़ रहे थे। चुनाव जीतने के बाद कई बार समन भेजे गए, लेकिन उन्होंने उस ओर कोई ध्यान नही दिया। अदालत ने सख्त रवैया अपनाते हुए उनको फरार घोषित कर दिया। दरअसल वर्ष 2019 में चुनाव के दौरान भाजपा सांसद अरुण के समर्थक की गाड़ी से कुछ होर्डिंग मिले थे। चुनाव आचार सहिंता लग चुकी थी। जिसके चलते चुनाव आचार संहिता उलंघन की धारा में अरुण सागर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। एसीजेएम थर्ड की अदालत में मुकदमे की सुनवाई हुई। कई समन भेजे गए, लेकिन सांसद बन चुके अरुण सागर ने उस ओर कोई ध्यान नही दिया। तब कोर्ट ने भाजपा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। उसके बाद भी सांसद कोर्ट में हाजिर नही हुए। अदालत ने सख्ती दिखाते हुए भाजपा सांसद अरुण सागर को फरार घोषित कर दिया। साथ ही एक नोटिस सांसद के आवास के पास किसी सार्वजनिक स्थान पर लगाने के आदेश दिए हैं। सांसद अरूण सागर ने बताया कि बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा ने टिकट दिया था। उनके किसी समर्थक ने फोटो लगे होर्डिंग को कार में रख लिया था। इसकी जानकारी भी नही थी। तब एक एसआई ने मुकदमा दर्ज कराया था। अदालत ने क्या आदेश दिया है, इसकी जानकारी अभी नही है।

पुलिस लाइन में महिला ज्वलनशील पदार्थ लेकर पहुंची, बोली, सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने नहीं की कार्रवाई

पीलीभीत, (यूएनएस)। पुलिस द्वारा सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी पति समेत अन्य आरोपियों पर कारवाई ना करने से परेशान होकर एक महिला पीलीभीत के पुलिस लाइन परिसर में ज्वलनशील पदार्थ लेकर आत्महत्या करने जा पहुंची। जैसे ही महिला को ज्वलनशील पदार्थ के साथ पुलिस कर्मियों ने देखा तो पुलिस कर्मी महिला को बचाने के लिए दौड़ पड़े। महिला को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है। बीसलपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव की रहने वाली महिला का आरोप है कि उसने साल 2021 में न्यायालय के आदेश पर बीसलपुर थाने में पति समेत चार लोगों के खिलाफ दुष्कर्म के मामले में मुकदमा पंजीकृत कराया था। इस पूरे मामले में पुलिस ने आरोपियों को दोषमुक्त बताते हुए फाइनल रिपोर्ट लगा दी। वहीं दूसरी तरफ महिला लगातार अपने मामले की पैरवी के लिए पुलिस अधिकारियों के पास चक्कर काटती रही। जब महिला को न्याय नहीं मिला तो बुधवार को महिला अपनी 6 साल की मासूम बच्ची के साथ ज्वलनशील पदार्थ लेकर पुलिस लाइन पर जा पहुंची। महिला ने अपनी 6 साल की मासूम बच्ची के ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालने का प्रयास किया। महिला को देख कर आनन-फानन में सभी पुलिसकर्मी महिला की ओर दौड़ पड़े। उसे बमुश्किल बचाकर इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। पूरे मामले में महिला का आरोप है कि बीसलपुर पुलिस ने आरोपियों से सांठ गांठ कर पूरे मामले में फाइनल रिपोर्ट लगा दी है। महिला की कोई सुनवाई नहीं हुई है। महिला ने हंगामे के दौरान पुलिस लाइन में बीसलपुर में तैनात रहे एक पूर्व कोतवाल पर अपने साथ मारपीट करने का भी आरोप लगाया है। मामले में बीसलपुर कोतवाल प्रवीण कुमार से जानकारी ली गई तो थानाध्यक्ष ने बताया कि महिला द्वारा न्यायालय के आदेश पर एक दुष्कर्म का मामला पंजीकृत कराया गया था। जिसमें 4 लोगों पर आरोप लगाया गया था। पूरे मामले की जांच क्राइम ब्रांच द्वारा की गई थी। क्राइम ब्रांच ने जांच के बाद पूरे मामले में फाइनल रिपोर्ट लगा दी है।

जिला जेल में 2 बंदी भिड़े, एक ने दूसरे का गला रेता, हालत गंभीर

पीलीभीत, (यूएनएस)। जिला जेल में सब्जी काटते समय 2 बंदियों की आपस में लड़ाई हो गई। इस दौरान धारदार हथियार से एक बंदी ने दूसरे बंदी की गला रेत कर हत्या करने का प्रयास किया। फिलहाल हत्या के प्रयास के दौरान घायल हुए बंदी को आनन-फानन में जेल पुलिस द्वारा इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। जानकारी के मुताबिक बीसलपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नवदिय सितारगंज के रहने वाले रंजीत को 18 नवंबर को बीसलपुर पुलिस द्वारा कच्ची शराब के मामले में न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था। जहां न्यायालय ने रंजीत को जेल भेज दिया था। बुधवार को जिला जेल में रंजीत व अन्य कैदी खाना बनाने के लिए सब्जी काट रहे थे। इस दौरान रंजीत की किसी अन्य कैदी से लड़ाई हो गई। तभी दूसरे कैदी ने धारदार हथियार से रंजीत की गर्दन पर वार कर दिया। हमले के बाद रंजीत लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। आनन-फानन में जेल पुलिस द्वारा घायल रंजीत को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। जहां चिकित्सकों की टीम घायल बंदी का इलाज कर रही है। जेल प्रशासन द्वारा समय-समय पर कड़ी सुरक्षा के दावे किए जाते हैं लेकिन जेल के अंदर ही 2 बंदियों के बीच लड़ाई के चलते निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामले पर जानकारी देते हुए पीलीभीत के प्रभारी जेल अधीक्षक संजय राय ने बताया है सब्जी काटते वक्त दो बंदियों की लड़ाई हुई है। जिसमें एक बंदी घायल हुआ है। जिसको इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया है। मामले पर जानकारी देते हुए जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ एसएस चौहान ने बताया कि जेल पुलिस द्वारा एक युवक को घायल अवस्था में इलाज के लिए लाया गया था। युवक के गले पर चोट के निशान थे। प्राथमिक उपचार के बाद युवक को अस्पताल में ही भर्ती करा दिया गया है।

रूद्र-बिलास चीनी मिल का पेराई सत्र शुरू

डीएम और ब्लाक प्रमुख ने किया शुभारंभ, किसानों को किया सम्मानित

रामपुर, (यूएनएस)। बिलासपुर में पूजा-अर्चना के पश्चात रुद्र-बिलास चीनी मिल का पेराई सत्र शुरू हो गया। जिलाधिकारी और ब्लाक प्रमुख ने इसकी शुरुआत की। इस दौरान पहले गन्ना लेकर किसानों को सम्मानित भी किया गया। तराई के गन्ना किसानों की रीढ़ समझी जाने वाली और जनपद रामपुर की एकमात्र हाईवे स्थित रुद्र-बिलास किसान सहकारी चीनी मिल में बुधवार को चालू वित्त वर्ष के शीतकालीन पेराई सत्र का पारंपरिक तरीके से शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़, ब्लाक प्रमुख कुलवंत सिंह औलख तथा कृषि राज्यमंत्री के पुत्र गुरकीरत सिंह औलख ने पहुंचकर हवन-पूजन में हिस्सा लिया और आहुतियां दीं। इसके अलावा उन्होंने फीता काटा तथा मिल चेन में गन्ना डालने के बाद बटन दबाकर पेराई चालू करवाई। डीएम ने मिल गेटों पर डनलप व ट्रैक्टर-ट्रॉली से पहले गन्ना लेकर आए किसानों को सम्मानित किया। डीएम ने उनके वाहनों व पशुधन की पूजा भी की। वहीं, डीएम ने मिल के प्रधान प्रबंधक आरके जैन से वार्ताकर मिल चलाने को लेकर चर्चा की। उन्होंने किसानों से पेराई सत्र के दौरान मिल को सहयोग करने का आह्वान किया। डीएम ने प्रधान प्रबंधक को पेराई सत्र सफलतम व उत्कृष्टतम रूप से चलाने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मयंक गोस्वामी, सीओ अरुण कुमार सिंह, खंड विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह, एडीओ पंचायत सलीम हुसैन, समाजसेवी संतोष सिंह सोखी, एसके श्रीवास्तव, महेंद्र प्रताप, राजेंद्र प्रसाद, अभिनव यादव, जीसी पाठक, आंशिक सक्सेना, मेहर देयोल, उत्तम कुमार आदि मौजूद रहे।

मनाया गया झंडा दिवस, कोतवाली में पुलिस कर्मियों ने किया झंडारोहण

रामपुर, (यूएनएस)। जिले के बिलासपुर कोतवाली परिसर में बुधवार को झंडा दिवस मनाया गया। पुलिस कर्मियों ने हर्षोल्लास के साथ यह दिवस मनाया। सभी कर्मियों ने अपनी वर्दी पर झंडे का स्टीकर लगाया। साथ ही अपनी ड्यूटी को पूरी ईमानदारी से निर्वहन करने की शपथ ली। कोतवाली परिसर में बुधवार को कोतवाल सतेंद्र कुमार सिंह की अगुवाई में सभी पुलिस कर्मी एकत्र हुए। परिसर में पहले झंडारोहण किया गया। इसके बाद सभी ने अपनी वर्दी पर झंडे का स्टीकर लगाया। कोतवाल ने पुलिस कर्मियों को झंडा दिवस व उसके महत्व के बारे में बताया गया। इस दौरान कोतवाल सतेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि झंडे का सम्मान करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

रंगोली के माध्यम से अपने अपने मनोभाव की सृजनात्मक अभिव्यक्ति की

न्यूज गाइड। संवाददाता

लखनऊ। डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के 20वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में इन दिनों चल रहे दीक्षांत सप्ताह में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत गुरुवार को वास्तुकला एवं योजना संकाय, डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, टैगोर मार्ग प्रांगण में रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित किए गए। जिसमे संकाय के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लगभग 50 छात्र छात्राओं ने भाग लिए। और अपनी अभिव्यक्ति के माध्यम से रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेकर रंगों के माध्यम से आकर्षक रंगोली बनाकर अपनी प्रतिभा दिखाई और अपने हुनर का परिचय दिया। छात्रों ने रंगोली में रंग भर कर अपने अपने मनोभाव की सृजनात्मक अभिव्यक्ति की। छात्रों ने वर्तमान सामाजिक मुद्दों, रचनात्मकता आदि विषयों को बहुत ही मनमोहक ढंग से प्रस्तुत किया। संकाय के कला शिक्षक व चित्रकार भूपेंद्र कुमार अस्थाना ने बताया कि रंगोली भारत की प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा और लोक-कला है।अलग अलग प्रदेशों में रंगोली के नाम और उसकी शैली में भिन्नता हो सकती है लेकिन इसके पीछे निहित भावना और संस्कृति में पर्याप्त समानता है। इसकी यही विशेषता इसे विविधता देती है और इसके विभिन्न आयामों को भी प्रदर्शित करती है। इसे सामान्यतः त्योहार, व्रत, पूजा, उत्सव विवाह आदि शुभ अवसरों पर सूखे और प्राकृतिक रंगों से बनाया जाता है। इसमें साधारण ज्यामितिक आकार हो सकते हैं या फिर देवी देवताओं की आकृतियाँ। इनका प्रयोजन सजावट और सुमंगल है। इन्हें प्रायः घर की महिलाएँ बनाती हैं। विभिन्न अवसरों पर बनाई जाने वाली इन पारंपरिक कलाकृतियों के विषय अवसर के अनुकूल अलग-अलग होते हैं। इसके लिए प्रयोग में लाए जाने वाले पारंपरिक रंगों में पिसा हुआ सूखा या गीला चावल, सिंदूर, रोली,हल्दी, सूखा आटा और अन्य प्राकृतिक रंगो का प्रयोग किया जाता है। परन्तु अब रंगोली में रासायनिक रंगों का प्रयोग भी होने लगा है। रंगोली को द्वार की देहरी,आँगन के केन्द्र और उत्सव के लिए निश्चित स्थान के बीच में या चारों ओर बनाया जाता है। कभी-कभी इसे फूलों, लकड़ी या किसी अन्य वस्तु के बुरादे या चावल आदि अन्न से भी बनाया जाता है। प्रतियोगिता में 14 रंगोलियां बनाई गई। जिसमें 50 छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगिता को 14 समूहों में आयोजित की गई। जिसमे छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए एक से एक बढ़कर एक रंगोलियां बनाई। इस प्रतियोगिता की निर्णायक मंडल में चित्रकार श्रीमती प्रतिमा सिंह रहीं, साथ ही संकाय के कला शिक्षक श्री गिरीश पांडेय, धीरज यादव और रत्नप्रिया कांत भी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर कला अध्यापक श्री गिरीश पाण्डेय ने रंगोली के विभिन्न आयाम और उसके महत्व को भी छात्रों से साझा की । आगे बताया कि रंगोली का महत्व सिर्फ साज-सज्जा के लिए ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक स्तर पर भी है। रंगों के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव को विज्ञान और विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों ने भी माना है। विभिन्न रंगों से बनाई रंगोली आसपास के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। विभिन्न प्रदेशों में रंगोली को अलग अलग ढंग से बनाया जाता है । संकाय की अधिष्ठाता प्रो0 डॉ वंदना सहगल सहित तमाम संकाय के अध्यापकों ने छात्र-छात्राओं की मनमोहक और रचनात्मक रंगोली की प्रशंसा की। निर्णायक मण्डल द्वारा दिए गये निर्णय के अनुसार प्रतियोगिता में समूह 6,12 एवं 13 को क्रमवार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे साथ ही समूह 2 और 7 को सांत्वना पुरस्कार लिए चयनित किया गया ।पोस्टर प्रतियोगिता में ज़ैनब मज़ीद प्रथम और सोनाली कुशवाहा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

अब मैनपुरी किसकी, लोगों के जेहन में सवाल

●समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी में कड़ी जंग

●मैनुपरी उपचुनाव : अखिलेश के लिए बड़ा टास्क

लखनऊ, (यूएनएस)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक ,पूर्व रक्षामंत्री ,और मैनपुरी से लोकसभा सांसद का 82 साल की उम्र में निधन हो जाने के बाद उनकी संसदीय सीट मैनपुरी पर सबकी नजरें आ टिकी है कि आखिर अब मैनपुरी किसकी ? समाजवादी पार्टी के सामने अपना सियासी वजूद बचाये रखने के साथ ही पिता की सियासी विरासत किसी और के हाथ न जाने देने की चुनौती है। वही बीजेपी समाजवादी दुर्ग भेदने को बेताब हैं। कांग्रेस और बीएसपी ने तो मैदान छोड़ दिया है। ऐसे में इन दलों के परम्परागत वोट भी कम महत्वपूर्ण नही है। जिधर झुकेंगे ,कुछ नया करेंगे। ये बात और है कि इन दोनों दलों में किसी ने किसी के पक्ष में झुकाव क्लियर नही किया है। मुलायम के निधन के बाद अब मैनपुरी लोकसभा सीट पर उपचुनाव है। इससे पहले यूपी में रामपुर और आजमगढ़ में हुए दो उपचुनावों में बीजेपी ने समाजवादी पार्टी को पटकनी दे दी थी। ये दोनों ही सीटें सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के लिए नाक की लड़ाई थी लेकिन विरोधी दांव पेंच को समझने में नाकाम रहे और गवां बैठे थे। दूध के जले हैं जाहिर है बिना फूंक मारे मट्ठा भी हाथ पियेंगे। अखिलेश के सामने नई चुनौती आ खड़ी हुई है। आजमगढ़ को हाथ से गवां चुके अखिलेश कभी नहीं चाहेंगे कि मैनपुरी में भी बीजेपी अपने मकसद में कामयाब हो पाए। राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि मैनुपरी में उपचुनाव से तय हो जाएगा कि यूपी की राजनीति किस दिशा में जाएगी।समाजवादी पार्टी के धाकड़ नेता और पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव अब दुनिया में नहीं रहे। उनके जाने के साथ ही अब यूपी में नए सियासी समीकरण की आहट सुनाई देने लगी है। लोकसभा का अगला चुनाव होने में अभी समय है लेकिन पटकथा 2024 की तैयार हो रही है। मैनपुरी से एक तरह से मिशन 24 की दिशा का शुरुआती कदम हो सकता है। मैनपुरी का उपचुनाव अखिलेश के लिए बड़ा टास्क है। चूक न हो जाये इसीलिए यहाँ प्रयोग करने के बजाय नेताजी की बहू और अपनी पत्नी डिंपल यादव को ही उतार दिया है। डिम्पल के साथ यादव परिवार ही नही मैनपुरी की जनता की सिम्पैथी है।मैनपुरी सपा का गढ़ मानी जाती है लेकिन जिस तरह से बीजेपी ने ताकत झोंकी है, उससे जीत हार का फैसला मतदाता करेंगे लेकिन बीजेपी और सपा के बीच सीधी करारी जंग है।मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद जो अखिलेश यादव और शिवपाल यादव के बीच दूरी अखिलेश के झुकते ही खत्म हो गई है। वे अब बहू के पक्ष के खड़े हैं। बीजेपी प्रत्याशी रघुराज शाक्य को कह दिया कि शिष्य बनहि दगाबाज है। मैनपुरी ही वह गढ़ है जहां बीजेपी अपनी पैठ बनाकर पूरे देश में एक बड़ा संदेश देना चाहती है। मैनपुरी में जातीय समीकरण पर गौर करें तो यहां यादव मतदाताओं के बाद शाक्य और सैनी समुदाय का अच्छा खासा वोट है। लोकसभा चुनाव में मुलायम सिंह बीजेपी के उम्मीदवार को लगभग एक लाख मतों से ही हरा पाए थे। ऐसे में मैनपुरी में होने वाले उपचुनाव काफी रोचक होने की उम्मीद है। आजमगढ़ से भी मुलायम सिंह यादव ही सांसद हुआ करते थे लेकिन उन्होंने एक सीट छोड़ दी थी जिसके बाद हुए उपचुनाव में अखिलेश को जीत मिली थी। अखिलेश यादव ने हाल ही में सम्पन्न हुए विधानसभा चुनाव के दौरान आजमगढ़ से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद वहां उपचुनाव हुआ। उपचुनाव में बीजेपी ने ऐसी गोटी सेट की कि अखिलेश की सपा चारों खाने चित्त हो गई। अखिलेश ने अपने चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव को उम्मीदवार बनाया था और बीजेपी ने भोजपुरी गायक और अभिनेता दिनेश लाल यादव उर्फनिरहुआ पर दांव लगाया था जो सफल रहा था। मायावती ने मुस्लिम उम्मीदवार उतारकर बीजेपी का रास्ता और आसान बना दिया था। कुल मिलाकर मैनपुरी का रिजल्ट भविष्य के लिये बहुत कुछ लिखने वाला है। साइकिल रेस में आगे निकलती है या फिर कमल खिल उठेगा। बीजेपी के लीडर मंत्री, विधायक, सांसद दिन रात एक किये हैं। बीजेपी के सूबाई लम्बरदार भूपेंद्र चौधरी कहते हैं कि अब कोई कही किसी का गढ़ नही,सिर्फ बीजेपी की बयार है। हम मैनपुरी ही नहीं खतौली और रामपुर भी जीतेंगे। डिप्टी सीएम केशव मौर्य का भी ऐसा ही दावा है।

बच्चों का खून पीने वाली महिला को जेल

बेटे की चाहत में प्रेमी के साथ बच्चे का अपहरण करती, फिर मार देती

शाहजहांपुर, (यूएनएस)। जिले में बच्चे की बलि देने वाली महिला समेत तीन आरोपियों को दोषी मानते हुए कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। बेटे की चाहत में तांत्रिक के कहने पर महिला ने एक बच्चे की बलि देकर उसका खून चूसा था। शादी के छह साल बाद भीं बच्चा नहीं होने पर महिला ने तांत्रिक का सहारा लिया था। महिला पर पांच साल मुकदमा चला। आठ गवाहों के बयान हुए और शासकीय अधिवक्ता के तर्कों को सुनने के बाद अदालत ने महिला उसके प्रेमी और ममेरे भाई को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सुना सुनाई है। साथ ही पांच-पांच हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। रोजा थाना क्षेत्र के गांव जमुका निवासी 10 साल के सतीश का शव पांच साल पहले मंदिर के बाहर रजाई में लिपटा मिला था। तब उसी गांव में अपने मामा के घर आई धनदेवी निवासी पीलीभीत ने शव को सबसे पहले देखकर उसके परिजनों को सूचना दी थी। लेकिन धनदेवी के हावभाव देखकर परिजनों समेत पुलिस को भी शक होने लगा था। पुलिस ने धनदेवी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो होश उड़ा देने वाला सच सामने आया। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि शादी के छह साल बीतने के बाद भी बच्चा नहीं हुआ था। तब उसने एक तांत्रिक का सहारा लिया। तांत्रिक ने उससे बलि देने के लिए कहा। उसके बहकावे में आकर अपने प्रेमी सूरत और ममेरे भाई सुनील की मदद से बच्चों का अपहरण कर उसका गला दबाकर हत्या कर उसका खून भी चूसा। तब पुलिस ने महिला धनदेवी समेत तीनों को जेल भेज दिया था। शासकीय वकील विनोद शुक्ला ने बताया कि पांच साल चले मुकदमे में 8 लोगों के बयान होने के बाद तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश अहसान हुसैन ने महिला समेत तीनों आरोपियों को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही तीनों दोषियों पर पांच-पांच हजार रुपए जुर्माने से भी दंडित किया है।

श्रद्धा मर्डर केस पर दारुल उलूम फिरंगी के प्रवक्ता बोले-ये मजहबी मामला नहीं, न ही ये लोग मजहबी

लखनऊ, (यूएनएस)। मुसलमानों के रहनुमा और दारुल उलूम फिरंगी महल के प्रवक्ता मौलाना सुफियान निजामी ने श्रद्धा मर्डर केस के मामले को लेकर बड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि हमारे देश का दुर्भाग्य है कि अपराधी को किसी एक मजहब से जोड़कर देखा जाता है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा वाल्कर की हत्या का आरोपी आफताब अमीन पूनावाला का धर्म से काई लेना देना नहीं है और न ही ये लोग मजहबी लोग हैं जो ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। सूफियान निजामी ने कहा कि जिसे जिस तरीके से सियासी फायदे होते हैं वह उस एंगल से घटना को देखता है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अपराधी को धर्म को जोड़ कर देख रहे हैं यह पूरी तरह से गलत है। निजामी ने कहा कि हमारे देश में हर एक मामले को मजहबी एंगल देने की कोशिश की जाती है। भले ही वह मामला आपराधिक ही क्यों न हो। उन्होंने कहा कि अपराधी की कोई जाति धर्म नहीं होता है, सूफियान निजामी ने अपराधी को लेकर जिस तरीके से सियासी फायदे के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, यही हमारे देश की सबसे बड़ी बदकिस्मती है। बता दें कि पूनावाला और श्रद्धा की मुलाकात एक डेटिंग एप के जरिए हुई थी। दोनो की दोस्ती प्यार में बदल गई, दोनो एक साथ लिव-इन-पार्टनर के रुप में रह रहे थे। श्रद्धा वाल्कर के घर वालों को जब इस बात की जानकारी हुई तो उन्होंने इस रिश्ते को लेकर नाराजगी जताई। उसके भी दोनो ने शादी करने का फैसला कर लिया। इसके बाद वे दिल्ली आ गए। दिल्ली में श्रद्धा वालकर और आफताब आमीन पूनावाला रहने लगे, लेकिन श्रद्धा वालकर आफताब पर शादी के लिए दबाव बना रही थी। जिस बात को लेकर दोनो के बीच कहा सुनी हो गई। कहा सुनी इतनी बढ़ गई कि आफताप ने गुस्से में श्रद्धा वालकर की गला दबाकर हत्या कर दी। सूत्र बताते हैं कि दोनों के बीच कथित तौर पर 18 मई को शादी को लेकर बहस हुई, जिसके बढ़ने पर पूनावाला ने श्रद्धा की हत्या कर दी और उसके शव के 35 टुकड़े कर दिए। पूनावाला ने दक्षिणी दिल्ली के महरौली में अपने घर पर करीब तीन सप्ताह तक इन टुकड़ों को 300 लीटर के फ्रिज में रखा। वह कई दिन तक आधी रात को उन्हें शहर के विभिन्न इलाकों में शव के टुकडे में फेंक दिया। हालांकि पुलिस ने श्रद्धा के पिता की तहरीर मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी की निशानदेही पर दक्षिणी दिल्ली के महरौली में शव के कुछ टुकड़ों को बरामद किया है। फोरेंसिक जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि जो पुलिस ने शव अवशेष बरामद किए हैं वो श्रद्धा के है। फिलहाल दिल्ली पुलिस मामले में हर एंगल से जांच पड़ताल कर रही है।

ठगी के 5 आरोपी गिरफ्तार,एप के माध्यम से लोगों के खातों से उड़ा देते थे रुपए

शाहजहांपुर, (यूएनएस)। शाहजहांपुर पुलिस ने साइबर अपराध कर खातों से रुपए निकालने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक जनसेवा संचालक भी शामिल है। जनसेवा केंद्र पर आधार संशोधन कराने वाले लोगों के फिंगर प्रिंट लेकर कंप्यूटर पर सेव कर लेते थे। उसके बाद (आधार एनेबल पैमेंट सिस्टम) ऐप्प के माध्यम से रुपये निकाल लेते थे। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की थी। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। थाना कांट पुलिस ने साइबर सेल टीम की मदद से थाना कांट क्षेत्र के विनोबा भावे स्कूल के पास जनसेवा केंद्र पर छापामारी कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी जनसेवा केंद्र संचालक अरुण कुशवाहा, अमित यादव, संदीप, तौसीफ और ऋतिक आपस में मिलकर जनसेवा केंद्र पर फर्जीवाड़ा करते थे। आरोपियों के पास से पुलिस ने लैपटॉप, स्कैनर, फर्जीवाड़ा दस्तावेज, आधार समेत तमाम चीजे बरामद की हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस को बताया कि, जनसेवा केंद्र पर आधार कार्ड संशोधन कराने वाले लोगों के धोखाधड़ी कर फिंगर प्रिंट लेकर लैपटॉप और स्कैनर पर सेव कर लेते थे।

सरोजनीनगर की महिलाएं करेंगी मधुमक्खी पालन

डॉ. राजेश्वर सिंह ने निःशुल्क प्रशिक्षण दिलाने की पहल का किया शुभारंभ

लखनऊ, (यूएनएस)। महिला सशक्तिकरण की दिशा में लखनऊ की सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के द्वारा बड़े पैमाने पर कार्य किए जा रहे हैं। जिसका ताजा उदाहरण बुधवार को नानमऊ ग्राम पंचायत में देखने को मिला जहां उन्होंने मधुमक्खी पालन को व्यावसायिक स्तर पर शुरू किए जाने के लिए महिलाओं को आवश्यक संसाधन व प्रशिक्षण दिलाने की पहल का शुभारंभ किया। इसके अंतर्गत प्रथम चरण में क्षेत्र की 100 उद्यमी महिलाओं को मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। महिलाओं को मधुमक्खी पालन, उनकी देखभाल, रोग एवं कीड़ों से बचाव, शहद निकालने आदि का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलंबी बनाया जाएगा। इसके लिए उन्हें निःशुल्क संसाधन भी उपलब्ध कराए जाएंगे। आपका विधायक, आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने नानमऊ ग्राम पंचायत में जनसुनवाई भी की। इस दौरान उन्होंने ग्राम वासियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना और उसके समाधान का भरोसा दिलाया। यहां डॉ. राजेश्वर सिंह नानमऊ प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने नानमऊ को कई सौगातें भी दी। डॉ. सिंह ने ग्राम के प्राथमिक विद्यालय को कक्षा आठ से 10 तक करवाने तथा उसमें झूले लगवाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापरक शिक्षा बच्चों का मौलिक अधिकार है। प्राथमिक विद्यालय की क्लासेज को स्मार्ट क्लाजेस, टीचरों की संख्या बढ़ाने व बच्चों को किताबें-ड्रेसज दिलाने के अलावा उन्हें हर संसाधन उपलब्ध कराया जाएगा। नानमऊ के बच्चे प्रदेश ही नहीं देश भर में गांव का नाम रौशन करें, यह मेरी आकांक्षा है। इसके अलावा उन्होंने गांव में खेल मैदान का निर्माण करवाने, गांव में सड़कों-नालियों को दुरुस्त करवाने, सोलर लाइट लगवाने के साथ-साथ गांव में अन्य विकास कार्य करवाने का आश्वासन भी दिया। इतना ही नहीं उन्होंने गांव के सभी मेधावी ग्रेजुएट छात्रों को स्कॉलरशिप दिलाने व रोजगार से जोड़ने का भी आश्वासन दिया। विधायक ने कहा कि नानमऊ को प्रदेश का आदर्श गांव बनाना मेरा लक्ष्य है। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों को रामलला के दर्शन करवाने का भी वादा किया। मधुमक्खी पालक निमित सिंह के कार्यों की भी डॉ. राजेश्वर सिंह ने जमकर सराहना की। इसके अलावा सरोजनीनगर विधायक ने बताया कि महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उनके विधानसभा क्षेत्र में चार सिलाई के ट्रेनिंग सेंटर्स खोले गए है, इस तरह के 100 से अधिक सेंटर खोले जाना का लक्ष्य है जहां से महिलाएं ट्रेनिंग कर आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बने। उन्होंने कहा कि मेरा उद्देश्य 3000 से अधिक सिलाई मशीनें महिलाओं को बांटने का है। गांव के 21 स्वयं सहायता समूहों को इफ्को के माध्यम से लोन दिला कर स्वरोजगार से जोड़ने का भी आश्वासन दिया।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य अभियंता/निर्माण-2, उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रोफार्मा पर खुली ई–निविदायें **दो पैकेट** में आमंत्रित की जाती हैं।

1	**कार्य का नाम व स्थान :** उत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में जौनपुर–अकबरपुर में प्रस्तावित दोहरीकरण के सम्बन्ध में जौनपुर (सहित) से अकबरपुर (रहित) के मध्य स्टेशन यार्ड एवं ब्लॉक सेक्शन में रेल पथ सामग्री जैसे फिटिंग्स, रेल्स, स्लीपर्स इत्यादि की ढुलाई का कार्य।
2	**कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 13.67 करोड़
2	**कार्य पूरा करने की अवधि :** 12 (बारह) माह
4	**धरोहर राशि (आनलाईन कैस/बीजी) :** रु. 8,33,400/-
5	**ई-निविदा जमा करने की तारीख / समय एवं निविदा खुलने की तारीख :** निविदाएँ दिनांक 26.12.2022 को 11:30 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड की जा सकती है तथा दिनांक 26.12.2022 को 11:30 बजे खोली जाएगी।
6	**विस्तृत निविदा सूचना व प्रपत्र :** विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र दिनांक 04.12.2022 से आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध रहेंगे व दिनांक 12.12.2022 से 26.12.2022 तक अपलोड की जा सकती है।

सं.: 836-टेन्डर/उप मु अभियंता/निर्माण-2, उ रे, लखनऊ दिनांकः 24.11.2022 3130/22

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सम्पादकीय

आतंक पर लगाम

भारत ने बीते दिनों इस संबंध में एक अहम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी भी की है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस आयोजन में कहा कि आतंक अच्छा या बुरा में नहीं बांटा जाना चाहिए. यह मानवता, स्वतंत्रता और सभ्यता पर हमला है. इसे साझा कठोर रवैये से ही रोका जा सकता है. उन्होंने आतंक को प्रश्रय और सहयोग देने वाले देशों को कटघरे में खड़ा करने की जरूरत पर जोर देते हुए आतंकियों को मिलने वाले धन के स्रोतों को रोकने की मांग की है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उचित ही रेखांकित किया है कि आतंक से भी कहीं अधिक खतरनाक उसे धन उपलब्ध कराना है. भारत उन कुछ देशों में है, जो दशकों से आतंकी हिंसा का सामना कर रहे हैं. यह जगजाहिर तथ्य है कि हमारे देश को अस्थिर करने तथा आतंकियों द्वारा भारतीय नागरिकों को निशाना बनाने की साजिशें पाकिस्तान में रची जाती रही हैं. यह भी स्थापित तथ्य है कि पड़ोसी देशों में आतंकवाद को बढ़ावा देना पाकिस्तानी विदेश नीति और रक्षा नीति का अभिन्न हिस्सा है. पिछले कुछ समय से पाकिस्तान की नापाक हरकतों को चीन का समर्थन भी मिल रहा है. आतंकियों को धन देने के मामले को लेकर इस संबंध में बनी अंतरराष्ट्रीय संस्था ने पाकिस्तान पर कार्रवाई भी की है. लेकिन कुछ ताकतवर देश, जिनमें अमेरिका और पश्चिमी देश भी शामिल हैं, अपने भू-राजनीतिक स्वार्थों को साधने के लिए पाकिस्तान के साथ नरमी से पेश आते रहे हैं. हाल में आतंकियों को धन देने के मामले में लगे आरोपों पर पाकिस्तान की फर्जी सफाई को स्वीकार करते हुए उसे निगरानी सूची से निकाल दिया गया है. इतना ही नहीं, पाकिस्तान को अमेरिका से सैन्य सहायता के नाम पर खरबों रुपये की वित्तीय सहायता भी दी गयी है, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तानी सेना और उसकी कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई अपनी हरकतों के लिए करेंगे. चीन और अमेरिका के बीच चल रही रस्साकशी भारत ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिणी एशिया की शांति को प्रभावित कर सकती है. उम्मीद है कि हालिया सम्मेलन की चर्चाओं तथा भारत के प्रस्तावों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय गंभीरता से विचार करेगा।

चीनी सेना की हरकतें

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जाड़े के मौसम के हिसाब से भारतीय सैन्य टुकड़ियों की तैनाती का काम जारी है. लगभग 35 सौ किलोमीटर लंबी इस अस्थायी सीमा पर चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की हरकतों पर भी नजर रखी जा रही है. उल्लेखनीय है कि ढाई साल से अधिक समय जारी तनातनी में कमी तो आयी है, परंतु चीनी सेना की गतिविधियां अभी भी आपत्तिजनक हैं. कुछ दिन पहले थल सेनाध्यक्ष जेनरल मनोज पांडे ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि पूरे वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन द्वारा इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण का काम लगातार चल रहा है तथा लद्दाख में अक्साई चिन के अवैध कब्जे वाले इलाके में चीनी टुकड़ियों की संख्या में कोई खास कमी नहीं आयी है. हाल में आयोजित हुए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक से एक माह पहले चीन ने पूर्वी क्षेत्र में अपने सैनिकों की संख्या बढ़ायी थी. इन गतिविधियों से स्पष्ट है कि चीन भले ही बातचीत से सीमा विवाद को सुलझाने और द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर करने की बात करता हो, लेकिन उसकी असल मंशा तनाव को बढ़ाना तथा इस क्षेत्र में अपनी ताकत की धौंस जमाना है. बरसों से दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर में भी चीन का यही रवैया रहा है. भारत की ओर से लगातार कहा गया है कि सीमा पर जारी तनाव को स्थापित प्रक्रियाओं के तहत सुलझाया जाना चाहिए तथा वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिकों की संख्या में कमी की जानी चाहिए. भारत ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी तरह का प्रभावी निर्णय तभी हो सकेगा, जब लद्दाख क्षेत्र की अस्थायी सीमा पर अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति को बहाल किया जायेगा. विदेश मंत्री एस जयशंकर कहते रहे हैं कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध तभी सामान्य हो सकेंगे, जब वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति एवं स्थिरता रहेगी. दोनों देशों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के बीच 17वें चरण की बैठक का समय अभी निर्धारित नहीं हुआ है. सामान्य दिनों में जाड़े के मौसम में अक्सर सैन्य टुकड़ियां पीछे आ जाती हैं क्योंकि अग्रिम चौकियों पर स्थिति बहुत कठिन हो जाती है. लेकिन अब जब चीन ने बड़ी संख्या में सैनिकों को वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास जमा किया है, तो भारतीय सेना को भी अपनी कमान पर डटे रहना पड़ सकता है. पहले भी भारत के भरोसे का अनुचित लाभ उठाकर चीनी सैनिक भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करते रहे हैं. आगामी कुछ दिनों में चीन के रवैये के बारे में कुछ ठोस संकेत मिलने की संभावना है, लेकिन हमारी सेना किसी भी संभावित परिस्थिति के लिए मुस्तैद है. यदि चीन कोई बेजा हरकत करता है, तो वह अपनी गिरती हुई साख में ही बट्टा लगायेगा।

निर्वाचन आयुक्तों पर तीखे सवाल

> कहने का अर्थ ये कि देश में लगातार कहीं न कहीं चुनाव की प्रक्रिया चलती ही रहती है। लोकतंत्र की जीवंतता तो इसमें नजर आती है, लेकिन ये सवाल भी अब बड़े पैमाने पर उठने लगा है कि क्या चुनाव वाकई इतने निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो रहे हैं, जिसका दावा किया जाता है। निर्वाचन आयोग अपने फैसलों और कई बार समय पर न लिए जाने वाले फैसलों के लिए सवालों के घेरे में लगातार आ रहा है। अभी विधानसभा चुनावों के ऐलान के वक्त भी आयोग पर उंगलियां उठी थीं कि हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ ही गुजरात चुनावों का ऐलान क्यों नहीं हुआ, क्यों दोनों राज्यों में चुनाव की तारीखों में लगभग महीने भर का अंतर होने के बावजूद मतगणना की तारीख एक रखी गई।

देश में चुनावों की गहमागहमी लगातार बनी हुई है। हिमाचल प्रदेश के चुनाव खत्म हुए ही हैं कि अब गुजरात की बारी आ चुकी है। इधर दिल्ली में एमसीडी चुनाव की तैयारी भी चल रही है। इसके बाद मुंबई और महाराष्ट्र के कुछ और शहरों में नगरीय निकाय चुनाव होंगे। इनके खत्म होते न होते कर्नाटक की बारी आ जाएगी और उसके बाद अगले साल मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ चुनाव की कतार में लग जाएंगे। कहने का अर्थ ये कि देश में लगातार कहीं न कहीं चुनाव की प्रक्रिया चलती ही रहती है। लोकतंत्र की जीवंतता तो इसमें नजर आती है, लेकिन ये सवाल भी अब बड़े पैमाने पर उठने लगा है कि क्या चुनाव वाकई इतने निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो रहे हैं, जिसका दावा किया जाता है। निर्वाचन आयोग अपने फैसलों और कई बार समय पर न लिए जाने वाले फैसलों के लिए सवालों के घेरे में लगातार आ रहा है। अभी विधानसभा चुनावों के ऐलान के वक्त भी आयोग पर उंगलियां उठी थीं कि हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ ही गुजरात चुनावों का ऐलान क्यों नहीं हुआ, क्यों दोनों राज्यों में चुनाव की तारीखों में लगभग महीने भर का अंतर होने के बावजूद मतगणना की तारीख एक रखी गई। कभी आयोग पर इस बात के आरोप लगते हैं कि वह सत्ताधारियों की मर्जी और मंजूरी के हिसाब से चुनाव की तारीखें घोषित करता है, कभी इस बात पर उंगली उठती है कि आचार संहिता के उल्लंघन पर सत्ता में बैठे लोगों पर सख्ती नहीं बरती जाती। निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर उठते इन सवालों के बीच सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त और उनके साथ दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर अहम टिप्पणी की है। इन पदों पर अपनी पसंद के सेवारत नौकरशाहों को नियुक्तकरने की केंद्र की वर्तमान प्रणाली पर सवाल उठाते हुए अदालत ने कहा कि किसी श्रेष्ठ गैर-राजनीतिक सुदृढ़ चरित्र वाले व्यक्ति, जो प्रभावित हुए बिना स्वतंत्र निर्णय ले सके, को नियुक्त करने के लिए एक श्निष्पक्ष और पारदर्शी तंत्रश् अपनाया जाना चाहिए। गौरतलब है कि निर्वाचन आयुक्तों की वर्तमान नियुक्ति प्रक्रिया की संवैधानिकता को चुनौती देते हुए सर्वोच्च अदालत में याचिका लगाई गई थी कि नियुक्तियां कार्यपालिका की मर्जी से की जा रही हैं। और भविष्य में ऐसी नियुक्तियों पर रोक लगाने के लिए स्वतंत्र कॉलेजियम जैसी व्यवस्था या चयन समिति गठित करने की मांग की गई। इस पर सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने सुनवाई की। जस्टिस केएम जोसेफकी अध्यक्षता में जस्टिस अजय रस्तोगी, जस्टिस अनिरुद्ध बोस, जस्टिस ऋ षिकेश रॉय और जस्टिस सीटी रविकुमार की संविधान पीठ ने इस मामले में पिछले 17 नवंबर को सुनवाई की थी, तब केंद्र सरकार ने निर्वाचन आयुक्तों के चयन के लिए कॉलेजियम जैसी प्रणाली की मांग करने वाली दलीलों का जोरदार विरोध करते हुए कहा था कि इस तरह का कोई भी प्रयास संविधान में संशोधन करने के समान होगा। गौरतलब है कि संविधान के अनुच्छेद 324 में निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के बारे में कहा गया है, लेकिन इसमें कोई प्रक्रिया नहीं बताई गई है। जिस पर इस मंगलवार को संविधान पीठ ने टिप्पणी की कि अनुच्छेद 324 में किसी प्रक्रिया का उल्लेख न होने पर संविधान की चुप्पी का फायदा उठाया जा रहा है। पीठ ने निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए कोई कानून नहीं होने का फायदा उठाए जाने की प्रवृत्ति को तकलीफदेह बताया और अंदेशा भी जतलाया कि राजनीतिक दल नियुक्ति को लेकर एक स्वतंत्र पैनल की स्थापना के लिए कानून पारित करने के लिए कभी भी सहमत नहीं होंगे, क्योंकि यह सरकार की अपनी पसंद के व्यक्तियों को नियुक्त करने की शक्ति को छीन लेगा जो उनके बने रहने के लिए जरूरी हो सकता है। संविधान पीठ ने एक बड़ी कमी की ओर भी ध्यान दिलाया कि 2004 से किसी भी मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल 2 वर्ष से अधिक का नहीं रहा है। जबकि कानून के अनुसार, उनका छह साल या 65 वर्ष तक की आयु का कार्यकाल होता है, जो भी पहले हो। लेकिन पहले यूपीए और अब एनडीए सरकारों ने निर्वाचन आयुक्तों को ऐसे समय में नियुक्त किया कि वे छह साल की अवधि पूरी ही नहीं कर पाएं। हालांकि अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने कहा कि जिस मौजूदा प्रक्रिया के तहत राष्ट्रपति मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति करते हैं, उसे असंवैधानिक नहीं कहा जा सकता और अदालत उसे खारिज नहीं कर सकतीं। जबकि अदालत ने कहा कि चुनाव आयोग के लिए आप आदर्श और सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति की तलाश कैसे करते हैं, यह एक बड़ा सवाल है। अदालत ने यह भी कहा कि संविधान ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और दो निर्वाचन आयुक्तों के श्नाजुक कंधोंश् पर बहुत जिम्मेदारियां सौंपी हैं और वह मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर टीएन शेषन की तरह के सुदृढ़ चरित्र वाले व्यक्ति को चाहता है। गौरतलब है कि 1990 में भारत के दसवें मुख्य निर्वाचन आयुक्त बने टी.एन. शेषन कड़े सुधारों के लिए जाने जाते हैं। मतदाता परिचय पत्र से लेकर चुनाव में खर्च पर लगाम जैसे कई महत्वपूर्ण फैसले उन्होंने लिए और किसी के राजनैतिक रसूख के आगे झुकने से इंकार करते हुए, अगर जरूरी हुआ तो चुनाव रद्द कराने के फैसले भी लिए। देश में चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने में उनका महती योगदान है और अब सर्वोच्च अदालत उनकी ही तरह सख्त और राजनैतिक दबावों से मुक्त व्यक्ति को निर्वाचन आयुक्त के तौर पर देखना चाहती है। केंद्र सरकार के तर्क हैं कि सब कुछ संविधान के मुताबिक हो रहा है और कॉलेजियम जैसे प्रयास संविधान संशोधन के समान होंगे। लेकिन निर्वाचन की व्यवस्था को और मजबूत व पारदर्शी बनाने के लिए अगर संविधान संशोधन जैसे कदम उठाने पड़ें तो उससे परहेज क्यों करना चाहिए। संविधान पीठ ने एक जरूरी मसले को उठाया है और सुदृढ़ चरित्र वाले व्यक्ति को निर्वाचन आयुक्त नियुक्त करने की जो आकांक्षा जाहिर की है, वह दरअसल लोकतंत्र में यकीन रखने वाले नागरिकों के मन की बात है। जिसे सभी राजनैतिक दलों को सुनना और गुनना चाहिए।-**एजेंसी**

असम-मेघालय में फिर विवाद

असम-मेघालय का पांच दशक पुराना सीमा विवाद, मंगलवार को गोलीबारी और हिंसा में छह लोगों की जान जाने के बाद फिर चिंता का विषय बन गया है। गौरतलब है कि असम-मेघालय सीमा पर मंगलवार को तड़के वन विभाग के अधिकारियों ने लकड़ियां ले जा रहे एक ट्रक को रुकने कहा, लेकिन ट्रक ने भागने की कोशिश की, वन रक्षकों ने उस पर फायरिंग कर दी और उसका टायर पंचर कर दिया। आरोप है कि ट्रक में लकड़ियों का अवैध परिवहन हो रहा था, इसलिए वन विभाग के अधिकारी उसे रोक रहे थे। वन रक्षकों ने ट्रक चालक समेत तीन लोगों को पकड़ लिया, जबकि कुछ लोग भाग गए। पश्चिम कार्बी आंगलोंग के पुलिस अधीक्षक के मुताबिक वन रक्षकों ने घटना के बारे में जिरिकेंडिंग पुलिस थाने को सूचित किया और अतिरिक्त बल की मांग की। जैसे ही पुलिस पहुंची, मेघालय के लोग श्दावश् नाम के कटारनुमा हथियार और अन्य शस्त्रों से लैस होकर बड़ी संख्या में सुबह पांच बजे के आसपास घटनास्थल पर जमा हो गए। उग्र भीड़ ने गिरफ्तार लोगों की तत्काल रिहाई की मांग करते हुए वन रक्षकों और पुलिस का घेराव किया, अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए उन पर गोलीबारी की। जिससे छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में असम के एक वनरक्षक और मेघालय के पांच लोग शामिल हैं। मेघालय सरकार ने मुकोह में गोलीबारी की घटना के बाद 22 नवंबर से 48 घंटों के लिए सात जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। दो राज्यों के बीच हिंसा की ये घटना मार्च के अंत में हुए उस समझौते के बाद हुई है, जिसे केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक करार दिया था। गौरतलब है कि

> आरोप है कि ट्रक में लकड़ियों का अवैध परिवहन हो रहा था, इसलिए वन विभाग के अधिकारी उसे रोक रहे थे। वन रक्षकों ने ट्रक चालक समेत तीन लोगों को पकड़ लिया, जबकि कुछ लोग भाग गए। पश्चिम कार्बी आंगलोंग के पुलिस अधीक्षक के मुताबिक वन रक्षकों ने घटना के बारे में जिरिकेंडिंग पुलिस थाने को सूचित किया और अतिरिक्त बल की मांग की।

मेघालय और असम के बीच 1972 से सीमा विवाद चला आ रहा है, जो समय-समय पर उग्र होता रहा है। असम और मेघालय 885 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। मेघालय को असम पुनर्गठन अधिनियम 1971 के तहत असम से अलग किया गया था, हालांकि मेघालय ने हमेशा इसे चुनौती दी है। ऊपरी ताराबारी, गजांग आरक्षित वन, हाहिम, लंगपीह, बोरदुआर, बोकलापारा, नोंगवाह, मातमूर, खानापारा-पिलंगकाटा, देशदेमोराह ब्लॉक ढ्ढ और ब्लॉक ढ्ढढ्ढ, खंडुली और रेटचेरा के क्षेत्रों को लेकर हमेशा विवाद चलता आया है। खासकर असम के कामरूप जिले की सीमा से लगे पश्चिम गारो हिल्स में लंगपीह जिले पर दोनों राज्य अपना दावा ठोंकते हैं। लंगपीह ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान कामरूप जिले का हिस्सा था। लेकिन आजादी के बाद यह गारो हिल्स और मेघालय का हिस्सा बन गया। असम इसे मिकिर पहाड़ियों का हिस्सा मानता है। वहीं मेघालय मिकिर हिल्स के ब्लॉक ढ्ढ और ढ्ढढ्ढ पर सवाल उठाता है। दोनों राज्य इन विवादित क्षेत्रों को लेकर हिंसक झड़पों में उलझ चुके हैं और 50 बरस बीत जाने के बाद भी इस विवाद का कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। 14 मई 2010 को लंगपीह में असम पुलिस के जवानों की गोलीबारी में खासी समुदाय के चार ग्रामीण मारे गए थे और 12 घायल हो गए थे। इसके बाद पिछले साल 26 जुलाई को सीमा विवाद के कारण सबसे भीषण हिंसा हुई थी। जिसमें असम पुलिस के छह जवानों की मौत हो गई थी और दोनों राज्यों के लगभग 100 लोग और सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। एक देश के दो राज्यों की पुलिस का यूं आमने-सामने आ जाना, एक गंभीर घटना थी। जिस का दीर्घकालिक समाधान निकालने की दिशा में प्रयास होना चाहिए था। मगर यह प्रयास बड़े दावों के बोझ तले दम तोड़ता नजर आ रहा है। जुलाई की घटना के बाद 29 मार्च 2022 को नयी दिल्ली में असम के मुख्यमंत्री हेमंत बस्वा सरमा और मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में सीमा विवाद को खत्म करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। बताया गया कि विवाद के आधे बिंदुओं को लेकर समझौता हो गया है। दोनों मुख्यमंत्रियों ने इस समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए केंद्र सरकार का आभार माना। वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि 2014 से मोदी जी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए कई प्रयास किए हैं। मैं असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों और उनकी टीमों को उनके सीमा विवाद को सुलझाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करने पर बधाई देता हूं। असम और मेघालय के बीच 50 साल पुराना लंबित सीमा विवाद सुलझ गया है। विवाद के 12 में से 6 बिंदुओं को सुलझा लिया गया है, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत सीमा शामिल है। शेष 6 बिंदुओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। विवाद के आधे बिंदुओं पर भले ही समझौता हो गया था, लेकिन आधे बिंदु अब भी शेष थे, लेकिन विवाद सुलझाने का श्रेय लेने की हड़बड़ी सत्ताधीशों में दिखाई दी। दो मुख्यमंत्रियों ने समझौता पत्र पर भले हस्ताक्षर कर लिए हों, लेकिन दोनों राज्यों की जनता के बीच क्या सौहार्द्र कायम हो पाया, इस बात पर संभवतरू ध्यान नहीं दिया गया। इसलिए समझौते के साल भर बीतते न बीतते फिर से एक हिंसक

घटना हो गई। वन क्षेत्र से अवैध रूप से लकड़ियां ले जाना भले अपराध हो, लेकिन उसकी सुनवाई अदालत में होनी चाहिए। इस तरह गोलीबारी से समस्याएं नहीं सुलझेंगी, दो राज्यों के बीच भरोसा कायम नहीं होगा, बल्कि अविश्वास और अधिक बढ़ेगा। सात जिलों में इंटरनेट बंद होने से कुछ वक्त के लिए स्थिति नियंत्रण में दिखेगी, तब तक गुजरात चुनाव के प्रचार का काम भी हो जाएगा। इसके बाद शायद विवादों में उलझे पूर्वोत्तर के इन राज्यों की सुध ली जाए।-**एजेंसी**

आलेख — एकता की पहल है काशी तमिल संगमम

वाराणसी में आयोजित काशी तमिल संगम उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों की दृष्टि से ऐतिहासिक माना जायेगा. उत्तर एवं दक्षिण, विशेषकर तमिलनाडु, को संपूर्ण भारतीय संस्कृति और सभ्यता के साथ एकता के सूत्र में जोड़ने का जो कार्य पहले होना चाहिए था, वह अब हो रहा है. मानव समाज के बीच भौगोलिक दूरियां चाहे जितनी हों, संस्कृति, सभ्यता और धर्म जुड़े हों, तो उनमें परस्पर एकता का भाव अटूट रहता है. श्काशी तमिल संगमम' को इसी उद्देश्य का आयोजन कहा जा सकता है.निश्चित रूप से इसके राजनीतिक निहितार्थ भी निकाले जायेंगे और हैं भी. तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक जिस तरह इस आयोजन से तिलमिलायी है, उसका अर्थ स्पष्ट है. इस भावना के विस्तार के साथ द्रविड़ भावना से राजनीति की धारा कमजोर पड़ सकती है. तमिलनाडु का एक बड़ा वर्ग स्वयं को आम भारतीय से अलग यानी द्रविड़ संस्कृति का भाग मानता है. अंग्रेजों ने आर्य-द्रविड़ खाई पैदा की और वह कमजोर होने की बजाय हमारे अपने देश के महान इतिहासकारों, संस्कृतिकर्मियों, बुद्धिजीवियों और नेताओं के द्वारा ज्यादा गहरी की गयी. ऐसा कोई प्रामाणिक ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक तथ्य नहीं, जिनके आधार पर मान लिया जाए कि आर्य और द्रविड़ संस्कृतियां अलग-अलग थीं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय में संगमम का उद्घाटन करते हुए ठीक ही कहा कि हमें आजादी के बाद हजारों वर्षों की परंपरा और इस विरासत को मजबूत करना था, एकता का सूत्र बनाना था, लेकिन दुर्भाग्य से इसके लिए बहुत प्रयास नहीं हुए. उन्होंने धर्म, संस्कृति और सभ्यता से जुड़े एकता के उन सूत्रों का उल्लेख भी किया, जो आज भी साकार रूप में हैं. मसलन, तमिल विवाह परंपरा में काशी यात्रा की एक महत्वपूर्ण रस्म है. दूसरे, प्राचीन

> मानव समाज के बीच भौगोलिक दूरियां चाहे जितनी हों, संस्कृति, सभ्यता और धर्म जुड़े हों, तो उनमें परस्पर एकता का भाव अटूट रहता है. श्काशी तमिल संगमम' को इसी उद्देश्य का आयोजन कहा जा सकता है.निश्चित रूप से इसके राजनीतिक निहितार्थ भी निकाले जायेंगे और हैं भी. तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक जिस तरह इस आयोजन से तिलमिलायी है, उसका अर्थ स्पष्ट है।

काल से अब तक तमिलनाडु की अनेक विभूतियों ने काशी में जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा बिताया है. तीसरे, काशी में बाबा विश्वनाथ और तमिल में रामेश्वरम है, यानी एक ही चेतना अलग-अलग रूपों में देखने को मिलती है. चौथे, मोक्षदायी नगरों में काशी के साथ कांची का भी वर्णन है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने याद दिलाया कि तमिलनाडु के तीनकाशी में काशी से शिवलिंग ले जाकर विश्वनाथ मंदिर की स्थापना की गयी थी. भगवान राम ने वहां रामेश्वरम शिवलिंग की स्थापना की. आर्य-द्रविड़ मतभेद की बातें इतनी बार गुंजित की गयीं कि वही सच दिखने लगा. परिणामस्वरूप तमिलों के एक बड़े वर्ग में अलगाववाद का भाव पैदा हुआ. हिंदी के विरुद्ध सबसे उग्र और हिंसक आंदोलन तमिलनाडु में ही हुआ क्योंकि इसे आर्यों की भाषा बताया गया. संस्कृत के ग्रंथों का सम्मान और उन पर अध्ययन की परंपरा तमिलनाडु में है. पहले भी इस दूरी को पाटने की कोशिश हुई. चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने हिंदी को संपूर्ण भारत की राष्ट्रभाषा बनाने का अभियान चलाया. किंतु वह आगे नहीं बढ़ पाया. काशी से इसे आगे बढ़ाने की पहल बिल्कुल स्वाभाविक है. वैदिक विद्वान राजेश्वर शास्त्री तमिलनाडु से थे, परंतु काशी में रहते थे. हनुमान घाट पर रहने वाले पट्टाभिराम शास्त्री भी वहीं के थे. तमिल मंदिर काशी कामकोटेश्वर पंचायतन मंदिर हरिश्चंद्र घाट के किनारे है और केदार घाट पर कुमारस्वामी मठ एवं मार्कंडेय आश्रम हैं. तमिल का राज्य गीत लिखने वाले मनोनमनियम सुंदरनर के गुरु का संबंध भी काशी से था. संगम में तमिलनाडु के 2500 प्रतिनिधि शामिल हुए. इनके लिए भ्रमण में आम धर्मस्थलों, कांची काम कोठी शंकराचार्य मठ व शंकराचार्य मंदिर के साथ तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती का आवास भी शामिल है।-**एजेंसी**

दैनिक राशिफल

मेषः- आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

वृषभः- आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है। महिला के साथ विवाद में न उतरें।

मिथुनः- लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

कर्क :- कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंहः- आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें। व्यापार एवं आर्थिक लाभ के योग हैं।

कन्याः- आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पिता से लाभ होगा।

तुलाः- व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिकः- आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

धनुः- आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

मकरः- व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभः- गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें। अस्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरी में चिंता रहेगी। धन व कीर्ति की हानि न हो ध्यान रखें।

मीनः- मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें। नए कार्य प्रारंभ न करें।

एक बच्चा 😒 अपनी माँ से बुरी तरह से पीटने के बाद, अपने पापा से पूछा
आप कभी पाकिस्तान गए हो ?
पापा : नहीं बेटा,
बेटा: कभी अफगानिस्तान गए हो ??
पापा : नहीं बेटा.
बेटा : तो फिर यह आतंकवादी आइटम कहाँ से लाये ? !!!😝😎

आज का सुविचार

:- सुविचार :-

चिंतन करो, चिंता नहीं

संक्षिप्त समाचार

यूपी के राइस-मिलर्स को सार्टेक्स मशीन लगाने की मिली छूट

मेनका गांधी ने एसोसिएशन की मांग पर खाद्य एवं रसद विभाग के प्रमुख सचिव को लिखा था पत्र

सुलतानपुर, (यूएनएस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सुल्तानपुर की सांसद मेनका गांधी के प्रयास से सुल्तानपुर सहित उत्तर प्रदेश के राइस मिलर्स को इस सीजन में सार्टेक्स मशीन लगाने की छूट मिल गई है। सांसद ने सुल्तानपुर राइस मिलर्स एसोसिएशन की सार्टेक्स मशीन लगवाने हेतु 1 वर्ष का समय दिलवाने की मांग पर उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद वीना कुमारी मीना को 1 नवंबर को पत्र लिखा था। सांसद द्वारा 1 नवम्बर को खाद्य एवं रसद विभाग की प्रमुख सचिव को लिखे पत्र को संज्ञान में लेते खाद्य एवं रसद विभाग ने 23 नवम्बर 2022 को यूपी के राइस मिलर्स को 6 माह में सार्टेक्स मशीन स्थापित करा लेने का आदेश जारी कर दिया है। सांसद मीडिया प्रभारी विजय सिंह रघुवंशी ने जानकारी देते हुए बताया की 1 नवंबर को सुल्तानपुर राइस मिलर्स एसोसिएशन के जिला संरक्षक फतेह बहादुर सिंह ने दिल्ली में सांसद मेनका गांधी से मिलकर खाद्य एवं रसद विभाग के आयुक्त द्वारा जारी किए गए आदेश कि राइस मिलर्स इसी सीजन में सार्टेक्स मशीन लगवा ले को एक साल बढ़ाने का आग्रह किया था। सुलतानपुर राइस मिलर्स एशोसियेशन के संरक्षक फतेह बहादुर सिंह एवं उपाध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने सांसद मेनका गांधी को अवगत कराया था कि खाद्य एवं रसद विभाग के नवीन आदेश से सभी मिलर्स को सार्टेक्स मशीन लगवाना अनिवार्य कर दिया गया है। जो लगभग 50 लाख लागत की है। जिसको राइस मिलर्स इस सीजन में लगाने में सक्षम नहीं है। फतेह बहादुर सिंह ने सांसद को अवगत कराया कि सुल्तानपुर में 42 राइस मिलें संचालित हैं लेकिन नवीन आदेश के कारण लगभग 35 मिले बंद होने के कगार पर आ जाएंगी। सांसद के प्रयास से सुल्तानपुर सहित यूपी के राइस मिलर्स को सार्टेक्स लगाने के लिए 6 महीने का समय मिल गया है। सार्टेक्स मशीन डिफेक्टिव चावलों को अलग कर देती है।

सुल्तानपुर को टीबी मुक्त करने उतरे सीएमएस, क्षयरोगियों के घर पहुंचकर जाना हाल, बांटे पौष्टिक आहार किट

सुलतानपुर, (यूएनएस)। जिले को टीबी रोग मुक्त करने के लिये मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) स्वयं ग्राउंड जीरो पर उतरे। इस क्रम में गुरुवार को डॉ एससी कौशल दूबेपुर ब्लॉक के अमहट स्थित मेड़ई का पुरवा में क्षयरोगी गुरुदीन पुत्र राम दुलार के घर पहुंचे। पौष्टिक आहार किट देते हुए उनका हाल जाना। सीएमएस डॉ एससी कौशल ने गुरुदीन के आवास पर रूककर उनके इलाज संबंधी जानकारी हासिल करने के पश्चात गुरुदीन के परिजनों से मिलकर उन्हें दवाएं कब और कितनी देनी है, उन्हें खाने में क्या देना है, उनकी देख-रेख कैसे करनी है, आदि जानकारी देते हुए जागरूक भी किया। उन्होंने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित लक्ष्य को साधने के लिए स्वास्थ्य विभाग लगातार आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी द्वारा भारत को टीबी मुक्त बनाने के लिए 2025 का लक्ष्य दिया गया है। जिसको मूलरूप देने के लिए अधिकारी से लेकर स्वयंसेवी संस्थाएं, जनप्रतिनिधियों द्वारा क्षयरोगियों को गोद लेने तथा उनके खान-पान की जिम्मेदारी उठाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस मौके पर जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ आरके कन्नौजिया, उप जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ प्रभादत्त त्रिपाठी, वरिष्ठ क्षयरोग परीक्षण अधिकारी सुरेश साथ रहे। वही लोहरामऊ में उप जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ प्रभादत्त त्रिपाठी के द्वारा गोद लिए गए क्षयरोगी शहजाद पुत्र जब्बार के घर पहुंचकर उन्हें पौष्टिक आहार किट दी गई। किट वितरित के साथ डॉ प्रभादत्त त्रिपाठी ने शहजाद की जांच और दवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी, यहा भी मौके पर डीटीओ डॉ आरके कन्नौजिया मौजूद रहे।

एसपी ट्रैफिक ने की बड़ी कार्रवाई, 250 वाहनों की जांच में 108 का कटा चालान, वाहन चालकों दिखे भयभीत

सुलतानपुर, (यूएनएस)। यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप व सुधार की गति को तेज करने के लिए क्षेत्राधिकारी यातायात अब्दुल सलाम स्वयं ग्राउंड जीरो पर उतरे। उन्होंने वाहन चालकों के लिए जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें सड़क पर चलने के नियम बताएं जा रहे हैं। क्षेत्राधिकारी यातायात अब्दुल सलाम दलबल के साथ अमहट चौराहे पर पहुंचे। दो-चक्का व चार-चक्का वाहन चालकों से लाइसेंस, हेल्मेट, सीट बेल्ट, काली फिल्म तथा वाहन के कागजात चेक किया। लगभग 250 वाहनों की जांच में 108 वाहन में कमियां मिली। क्षेत्राधिकारी यातायात अब्दुल सलाम के निर्देश पर ईएसआई परवेज आलम, ईएसआई शिवशंकर यादव ने नियम विरुद्ध फर्राटा भरने वाले वाहनों का चालान किया। सीओ ट्रैफिक अब्दुल सलाम ने कहा कि वाहन स्वामी अपने वाहन को सड़क पर लाने से पहले जांच ले की उनके पास ड्राइविंग लाइसेंस, हेल्मेट तथा वाहन के वैध कागजात मौजूद है। इसी तरह से चार-चक्का वाहन चालकों को भी आश्वस्त हो जाना चाहिए की सीट बेल्ट, काली फिल्म व साथ में वाहन के पेपर हैं। यदि नहीं हैं तो पहले नियमानुसार दुरूस्त कर ले तभी यात्रा पर निकले। जब भी पुलिस वाहन के कागजात मांगें तो अवश्य दिखाए। पुलिस आपकी सुरक्षा और सुरक्षित यात्रा के लिए खड़ी है। क्षेत्राधिकारी यातायात अब्दुल सलाम ने कहा कि सुरक्षित और सुगम यात्रा के लिए निर्धारित औपचारिकताए पूरी करके ही निकले। निर्धारित गति पर ही यात्रा करें, क्योंकि आपका परिवार आपका इंतजार कर रहा है।

खाद किल्लत को लेकर सड़क पर कांग्रेस

सुलतानपुर, (यूएनएस)। जिले में गुरुवार को डीएपी, खाद्य उर्वरक की किल्लत से किसानों को हो रही परेशानी व रवि फसल की बुआई प्रभावित होने को लेकर कांग्रेसी सड़क पर उतर आए। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा की अगुवाई में कांग्रेसियों ने राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर समस्या के समाधान की मांग की। जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि रवि की बुआई का सीजन चल रहा है। किसान खेतों में हैं। सरकार कागजों में खाद की उपलब्धता बता रही है, जबकि धरातल पर स्थिति बड़ी खराब है। न तो किसानों को डीएपी मिल पा रही है न यूरिया व अन्य खाद। ब्लॉक पर बीज का भी अभाव है। ऐसे में कांग्रेस किसानों की परेशानी को देखते हुए सड़क पर उतरी है। उन्होंने राज्यपाल को मांग पत्र भेजकर किसानों को डीएपी उपलब्ध कराने की मांग की। जिलाध्यक्ष ने जिम्मेदार अधिकारियों से किसानों के साथ नम्रता से व्यवहार करने और समय से सुविधाएं उपलब्ध कराने की अपील की। चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का समय से निस्तारण नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी सड़क पर उतर कर प्रदर्शन करेगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से लाल पद्माकर सिंह, प्रदेश सचिव रणजीत सिंह सलूजा, जिला महासचिव ओम प्रकाश त्रिपाठी चौटाला, पिछड़ा वर्ग के प्रदेश पदाधिकारी मीनू यादव, पूनम कोरी, तेज बहादुर पाठक, पवन मिश्र और पीसीसी सदस्य विजय पाल आदि मौजूद रहे।

जीएफ कालेज की छात्रा पल्लवी का एमजेपी रुहेलखंड विश्विद्यालय की महिला क्रिकेट टीम में हुआ चयन

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मोहम्मद तारिक ने छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी

शाहजहांपुर, (यूएनएस)। जी एफ कॉलेज, शाहजहांपुर की बी ए प्रथम वर्ष की छात्रा पल्लवी सिंह का चयन महात्मा ज्योतिबाफुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली की महिला क्रिकेट टीम में हुआ है। पल्लवी सिंह शिमला विश्वविद्यालय, हिमाचल में आयोजित होने वाले नार्थ जोन अंतरविश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली का पहला मैच 26 नवम्बर 2022 को एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा से होगा। जिसमे पल्लवी सिंह रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली की टीम से खेलेंगी। पल्लवी सिंह के विश्वविद्यालय महिला क्रिकेट टीम में चयन होने पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मोहम्मद तारिक ने बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन मे पढ़ाई के साथ-साथ खेल का बड़ा महत्व है। खेल से स्वास्थ्य उत्तम रहता है और यह हमारे तन -मन दोनों को स्वस्थ रखता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के क्रीड़ासचिव डॉ फैयाज अहमद और खेल विभाग के सैयद अनीस अहमद, डॉ नसीम अहमद, डॉ मोहम्मद शोएब, डॉ इमरान अहमद, डॉ जमील अहमद खान, डॉ अमीर खान, डॉ शीबा महजबीं, डॉ शमशाद अली, डॉ0 इमरान अहमद खान, डॉ काशिफ नईम, डॉ इरमजहां, डॉ समन जेहरा जैदी, डॉ तुफैल खान तथा डॉ शहजाद अली ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्यपाल ने सीएसए विश्वविद्यालय, कानपुर में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल छात्रावास का किया लोकार्पण

न्यूज गाइड। संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा नवनिर्मित लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल छात्रावास का लोकार्पण किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि आप लोगों ने इस ऐतिहासिक कृषि विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया है, अपना कैरियर कृषि में बनाएं तथा भविष्य में स्वावलंबी बन आत्मनिर्भर भी बने। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों के शोधों का ही परिणाम है कि देश उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर बढ़ रहा है। पहले देश में अनाज आयात होता था, आज निर्यात हो रहा है। कृषि विश्वविद्यालय व शोध संस्थानों के वैज्ञानिक मिलकर जैविक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं जो एक सुखद पहलू है। राज्यपाल जी ने खेती में रासायनों का प्रयोग से ऐहतियात रखने के सुझाव के साथ कहा कि रसायनों के अधिकाधिक प्रयोग से बीमारियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि किसान मिश्रित खेती कर अधिक लाभ उठाएं। कृषि वैज्ञानिक नित नए-नए बीजों का शोध कर रहे हैं। साथ ही किसानों को प्रशिक्षित कर उन्हें शहद उत्पादन एवं अन्य व्यवसाय मत्स्य पालन, डेयरी उत्पादन, बकरी पालन आदि कृषि आधारित व्यवसायों के प्रति प्रेरित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाएं भी गेहूं से दलिया आदि में मूल्य संबर्द्धन कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। राज्यपाल जी ने फसल अवशेषों को जलाए जाने पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि किसान भाई फसल अवशेषों में आग बिल्कुल भी न लगाएं बल्कि उससे खाद बनाकर मिट्टी में मिलाएं, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता भी कम होगी। इसी क्रम में राज्यपाल जी ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य वर्द्धक और पोष्टिक भोजन करने के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम में कुलपति डॉ0 डी0आर0 सिंह ने कुलाधिपति को विश्वविद्यालय की प्रगति से अवगत कराया और कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अब देश-विदेशों में उच्च पदों पर सुशोभित होकर प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, अधिकारी, छात्र-छात्राएं तथा अन्य उपस्थित रहे।

प्रत्येक समस्या का समाधान शक्ति से संभव : कौशल किशोर

न्यूज गाइड । संवाददाता

हरदोई। नगर के सीएस नेहरू डिग्री कालेज में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शाखा संगम कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हरदोई नगर की सभी शाखाओं के स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया। शाखा संगम कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुऐ प्रांत प्रचारक कौशल किशोर ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दैनिक शाखा व्यक्ति एवं व्यक्तित्व निर्माण की कार्यशाला है।अच्छे लोगों का निर्माण शाखा के द्वारा होता है प्रत्येक समस्या का समाधान शक्ति के द्वारा ही संभव है संगठित समाज में शक्ति प्रवाहित होती है और उससे एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण होता है।देशभक्ति और अनुशासन वर्तमान समय में समाज की आवश्यकता है। एकता के सूत्र में संपूर्ण मानव समाज को पिरोए बिना देश को भव्य एवं दिव्य नहीं बनाया जा सकता है। संघ की शाखा में स्वयंसेवकों के भीतर साहस,समर्पण और स्वाभिमान और देशभक्ति का भाव पैदा किया जाता है। उन्होंने बताया कि नागपुर में स्वतंत्रता आन्दोलन की चर्चा 1904-1905 से शुरू हुई। साल 1897 में रानी विक्टोरिया के राज्यारोहण के महोत्सव के निमित्त स्कूल में बांटी गई मिठाई 8 साल के केशव ने मिठाई ना खाकर कूड़े में फेंक दी। मित्रों ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए पूछा कि केशव मिठाई क्यों फेंक दी, तब उस बालक का उत्तर था, यह मिठाई यह रानी विक्टोरिया के राज्यारोहण के प्रसन्नता में है इसमें हम भारतीय किस प्रकार से प्रसन्न हो सकते हैं।यह अंग्रेजों के प्रति उनका पहला प्रतिकार था। कौशल किशोर ने आगे कहा कि केशव बाल्यकाल से उनके मन में भारत की तरफ कुदृष्टि रखने वाले विदेशी ताकतों के प्रति विरोध की भावना थी। साल 1907 में रिस्ले सेक्युलर नाम से वंदे मातरम के सार्वजनिक उद्घोष पर पाबंदी का अन्यायपूर्ण आदेश घोषित किया गया। उसके विरोध में केशव ने अपने विद्यालय में अंग्रेज निरीक्षक के सामने अपनी कक्षा के सभी विद्यार्थियों द्वारा वंदे मातरम का उद्घोष करवाया। प्रधानाचार्य ने सभी विद्यार्थियों से पूछा कि यह किसकी शरारत है जब किसी विद्यार्थी ने केशव का नाम नहीं बताया तो यह फैसला किया गया कि विद्यालय बंद कर दिया जाए। तब केशव ने यह सोच कर कि सभी विद्यार्थियों की पढ़ाई रुक जाएगी स्वयं आ करके बताया कि है मेरे निर्देश पर किया गया। तब केशव से माफी मांगने के लिए दबाव बनाया गया माफी मांगने से इनकार करने पर रेजिलेण्ड ऋडोक के निर्देश पर पुलिस महानिरीक्षक सीआर क्लीवलैंड की अनुशंसा पर बालक केशव को स्कूल से निष्काषित कर दिया गया।स्वयंसेवकों ने दैनिकशाखाओं पर होने वाले शारीरिक कार्यक्रमों योग व्यायाम आदि का प्रदर्शन किया गया।

इस मौके पर विभाग प्रचारक कौशल, विभाग संचालक शिव स्वरूप, जिला कार्यवाह संजीव, नगर प्रचारक अमरेंद्र ,नगर कार्यवाह विनय सहित सैकड़ों स्वयंसेवक मौजूद रहे।

पुलिस ने 3 लुटेरों को पकड़ा, घटना के बाद सातवें रोज दर्ज किया था केस

सुलतानपुर, (यूएनएस)। जिले के बल्दीराय थाने की पुलिस ने बीती रात स्वॉट टीम के साथ मिलकर लूट के तीन आरोपियों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। दो लुटेरे पुलिस की गोली से घायल भी हुये हैं। लेकिन जिस लूटकांड का खुलासा कर थानाध्यक्ष अधिकारियों से वाहवाही लूट रहे उस घटना की एफआईआर दर्ज करने में उन्हें पूरे 7 दिन लग गये थे। हालांकि इनकाउंटर करने में उन्हें महज 4 दिन लगे। पुलिस की थ्योरी के अनुसार स्थानीय थानाक्षेत्र के बालापार भखरी निवासी दूर संचार विभाग के रिटायर्ड कर्मी सूर्य करन के घर पर भागवत का कार्यक्रम था। बैंक ऑफ बडौदा इसौली से 11 नवंबर को वो 50 हजार रुपये निकालकर साइकिल से वापस लौट रहे थे कि पारा बाजार से आगे रास्ते में 3 अज्ञात बाइक सवार लुटेरों ने रेकी कर तमंचे के बल पर 50 हजार रुपए लूट लिया था। पुलिस के अनुसार पीड़ित ने बदमाशों से कहा भी कि यह पैसा भागवत के लिये है इसे न लो तब भी उन्होंने वारदात को अंजाम दे डाला। 11 नवंबर से लगातार पीड़ित घटना की एफआईआर दर्ज कराने के लिये दौड़ता रहा। जब मामला पुलिस कप्तान सोमेन वर्मा के संज्ञान में आया तो उनकी फटकार के बाद 18 नवंबर को पुलिस ने तीन अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया। यानी पूरे सात दिन थानाध्यक्ष ने मामला दबाये रखा। लेकिन केस दर्ज करने में फेल पुलिस गुडवर्क के लिये इतनी बेचौन हो गई कि चार दिनों के अंदर उसे लुटेरे मिले तो सीधे मुठभेड़ ही हो गई। दो बदमाशों को जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने पैर में गोली भी मार दिया ताकि बेहतर गुडवर्क हो और इनाम सुनिशिचत। पुलिस ने बीती रात थानाक्षेत्र के नरसिंह प्राथमिक विद्यालय के पास नहर रोड पर मुठभेड़ में अयोध्या जिले के थाना बाबा बाजार अंतर्गत गनेशपुर निवासी रामनयन, अमेठी जिले के मुसाफिरखाना कोतवाली अंतर्गत अढ़नपुर निवासी विकास व जिले के लंभुआ कोतवाली अंतर्गत नरहरपुर चौकिया निवासी राजा उर्फ अनूप सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में पता चला कि रामनयन पर लूट से संबंधित आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। हिमाचल प्रदेश में एक ढ़ाबा संचालक से 8.5 लाख रूपये लूट के केस में वो सजा भी काट चुका है। लुटेरे अनूप सिंह पर भी लूट समेत कई आपराधिक मुकदमें दर्ज हैं। लंभुआ में रेप की घटना में वो जेल गया था। जेल से बाहर आने के बाद केस के वादी को जान से मारने की नीयत से गोली मारा था। जमानत पर बाहर आने के बाद ये मुंबई चला गया था और लूट की घटना से कुछ दिन पहले कोर्ट में पेशी के लिये वहां से वापस आया था। जबकि विकास द्वारा लूट का पहला अपराध कारित किया गया है।

आधा दर्जन से अधिक दबंगों ने घर मे घुसकर पूरे परिवार को पीटा, सभी आरोपी गिरफ्तार

अमेठी, (यूएनएस)। जिले में खेत में पानी जाने के मामूली विवाद में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के घर में घुसकर लाठी-डंडे और लात घूंसों से हमला कर दिया। दबंगों के हमले में एक बुजुर्ग समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दबंगों के गुंडई की पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पीड़ित पक्ष का आरोप था कि पुलिस की मौजूदगी में दबंगों ने घर में घुसकर पूरे परिवार को पीटा, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। फिलहाल पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और जेल भेजने की तैयारी में जुटी हुई है। दरअसल, ये पूरा मामला जायस कोतवाली क्षेत्र के आलमपुर गांव का है। जहां के रहने वाले राकेश एक सप्ताह पहले ट्यूबवेल से अपने खेत में पानी लगाए हुए था, लेकिन अचानक पाइप कट गई और पानी राम लखन खेत में चला गया, जिसकी शिकायत राम लखन ने थाने में की थी। रामलखन के शिकायत से नाराज राकेश अपने पूरे परिवार के साथ कल सुबह राम लखन के घर में पहुंचा और पूरे परिवार पर लाठी-डंडों और लात घूंसों से हमला कर दिया। दबंगों के हमले में राम लखन और उसके पिता दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि घटना के दौरान पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन वह मूकदर्शक बनी रही और दबंग घर में घुसकर तांडव मचाते रहे। पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पूरे मामले पर जायस एसएचओ राकेश सिंह ने कहा कि राम लखन के बेटे की तहरीर पर 7 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

ट्रक में फंसी बाइक की हैंडल दूर तक घिसटते गई, दंपति बुरी तरह घायल

सुलतानपुर, (यूएनएस)। लखनऊ-वाराणसी नेशनल हाइवे पर अमहट चौराहे पर दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। यहां बाइक सवार दंपति को लखनऊ की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से टक्कर मार दिया। जिससे बाइक सीधे ट्रक के नीचे आ गई। आसपास मौजूद लोग इस मंजर को देखकर घबरा गये। दोनों को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल भेजा गया है। जहां से पत्नी की गंभीर हालत देखकर डॉक्टर ने उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार बंधुआ कला थानाक्षेत्र के दादुपुर निवासी सत्य प्रकाश (32) पुत्र हनुमान सिंह पत्नी नेहा सिंह (30) को बाइक से लेकर शहर आया था।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने दिया इस्तीफा, प्रदेश नेतृत्व से नाराज थे

अमेठी, (यूएनएस)। अमेठी जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। प्रदीप सिंघल ने अपने लेटर पैड पर इस्तीफा लिख कर प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी को भेजा है। बताते चलें कि निकाय चुनाव से पहले जिलाध्यक्ष के इस्तीफे से कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ सकता है। प्रदीप सिंघल ने अपने इस्तीफे में लिखा है कि साल 2019 में प्रियंका गांधी ने उन्हें अमेठी का जिलाध्यक्ष नियुक्त् किया था। उन्होंने बीते तीन वर्षो में तन मन धन से पार्टी की सेवा की। हालांकि, पार्टी के कुछ निर्णयों की वजह से वह आहत हैं। जिसकी वजह से वह इस पद पर अब बने नहीं रहना चाहते हैं। वह एक कार्यकर्ता के रूप में कांग्रेस में बने रहेंगे। प्रदीप सिंघल ने इस्तीफे की प्रतिलिपि प्रियंका गांधी को भी भेजी है। बताते चलें, निकाय चुनाव को लेकर समीक्षा बैठक करने एक दिन पहले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी अमेठी आए थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इसी बीच प्रदेश अध्यक्ष के बोलने के पहले कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल संबोधन के लिए आए तो उनके चेहरे पर नाराजगी दिखी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि चाहे कोरोना काल हो या आम लोगों की मदद करने की बात हो। मैंने बिना भेदभाव तन मन धन से सब की मदद की है। सब का सम्मान किया है। कभी किसी से कोई भेदभाव नहीं किया लेकिन मैंने जिनका सम्मान किया। मैंने जिनका अभिवादन किया। वही लोग प्रदेश स्तर पर जाकर मेरी बुराई कर रहे हैं। मुझे ऐसा पद नहीं चाहिए मैं आज और अभी अपने जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे रहा हूं। प्रदेश संगठन जिसको चाहे जिला अध्यक्ष बना दे। हालांकि, इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने इस्तीफे का खंडन किया था। वह बोले, जिलाअध्यक्ष ने इस्तीफा नहीं दिया है। उनकी कुछ व्यक्तिगत नाराजगी थी। संगठन के कार्यो को लेकर और वह मामला शांत हो गया है। ऐसी कोई बात नहीं और निकाय चुनाव हम दमखम से लड़ेंगे। इस्तीफा देने पर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ने कहा उन्होंने अपना इस्तीफा प्रदेश अध्यक्ष को सौंप दिया। अब पार्टी मेरे फैसले पर क्या विचार करती है ये उनके ऊपर है।

आपको बता दें कि 20 अगस्त 2019 को प्रदेश महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रदीप सिंघल को अमेठी के जिला संगठन की कमान देते हुए ने जिलाध्यक्ष बनाया था। इसके साथ ही प्रदीप सिंघल 2022 में तिलोई विधानसभा से प्रत्याशी भी बनाए गए थे। हालांकि इस दौरान वे चुनाव नहीं जीत सके थे।

मुख्यमंत्री के गड्ढा मुक्त सड़क अभियान के सपने पर पानी फेर रहे जिम्मेदार

न्यूज गाइड। संवाददाता

कछौना, हरदोई। प्रदेश सरकार गड्ढा युक्त अभियान प्राथमिकता से चला रही है। सड़कों को शीघ्र खराब होने के प्रमुख कारण है। निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी, ओवरलोड वाहनों का आवागमन, भवन स्वामियों द्वारा सड़कों पर जल बहाव के कारण चंद दिनों में सड़क खराब हो जाती हैं। जिसका खामियाजा आम जनमानस को उठाना पड़ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है सड़कों के फैले जानलेवा गड्ढे आतंकवादियों से ज्यादा घातक और खतरनाक होते हैं। इन गड्ढों के कारण व्यक्ति की जान तक चली जाती है, यहां तक दुर्घटना से व्यक्ति जीवन भर के लिए विकलांग हो जाता है। विकासखंड कछौना की लखनऊ पलिया राजमार्ग से ज्ञानपुर तिराहे से गौहानी संपर्क मार्ग के जीर्णोद्धार की मांग सामाजिक कार्यकर्ता व अधिवक्ता संत कुमार यादव, हेमंत कुमार सिंह व ग्राम प्रधान मदन सिंह ने शासन प्रशासन से की।इस मार्ग पर ग्राम सभा कमीपुर, ज्ञानपुर, धंधार, गौहानी, मण्डलहिया, नौवाखेड़ा, धुरपुरा, तकिया, खन्ना खेड़ा, बरुआहार आदि ग्रामों का आवागमन का मुख्य मार्ग है। इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों राहगीरों का आवागमन रहता है। यह मार्ग वर्तमान समय में जर्जर व गड्ढा युक्त है। जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं। आये राहगीर गिरकर चुटहिल होते हैं। सबसे ज्यादा नौनिहाल वृद्धजनों को समस्या होती है। दो वर्ष पूर्व ग्राम धंधार के पास घरों का पानी सड़क पर बहने के कारण हमेशा जलभराव बना रहता था। जिसके कीचड़ में गिरकर लोग चुटहिल होते थे। इस मार्ग की यह ज्वलंत समस्या हो गई थी। ग्राम सभा के सामाजिक कार्यकर्ता विनोद पाण्डेय के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने इस मार्ग की दुर्दशा को सही कराने की मांग की थी। जिसका जिला उपाध्यक्ष भाजपा डॉ0 शिवराज सिंह पटेल व नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान मदन सिंह ने पहल करते हुए कहा सड़क में गड्ढों पर रोड़ा डलवाये व सड़क की दोनों ओर नाली खुदवाकर जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित कराई थी। जिससे राहगीरों को काफी राहत मिली, परंतु इस मार्ग की हालत जस की तस रही, जिससे राहगीरों को काफी परेशानी होती है। ग्रामीणों ने इस मार्ग के जीर्णोद्धार के लिए शासन प्रशासन से मांग की है।

सड़क पर उतरे यमराज ने पढ़ाया यातायात का पाठ

अमेठी, (यूएनएस)। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यातायात पुलिस लोगों को सड़क सुरक्षा के नियम समझाने के लिए नए-नए प्रयोग कर रही है। ऐसे ही एक अनोखी पहल की गई जहां लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करने के लिए और नियमों का पालन कराने के लिए यमराज को उतारा गया है। अमेठी की सड़कों पर ट्रैफिक पुलिस के बजाय यमराज ने लोगों को सड़क सुरक्षा के नियम समझाएं। इतना ही नहीं इस दौरान जो लोग नियमों का पालन करते नजर आए उनको लंबी उम्र का आशीर्वाद भी यमराज ने दिया, तो वहीं जो लोग ट्रैफिक के नियमों को तोड़ते हुए नजर आए तो उनको नियमों का पालन करने की चेतावनी देते हुए बताया कि आपकी एक लापरवाही पर सीधे मुझे लेने आना पड़ेगा। दरअसल, नवंबर माह को यातायात माह के रूप में मनाया जाता है। ऐसे में पूरे प्रदेश के साथ अमेठी में भी सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एक माह तक जागरूकता अभियान चलाया जाता है। इस दौरान दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट और चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने के साथ सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। शुक्रवार को जागरूकता अभियान की कमान यमराज ने संभाल कर सड़कों पर लोगों को सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया। यातायात प्रभारी अजय तोमर ने कहा कि नवंबर माह को यातायात माह के रूप में मनाया जा रहा है। जागरूकता कार्यक्रम मनाने का एक मात्र उद्देश्य है कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए और लोग यातायात नियमों का पालन करें.लोगों को जागरूक करने के लिए यह अनोखी पहल की गई है। जहां अमेठी के स्थानीय कलाकार द्वारा यमराज का रूप बनाकर सड़कों पर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान जो लोग बिना सीट बेल्ट और हेलमेट के नजर आए उन्हें यमराज द्वारा मृत्यु दण्ड की चेतावनी दी गई। यातायात नियमों का पालन न करने वाले 279 वाहन चालकों का चालान कर उनसे 3 लाख 21 हजार 500 रूपए का जुर्माना भी वसूला गया है।

बॉलीवुड की बहुचर्चित फीचर फिल्म बॉस क्लाइमैक्स अभी बाकी है वर्ल्ड वाइड हुई रिलीज

सामाजिक पहलुओं पर कलाकारों ने किया दमदार अभिनय: वीरेंद्र सजल

लखनऊ, (यूएनएस)। पिछले सप्ताह फीचर फिल्म बॉस क्लाइमैक्स अभी बाकी है दुनिया के सबसे बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म,हंगामा प्ले, वीआई एंड फिल्म्स और अमेजॉन प्राइम वीडियो यूनाइटेड किंगडम और यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका पर रिलीज हो चुकी है। अभी एयरटेल एक्सट्रीम और मैक्स प्लेयर के साथ साथ लगभग चौदह और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। उसके बाद यू ट्यूब पर भी दर्शकों को देखने को मिलेगी। स्टार मेकर वीरेंद्र सिंह सजल ने बताया कि फिल्म टेक्निकल कारणों की वजह से थोड़ी देर से जरूर रिलीज हुई है। लेकिन फिल्म के सभी कलाकारों को बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म मिल गया है। सभी कलाकारों के लिए ये गर्व की बात है। कलाकारों का चयन प्रोजेक्ट हेड,लेखक निर्माता वीरेंद्र सिंह सजल ने किया है। बतौर निर्देशक मनीष कुमार वर्मा को फीचर फिल्म के निर्देशन का पहला मौका भी दिया। फिल्म के निर्देशक मनीष कुमार वर्मा हैं।जबकि मुख्य सहायक निर्देशक आयुषी गुप्ता हैं। क्रिएटिव डायरेक्टर नीरज सचान और सहनिर्देशक आनंद प्रताप गंगवार हैं। फिल्म के निर्माता डॉ राजेन्द्र सिंह, सुमन वर्मा,सुनीता महादेव सिंगाड़े,अनिल स्टूडियो एंड फिल्म्स और योगमाया फिल्म्स हैं। जबकि लाइन प्रोड्यूसर श्री आयडल एंटरटेनमेंट हैं। फिल्म के मुख्य कलाकार रवि पटेल, स्नेह सचान,अंशी ठाकुर,सत्या अग्निहोत्री हैं।जबकि सहायक कलाकार जितेंद्र अवस्थी,तारिक वारसी ,सुभाष मिश्र,आनंद प्रताप गंगवार,नीरज सचान,जितेंद्र दीक्षित, दुर्गेश अवस्थी,प्रिया सिंह राजपूत,शिखा राजपूत,हंसा तिवारी,कृष्णा सागर ,मीरा जैन , आराधना सचान ,डॉ हरिहर सिंह, डॉ राकेश सोनी,डॉ हरिओम निषाद, राज चक्रवर्ती ,राजेश शुक्ला ,नीरज तिवारी ,अंशुल गंगवार ,प्रिंस पटेल ,राजेश धामी ,ब्रजमोहन पांडे ,राहुल पटेल ,आशु सन्नाटा आदि।फिल्म का छायांकन राहुल छोकर ने किया है।मेकअप आर्टिस्ट आशु सन्नाटा और प्रेम छोकर हैं।लाइट्स और इक्विपमेंट विजय सिंह सप्लाई किया है। प्रोडक्शन हेड मामा एंड कंपनी व फिल्म के क्रिएटिव हेड रविकांत झा हैं।प्रोडक्शन मैनेजर योगेश ढींगरा। फिल्म के एडिटर अजय कुमार और फिल्म का प्रोडक्शन कार्य वेदर फिल्म्स स्टूडियो मुम्बई में किया गया है। फिल्म का स्क्रीनप्ले डायलॉग वीरेंद्र सिंह सजल ने किया है।एजुकेशन करप्शन पर आधारित फिल्म बॉस क्लाइमैक्स अभी बाकी है में समाज के कई पहलू उठाये गए हैं सबसे बड़ी बात है। फिल्म एकदम साफ सुथरी है। जिसे परिवार के साथ देखा जा सकता है। सभी कलाकारों ने बहुत ही उम्दा अभिनय किया है।फिल्म में रवि पटेल स्नेह सचान अंशी ठाकुर और सत्या अग्निहोत्री ने कमाल का अभिनय किया है। फिल्म में डेब्यू कर रही स्नेह सचान ने बहुत ही उम्दा अभिनय करके अपनी बेहतरीन छाप छोड़ी है। रवि पटेल ने दमदार भूमिका निभाई है। वहीं जितेंद्र अवस्थी, सुभाष मिश्र ,तारिक वारसी ,दुर्गेश अवस्थी ,जितेंद्र दीक्षित ,डॉ हरिओम निषाद,डॉ नीरज सचान, डॉ राकेश सचान ने बहुत शानदार अभिनय किया है। जबकि तीसरी टोली प्रिंस पटेल अंशुल गंगवार, राज चक्रवर्ती ,आनंद गंगवार , प्रिया सिंह राजपूत ,शिखा राजपूत ने अपना किरदार बखूबी निभाया है। चौथी टोली में कृष्णा सागर मीरा जैन,आराधना सचान ,राजेश शुक्ला, जयप्रकाश सिंह ,हरिहर सिंह दीपक पटेल ,नीरज तिवारी ने भी शानदार अभिनय किया है। बॉस क्लाइमैक्स अभी बाकी है की शूटिंग सतना की सुप्रसिद्ध यूनिवर्सिटी ए के एस यूनिवर्सिटी में हुई है। निर्माता टीम दादा भाई राम शिरोमणि सिंह और अनंत सोनी ब्रदर्स और तृप्ति बोनसरा का विशेष आभार प्रकट किया है और उनके अमूल्य सहयोग का धन्यवाद अदा किया है। फिल्म सभी दर्शकों को पसंद आ रही है।

मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को खल रही स्टेडियम की कमी

कन्नौज, (यूएनएस)। इंटरनेशनल शोतोकाई कराटे चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाले कन्नौज के खिलाड़ियों को स्टेडियम की कमी खल रही है। मेडल जीत कर दिल्ली से कन्नौज पहुंचे खिलाड़ियों ने बताया कि जिले में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, लेकिन उन्हें खेलने-कूदने की न तो बेहतर जगह मिल पाती है और न ही प्रतिभा प्रदर्शन के लिए उचित प्लेटफार्म मिलता है। दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम में 20 नवम्बर को इंटरनेशनल शोतोकाई कराटे चैंपियनशिप 2022 का आयोजन किया गया था। जिसमें कन्नौज के 4 खिलाड़ियों आशुतोष, वैष्णवी, ध्रुव शर्मा और रूबी राजपूत ने प्रतिभाग किया था। इस चैंपियनशिप में श्रीलंका, नेपाल और जापान के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कन्नौज के खिलाड़ियों ने जमकर पसीना बहाया और फिर आशुतोष व वैष्णवी ने गोल्ड मेडल जीत लिया। जबकि ध्रुव ने सिल्वर और रूबी ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। दिल्ली में हुई कराटे प्रतियोगिता में प्रतिभा का प्रदर्शन करने और मेडल जीतने वाले खिलाड़ी घर वापस लौटे तो बधाई देने वाले लोग उनके घर पहुंचने लगे गए। लेकिन जब दैनिक भास्कर की टीम ने उनसे बातचीत की तो खिलाड़ियों समेत उनकी कोच को खल रही स्टेडियम की कमी की टीस निकल कर बाहर आ गई। कन्नौज में समाजवादी पार्टी के समय खेल स्टेडियम प्रस्तावित था। उसके लिए मकरंदनगर में एक्सप्रेसवे के पीछे जगह भी अधिग्रहित कर ली गई थी। लेकिन सरकार बदलने के बाद स्टेडियम निर्माण की योजना ठंडे बस्ते में डाल दी गई। भाजपा सरकार में खनन माफियाओं ने स्टेडियम वाली जगह को खोद डाला। जहां स्टेडियम बनना था अब वहां तालाबनुमा गड्ढे हो चुके हैं। जिले के अफसर भी हाथ पर हाथ धरे चुप बैठे हैं। यही वजह है कि खिलाड़ियों को प्रतिभा निखारने के लिए स्टेडियम नहीं मिल पा रहा।

शिवपाल यादव के रुख से प्रसपा नेता परेशान

सपा में विलय के दौरान अपनी हैसियत को लेकर बेचैन

लखनऊ, (यूएनएस)। साल 2016 का अंतिम महीना चल रहा था। उस वक्त के सपा अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव व सपा के प्रदेश अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव 2017 में प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सपा संगठन का चुनाव कराना चाहते थे। उस वक्त चर्चा ये थी कि शिवपाल सिंह यादव को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बना दिया जाए और अखिलेश मुख्यमंत्री बनी रहे। जब इस बात की भनक अखिलेश यादव को लगी तो उन्होंने अपने ही पिता की बनाई पार्टी में बगावत कर दी और लखनऊ के रमाबाई मैदान में सपा का राष्ट्रीय अधिवेशन आहूत कर पिता मुलायम सिंह यादव को पार्टी संरक्षक, खुद को पार्टी अध्यक्ष व नरेश उत्तम पटेल को यूपी सपा का अध्यक्ष बना दिया। इसके बाद उन्होंने अपने चाचा व सरकार में नंबर दो की भूमिका रखने वाले तत्कालीन पी डब्लू डी मिनिस्टर शिवपाल सिंह यादव को न सिर्फ अपने मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया बल्कि पार्टी से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया। जिसके बाद शिवपाल सिंह यादव ने अपने समर्थक सपा नेताओं व विधायकों व मंत्रियों के साथ अपनी अलग पार्टी बनाई व विधानसभा चुनाव में सपा के खिलाफ चुनाव लड़ा।प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के अध्यक्ष शिवपाल यादव ने मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद हो रहे मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में सपा के साथ आकर अपना रुख साफ कर दिया है कि अब वह फिर से सपा के साथ है। उनके इस रुख से एक तरफ जहां प्रसपा नेताओं में कहीं खुशी तो वहीं दूसरी तरफ उनकी बेचौनी भी साफ नजर आ रही है। बेचौन रहने वाले नेता अपने भविष्य को लेकर फिक्रमंद है। जब 2017 में सपा से अलग होकर शिवपाल यादव ने अपनी पार्टी प्रसपा बनाई थी। उस समय सपा के तमाम कद्दावर नेता प्रसपा के साथ हो लिए। इसके बाद जब 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान सपा-प्रसपा का गठबंधन हुआ तो उन्हें विधानसभा चुनाव के दौरान शिवपाल सिंह यादव के आश्वासन के बाद भी जब सपा का टिकट नहीं मिला तो कई नेता अलग-अलग राह पर चले गए। जिसमें पूर्व मंत्री शादाब फातिमा ने बसपा का दामन थाम लिया तो वही कई नेता भाजपा में चले गए। इस साल विधानसभा चुनाव के बाद शिवपाल यादव ने नए तेवर के साथ प्रसपा का पुनर्गठन किया और बेटे आदित्य को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। इसी बीच यदुकुल पुनर्जागरण के जरिए शिवपाल सिंह यादव ने सपा के बागीयों के साथ मिलकर सपा के खिलाफ मोर्चा खोलने का संदेश दिया। अब मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में उन्होंने फिर से खुद को अखिलेश यादव के साथ जोड़ने जैसा बयान दिया। शिवपाल यादव का कहना है कि नेताजी को कभी निराश नहीं किया है। अब अखिलेश को भी निराश नहीं करूंगा। उनके इस बयान से पार्टी के नेताओं में हलचल पैदा कर दी है। कुछ नेता इस बात से खुश है कि वह अब सपा के साथ रहकर भविष्य में सियासत कर सकते हैं। वहीं वह नेता जो शिवपाल के साथ निरंतर कंधे से कंधा मिलाकर चलते रहे है कि अगर शिवपाल अपनी पार्टी का विलय सपा में करते है तो सपा में उनका वजूद क्या होगा ?

नए कानून से भरेगा पावर कारपोरेशन का खजाना

उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य जहां दूरसंचार नेटवर्क सुविधा विनियमावली-2022 लागू होगी

अब बिजली खंभों पर कंपनियों को देना अब होगा शुल्क

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है जहां पर उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा दूरसंचार नेटवर्क सुविधा विनियमावली -2022 रूपी नया कानून पारित कर दिया गया है। विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन आरपी सिंह व सदस्य बीके श्रीवास्तव द्वारा कानून को अंतिम रूप देते हुए हस्ताक्षर कर दिए गए हैं। आयोग ने उसे उत्तर प्रदेश सरकार यानी कि अपर मुख्य सचिव ऊर्जा को अधिसूचना जारी करने के लिए भेज दिया है। यह एक रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के तहत बनाए गए किसी भी कानून की महज एक औपचारिकता होती है। यह वही कानून है जिसके तहत अब प्रदेश की सभी बिजली कंपनियों में चाहे वह शहरी हो या ग्रामीण सभी के बिजली खंभों टावरो पर अब कोई भी प्राइवेट अथवा सरकारी दूरसंचार कंपनी ब्रॉडबैंड डिस ऑपरेटर 5 जी नेटवर्क अथवा अन्य कोई भी अपना सिस्टम या उस पर किसी भी तार केबिल का उपयोग करेगा तो अब उसे उसका शुल्क देना होगा। आयोग ने सुरक्षा मानक को देखते हुए अपने कानून में यह भी व्यवस्था की है कि 33 केवी लाइन टावरों को छोडकर ही यह कार्य किया जाएगा। प्रदेश की बिजली कंपनियां इस कानून के प्रावधानों के तहत टेंडरिंग प्रोसेस से इस कार्य को आगे बढाएंगे। टेंडर के माध्यम से दूरसंचार कंपनियों को कार्य दिया जाएगा जिससे किसी के साथ कोई भी भेदभाव ना होने पाए। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा नया कानून पारित किए जाने के तुरंत बाद उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने नियामक आयोग के चेयरमैन से मुलाकात की और उपभोक्ता परिषद द्वारा उठाए गए समस्त बिंदुओं को कानून में सम्मिलित करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि 21 अक्टूबर 2022 को इस पर आम जनता की सुनवाई हुई थी जिस पर उपभोक्ता परिषद ने अनेकों उपभोक्ता हित संबंधी व्यवस्था को कानून में लागू करने की मांग उठाई थी। अवधेश कुमार वर्मा ने कहा इस कानून को पारित होने के उपरांत प्रदेश की बिजली कंपनियां पारदर्शी तरीके से टेंडर के माध्यम से जो भी दरें तय होगी उसके हिसाब से दूरसंचार कंपनियों से वसूली करेंगे। कानून में यह भी प्रावधान किए गए हैं कि दूरसंचार कंपनियां सुरक्षा के किसी भी मानक से खिलवाड नहीं कर सकती। इससे प्राप्त होने वाला राजस्व गैर टैरिफ आय में सम्मिलित किया जाएगा। जिसका 70 प्रतिशत आय प्रदेश के उपभोक्ताओं की बिजली दर में पास किया जाएगा यानी की वार्षिक राजस्व आवश्यकता का पार्ट होगा। 30 प्रतिशत आय बिजली कंपनियों को दी जाएगी। आयोग द्वारा बनाए गए इस नए कानून में इस बात की भी पूरी व्यवस्था की गई है कि किसी एक टेलीकॉम कंपनी का वर्चस्व ना हो पाए इसलिए किसी भी विशेष दूरसंचार कंपनी को वितरण कंपनियां अपने खंभों का 50 प्रतिशत से ज्यादा काम नहीं दे सकती। प्रदेश की बिजली कंपनियों को कम से कम 3 साल में एक बार किराया शुल्क में संशोधन करना होगा। इस नए कानून से जहा 5 जी तकनीकी को बढावा मिलेगा। इस कानून में कोई भी संशोधन का अधिकार केवल विद्युत नियामक आयोग को होगा। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा एक आकलन के अनुसार पूरे उत्तर प्रदेश में लगभग 1 करोड खंभे स्थापित होंगे। जिसमें से शहरी क्षेत्र के स्थापित खंभा पर दूरसंचार कंपनियों को टेंडर के माध्यम से जब यह कार्य दिया जाएगा तो प्रत्येक वर्ष लगभग रुपया 500 करोड तक की नॉन टैरिफइनकम प्राप्त होगी। इससे कहीं न कहीं प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं की बिजली दरों में कमी भी आएगी आयोग का यह प्रयास बहुत ही सराहनीय और उचित फैसला के रूप में देखा जाएगा।

शिक्षकों, कर्मचारियों को प्रान आवंटन के लिए ब्लॉक स्तर पर लगेंगे कैंप

कानपुर देहात, (यूएनएस)। परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों, कर्मचारियों को प्रान (परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर) आवंटन में ढिलाई पर महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने नाराजगी जताई है। उन्होंने 1 अप्रैल 2005 या उसके बाद नियुक्त सभी शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मियों को एक महीने में प्रान आवंटित करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए उन्होंने ब्लॉक स्तर पर कैंप लगाने को कहा है। बेसिक शिक्षा परिषद के वित्त नियंत्रक रवींद्र कुमार की ओर से सभी बीएसए व वित्त एवं लेखाधिकारियों को इस संबंध में भेजे निर्देश में कहा गया है कि सभी खंड शिक्षा अधिकारियों की बैठक बुलाकर कार्ययोजना बनाएं व एक माह में शत-प्रतिशत प्रान आवंटन कराएं। इसकी साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट भी परिषद मुख्यालय को भेजें। साथ ही यह निर्देश भी दिए गए हैं कि यदि किसी शिक्षामित्र का सहायक अध्यापक के पद पर समायोजित होने की वजह से प्रान एलाट है तो ऐसे शिक्षामित्रों को चिह्नित कर प्रान को निष्क्रिय कराएं क्योंकि शिक्षामित्रों का समायोजन निरस्त किया जा चुका है।जनपद में करीब 2800 शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को अभी तक प्रान आवंटित नहीं किये गए हैं जबकि इस संदर्भ में कई बार विभाग द्वारा आदेश जारी किए गए हैं। जल्द ही शत प्रतिशत शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को प्रान नंबर आवंटित कर दिया जाएगा।

धम्य देशना सांस्कृतिक कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब

कन्नौज, (यूएनएस)। जनपद कन्नौज के अनौगी क्षेत्र स्थिति निजी प्रतिष्ठान पर बौद्ध धर्म के अनुयायियों द्वारा धम्य देशना सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सद्भावना मैत्री मेले का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के सदस्य द्वारा कार्यक्रम को संबोधित किया गया। बुद्ध की शिक्षाओं का अनुसरण कर उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर चलकर समाज के उत्थान को लेकर दम देशना सांस्कृतिक कार्यक्रम सद्भावना मैत्री मेले का आयोजन किया गया जिसमें भारी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने आकर अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के भिक्षु सील रतन के विचारों को सुना भिक्षु द्वारा बताया गया कि यह कार्यक्रम सर्व समाज को जोड़कर आपसी भाईचारे को लेकर समाज में शांति और सौहार्द स्थापित करने के लिए रखा गया है।

पीएसी की गोली से किसान घायल, सिंचाई कर रहे किसान के पेट से पार हुई गोली

इटावा, (यूएनएस)। जिले के बाहुरी में पीएसी के जवानों का फायरिंग प्रशिक्षण चल रहा था। इसी दौरान धमना पछार गांव में खेत पर काम कर रहे किसान के पेट से गोली आर-पार हो गई। गोली लगने से किसान गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे नाजुक हालात में सैफई मेडिकल रेफर किया गया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। थाना बढ़पुरा क्षेत्र में पुलिस व पीएसी प्रशिक्षण केंद्र पर पीएसी 15वीं वाहिनी आगरा के जवानों के प्रशिक्षण के दौरान 50 वर्षीय किसान को खेत में काम करते समय गोली लग गई। जिससे किसान खेत में ही गिर पड़ा। घायल अवस्था में किसान को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां से गंभीर हालत में होने के कारण उसे सैफई के लिए रेफर कर दिया गया। घायल किसान के बेटे ने बताया कि पीएसी के जवान सुबह से ही राइफल चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। करीब दोपहर प्रशिक्षण केंद्र बाहुरी जो कि यमुना के किनारे स्थित है यहां से करीब 800 मीटर की दूरी पर पर उसके पता सरनाम सिंह निवासी अपने खेत में पानी लगा रहे थे। तभी अचानक उनके पेट में गोली लग गई और पेट को पार करते हुए निकल गई। जिसके बाद वह वहीं पर गिर पड़े। खेत पर काम कर रहे अन्य लोग तत्काल दौड़ कर पहुंचे और उन्हें जिला अस्पताल लेकर आए। प्रभारी निरीक्षक बढ़पुरा मुकेश कुमार सोलंकी भी घटना स्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी की। किसान की हालात नाजुक बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार मैकेनिक को युवकों ने लात-घूसों से पीटा

कन्नौज, (यूएनएस)। जिले में अपराधियों पर अंकुश लगता नजर नहीं आ रहा। राह चलते मारपीट और लूट की घटनाएं हो रही हैं। सीसीटीवी फुटेज वायरल होने के बाद भी आरोपियों को पकड़ने में पुलिस असफल हो रही है। ताजा मामला कन्नौज में सरायमीरा स्थित पूर्वी बाईपास का है। जहां देर शाम कुछ युवकों ने एक कार मिस्त्री पर हमला कर दिया। पीड़ित मिस्त्री ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। सदर कोतवाली की सरायमीरा चौकी क्षेत्र के मोहल्ला सरायगली का रहने वाला फैसल कार मिस्त्री है। सरायमीरा पूर्वी बाईपास पर उसकी कार रिपेयरिंग की दुकान है। बीती शाम वह अपनी दुकान पर कार की रिपेयरिंग कर रहा था, तभी कुछ युवक वहां आ धमके और गाली-गलौज करते हुए उसे पकड़ लिया। मिस्त्री ने विरोध किया तो बेखौफ युवकों ने लात-घूसों से उसकी पिटाई कर दी। ये पूरी घटना पास की ही दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। कुछ ही देर में वीडिओ वायरल हो गया। इस मामले को लेकर पीड़ित फैसल ने कोतवाली पुलिस को नामजद तहरीर देते हुए कार्रवाई की मांग की है। हालांकि पुलिस घटना की पड़ताल कर रही है। कन्नौज में अपराधी पूरी तरह से निरंकुश हैं।

पिंक बूथ का आईजी ने करवाया शुभारंभ, महिलाओं की समस्याओं का तुरंत होगा समाधान

इटावा, (यूएनएस)। शहर के कोतवाली क्षेत्र शास्त्री चौराहा पर महिला सहायता पुलिस पिंक बूथ बनवाया गया। आईजी ने रेलवे रोड चौकी इंचार्ज प्रियंजली सिंह से फीता कटवाकर इसका उद्घाटन करवाया। इस दौरान एसएसपी समेत पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। बता दें शहर के प्रमुख शास्त्री चौराहे पर कोतवाली पुलिस द्वारा महिला सहायता पुलिस पिंक बूथ बनाया गया है। किसी भी महिला को कोई परेशानी होती है तो वह पिंक बूथ पर अपनी समस्याएं बता सकती हैं, जिस पर यहां मौजूद महिला पुलिस आरक्षी तुरंत उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान करेंगी। पिंक बूथ पर महिला पुलिस की शक्ति मोबाइल बाइक भी तैनात रहेगी।

मुख्य सचिव ने महिलाओं की सुरक्षा पर आयोजित कार्यशाला को किया सम्बोधित

लखनऊ, (यूएनएस)। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने एक स्थानीय होटल में महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को सम्बोधित किया। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि देश की आबादी में 50 प्रतिशत हिस्सा महिलाओं का है, इन्हें मुख्य धारा से जोड़ने पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उनमें आत्मविश्वास पैदा कर उन्हें सशक्त बनाया जाए। उन्होंने कहा कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। अर्थात् जहां नारी की पूजा की जाती है, उसका सम्मान किया जाता है वहां देवताओं का वास होता है। भारतीय संस्कृति में महिलाओं को देवी का दर्जा दिया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तीकरण के लिये प्रदेश सरकार बेहद संवेदनशील है। सरकारी नौकरियों में महिलाओं की भागीदारी व स्वरोजगार योजनाओं में व्यापक स्तर पर महिलाओं को जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किये गये हैं। इसके अलावा मिशन शक्ति अभियान, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना जैसी विभिन्न योजनायें चलायी गई हैं। उन्होंने कहा कि नई सोच के जरिए मौजूदा व्यवस्थाओं में विचार करने की जरूरत है। महिलाओं के समक्ष कई सारी चुनौतियां है। महिलाओं के प्रति रूढ़ीवादी मानसिकता और मौजूदा शक्ति संरचनाओं में बदलाव की आवश्यकता है। महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण में पुरुषों को समान भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम में सचिव महिला कल्याण अनामिका सिंह समेत विभिन्न राज्यों एवं केन्द्रों शासित प्रदेशों से आयें अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

डीएम का एक्शन, केंद्र प्रभारी को हटाया,धान खरीद केंद्र का निरीक्षण करने पहुंचे थे

शाहजहांपुर, (यूएनएस)। जिले में धान की तौल कराने में लापरवाही करने वाले केंद्र प्रभारी को डीएम ने हटाने के आदेश दिए हैं। डीएम रोजा मंडी का निरीक्षण करने पहुंचे। केंद्र के बाहर कई किसान खड़े थे। उनके बातचीत करने पर पता चला कि, केंद्र प्रभारी बेवजह परेशान कर रहे हैं। धान की तौल करने से मना कर रहे हैं। किसानों की परेशानी देखकर डीएम उमेश प्रताप तत्काल केंद्र प्रभारी को हटाने के निर्देश दिए। डीएम ने चेतावनी दी है कि, धान खरीद को लेकर किसानों को परेशानी नहीं होना चाहिए। डीएम उमेश प्रताप सिंह रोजा मंडी का निरीक्षण करने के लिए पहुंच गए। जहां इस समय धान खरीद की जा रही है। यूपीएसएस केंद्र के बाहर किसानों की कुछ भीड़ दिखने पर डीएम ने उनको पास रूक गए। बातचीत करने पर किसानों ने डीएम को बताया कि, केंद्र प्रभारी नागेश मिश्रा तौल कराने में आनाकानी कर रहे हैं। किसानों को बेवजह परेशान किया जा रहा है। शिकायतें मिलने पर डीएम ने तत्काल रूप से केंद्र प्रभारी को हटाने के निर्देश दिए। साथ ही उनकी जगह पर दूसरे केंद्र प्रभारी की नियुक्ति के आदेश दिए हैं। डीएम ने सख्ती भरे लहजे में कहा कि, किसानों को अगर परेशान करने की शिकायतें मिली तो, सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीएम उमेश प्रताप सिंह ने कहा कि, धान खरीद से जुड़े अधिकारियों को ध्यान रखना है कि, धान को केंद्र लाने में किसानों को किसी तरह की कोई दिक्कत नही होना चाहिए। साथ ही खरीद में पारदर्शिता होना चाहिए। कई केंद्रों पर धान की खरीद कम मिलने पर डीएम ने चेतावनी दी है कि, खरीद बढाएं वरना कार्रवाई तय है।

रामपुर उपचुनाव पर आजम खान बोले, एक ऐसा अन्याय का इतिहास रचा जा रहा, जिसपर आने वाली सदियां खून के आंसू रोएंगी

रामपुर, (यूएनएस)। जिले में पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान ने पार्टी कार्यालय दारुल आवाम पर सपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कहा कि इन चुनावों का एक ऐसा अन्याय का इतिहास रचा जा रहा है, जिस पर आने वाली सदियां खून के आंसू रोएंगी। आजम खां ने आगे कहा, चुनाव आते हैं और चले जाते हैं। समाजवादियों ने कभी इंसानों के बीच में दीवार नहीं खड़ी की। चुनाव लोकतंत्र का पर्व कहा जाता है, लेकिन क्या हो रहा है, उस पर टिप्पणी करने से बेहतर है कि हम उसका एहसास करें और हालात का मुकाबला करें। ऐसी फतेह दर्ज करें, जिससे आने वालों को यह सबक हो कि लोकतंत्र को दमनतंत्र से नहीं दबाया जा सकता। आजम ने कहा कि हमारे समाज के वह लोग, जिन्हें जमाना हीन भावना से देखता है, वह हमारे साथ शरीक हो रहे हैं। जुल्म करने वालों और जुल्म सहने वालों को जमाना बहुत दिन तक याद रखेगा। इस मौके पर मीडिया से बिना बात किए हुए आजम खान कार्यालय से चले गए। संबोधन के दौरान आजम खान के साथ समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी आसिम राजा, वीरेंद्र गोयल, आसिम खान व अन्य सपा नेता मौजूद रहे।

इमामबाड़े से रास्ता निकाले जाने का विरोध

शिया समुदाय के लोगों में आक्रोश, भाजपा ने की चुनाव आयोग से शिकायत

रामपुर, (यूएनएस)। जिले में किला इमामबाड़ा से अब्बास मार्केट का रास्ता निकाले जाने को लेकर शिया मसलक में आक्रोश है। शिया मसलक के लोगों के साथ-साथ भाजपाइयों ने भी इसका विरोध जताया है। साथ ही इसकी शिकायत चुनाव आयोग से की है। उनका कहना है कि रास्ता फौरन बंद किया जाए। इसको लेकर जिला प्रशासन और पुलिस से भी शिकायत की गई है। रामपुर शहर के बीचों बीच किला परिसर में शिया मसलक का इमाम बारगाह का इमामबाड़ा है। इसमें अक्सर मजलिसों का आयोजन किया जाता है। जिसमें पुरुष और महिलाएं सभी शामिल होते हैं। बीती रात इससे सटे अब्बास मार्केट का रास्ता अवैध तरीके से निकाला जा रहा था। गैर सार्वजनिक रास्ते से निकाला जा रहा यह रास्ता शिया वक्फ संपत्ति के मुतावल्ली यानी केयरटेकर हैदर अली खान उर्फ हमजा मियां द्वारा अपने लोगों से तोड़वाया जा रहा था। सूचना मिलने पर पहुंची ने 8 लोगों को मौके से हिरासत में ले लिया। इस मामले में शिया समुदाय के लोगों ने आक्रोश जताया है। शिया समुदाय के साथ-साथ भाजपा के मैन विंग के मंडल उपाध्यक्ष डॉ. अजीम नकवी ने चुनाव आयोग को एक शिकायती पत्र भेजकर इस पर रोक लगाए जाने की मांग की है। साथ ही एक प्रतिनिधिमंडल जिला प्रशासन से भी मिला और इसे रोकवाए जाने की बात कही। उनका कहना है कि रास्ता खुलने से अश्लीलता और छेड़खानी के साथ-साथ धार्मिक उन्माद भी फैल सकता है। लिहाजा अवैध रास्ता फौरन बंद किया जाए।

आजम खान पर रास्ता बंद करने का आरोप

घर के बाहर अतिक्रमण हटा रास्ता खुलवाने का नपा ने दिया पीडब्ल्यूडी को आदेश

रामपुर, (यूएनएस)। पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान पर अब अतिक्रमण कर रास्ता बंद करने का आरोप लगा है। आजम खान पर पूर्व मंत्री काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने इल्जाम लगाते हुए इसे खुलवाने की मांग की थी। अब इस मामले में नगर पालिका की ओर से पीडब्ल्यूडी को आदेश जारी कर अतिक्रमण हटवा कर रास्ता खुलवाने की बात कही गई है। पूर्व मंत्री आजम खान लगातार मुश्किलों के घेरे में हैं। अब उनके खिलाफ अपने निवास घेर मीर बाज खान की टंकी नंबर 5 के आगे के रास्ते पर अतिक्रमण करने का आरोप लगा है। इल्जाम है कि आजम खान और और उनके भाई शरीफ खान ने अपने घर के बाहर की गली पर अतिक्रमण कर रखा है। आम रास्ता होने के बावजूद उन्होंने लोगों का आवागमन बंद कर रखा है। मामले में पूर्व मंत्री काजिम अली खान ने एक पत्र पुलिस अधीक्षक को लिखा था। पत्र 31 अक्टूबर 2022 को लिखा गया था। इस पर अपर पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई के निर्देश देते हुए नगरपालिका को भेजा गया। नगर पालिका सदर ने रास्ता सुचारू करने के दिए आदेश दिया था। अब नगरपालिका सदर ने इस मामले में पीडब्ल्यूडी के अभियंताओं को आदेशित करते हुए कहा है कि अतिक्रमण हटाकर रास्ता सुचारू किया जाए। मामले में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी इंदु शेखर मिश्रा से जब बात करने की कोशिश की गई तो उनका फोन नहीं उठा।

केन्द्रीय कारागार आगरा में कल से त्रिदिवसीय श्रीरामकथा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के कारागार एवं होमगार्ड्स राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने बताया कि प्रदेश की जेलों में बन्द कैदियों के भौतिक एवं आध्यात्मिक जीवन की उन्नति के लिए तथा सभी को समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के लिए अनेक कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। जिससे कैदियों के मान सम्मान एवं आर्थिक स्थिति में वृद्धि के साथ उन्हें अपने लोगों के बीच में सामंजस्य बिठाने में भी सहयोग मिल रहा है। इसी क्रम में केन्द्रीय कारागार आगरा में बंद कैदियों के मानसिक शान्ति एवं आध्यात्मिक उन्नति के लिए 25 से 27 नवम्बर तक दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक तीन दिवसीय श्री रामकथा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव राज राजेश्वरी मानव कल्याण एवं धर्मार्थ ट्रस्ट के तत्वाधान में किया जायेगा। इस महोत्सव का मकसद बंदियों की मानसिकता में बदलाव लाने, सकारात्मक सोच एवं विकृतता को दूर करना है। उन्होंने बताया कि धार्मिक आयोजनों से व्यक्ति के सोच में बदलाव आता है। बंदी क्राइम की बाते न कर अपने घर-परिवार के बारे में सोचे-विचारें एवं खुद को किसी रचनात्मक कार्य से जोड़ सके। इसलिए इस धार्मिक महोत्सव के आयोजन का निर्णय लिया गया है।

डिजिटल धोखाधड़ी से सावधान रखने के लिए सभी बैंकों ने पदयात्रा निकालकर, जागरूक किया

लखनऊ, (यूएनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के मार्गदर्शन में जनपद लखनऊ की अग्रणी बैंक, बैंक ऑफ इंडिया अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय के सौजन्य से राष्ट्रव्यापी सघन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत जिले की सभी बैंकों के समन्वय से विशाल पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा बैंक ऑफ इंडिया आंचलिक कार्यालय से सुबह 7 बजे से प्रारंभ होकर लगभग 3 किलोमीटर का मार्ग पूर्ण

परमाणु, जैविक और रासायनिक युद्ध में सक्षम मोरमुगाओ जहाज नौसेना को मिला

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना को आज प्रोजेक्ट 15बी के तहत बनाये गए स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक का दूसरा जहाज मोरमुगाओ (वाई 12705) मिल गया। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने गुरुवार को यह जहाज नौसेना को सौंप दिया। यह जहाज परमाणु, जैविक और रासायनिक युद्ध के समय भी बचाव करने में सक्षम है। इसी प्रोजेक्ट का पहला जहाज आईएनएस विशाखापत्तनम पिछले साल भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था। प्रोजेक्ट 15बी के चार जहाजों के लिए 28 जनवरी, 2011 को अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। यह परियोजना कोलकाता वर्ग (परियोजना 15ए) के विध्वंसक का अनुवर्ती है जिसे पिछले दशक में कमीशन किया गया था। इसी परियोजना का पहला

जहाज आईएनएस विशाखापत्तनम पिछले साल 21 नवंबर को भारतीय नौसेना में कमीशन किया जा चुका है। आईएनएस मोरमुगाओ प्रोजेक्ट-15बी श्रेणी का दूसरा स्वदेशी स्टील्थ विध्वंसक है। स्वदेशी तकनीक से बने युद्धपोत को पिछले साल 19 दिसंबर को परीक्षण के लिए समुद्र में उतारा गया था। इस जहाज का नाम गोवा के समुद्री क्षेत्र मोरमुगाओ को समर्पित करने से न केवल भारतीय नौसेना और गोवा के लोगों के बीच संबंध में वृद्धि होगी, बल्कि जहाज की पहचान को स्थायी रूप से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका से भी जोड़ा जाएगा। इसके मिलने से भारतीय नौसेना की कई गुना ताकत बढ़ जाएगी। 163 मीटर लंबे और 730 टन वजनी इस युद्धपोत में मिसाइलों को चकमा देने की क्षमता है। 65 फीसदी स्वदेशी तकनीक से निर्मित

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक जहाज सौंपा प्रोजेक्ट-15बी का पहला जहाज विशाखापत्तनम पिछले साल शामिल हो चुका है नौसेना में

इस युद्धपोत को स्टील्थ तकनीक से बनाया गया है। यह जहाज परमाणु, जैविक और रासायनिक युद्ध के समय भी बचाव करने में सक्षम है। इस युद्धपोत पर 50 अधिकारियों समेत 250 नौसैनिक तैनात रहेंगे। इस युद्धपोत में चार शक्तिशाली गैस टर्बाइन इंजन लगे हैं। समुद्र में 56 किलोमीटर प्रति घंटा (30 नॉटिकल मील) की रफ्तार से चलने वाला यह युद्धपोत 75 हजार वर्ग किमी. समुद्री क्षेत्र की निगरानी कर सकता है। इस पर ब्रह्मोस, बराक-8 जैसी 8 मिसाइलें लगाई जाएंगी। देश के सबसे आधुनिक एडवांस्ड गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर में इजराइल का मल्टी फंक्शन सर्विलांस थ्रेट अलर्ट रडार एमएफ-स्टार लगा है। यह वह किलोमीटर दूर से हवा में मौजूद लक्ष्य को पहचान लेगा जिससे सटीक निशाना लगाया जा सकेगा। यह उड़ते विमान पर 70 किलोमीटर और जमीन या समुद्र पर मौजूद लक्ष्य पर 300 किलोमीटर दूर से निशाना लगाने में सक्षम है। आईएनएस मोरमुगाओ 127 मिलीमीटर गन से लैस है, इसमें एके-630 एंटी मिसाइल गन सिस्टम भी है। मोरमुगाओ पर दो आरबीयू-6000 एंटी सबमरीन रॉकेट लांचर भी लगे हैं। इस पर बेहद खराब मौसम के दौरान भी नौसेना के हेलीकॉप्टर लैंड कर सकेंगे।

अंतर-राज्यीय हिंसा से बचने के लिए असम सरकार तैयार करेगी एसओपी

एजेंसी

गुवाहाटी। असम-मेघालय सीमा पर इस सप्ताह की शुरूआत में पुलिस फायरिंग में छह लोगों की मौत के बाद पैदा हुए तनाव के मद्देनजर असम सरकार ने एक नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का फैसला किया है। संवेदनशील अंतर्राज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों में गुस्साई भीड़ को नियंत्रित करने के लिए घातक हथियारों का इस्तेमाल किया गया। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती समारोह से इतर राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान सीमा पर हिंसा के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई। असम के पर्यटन मंत्री जयंत मल्लबरुआ ने कहा, राज्य मंत्रिमंडल ने एक एसओपी तैयार करने, विशेष रूप से अंतर-राज्यीय सीमाओं में संवेदनशील क्षेत्रों में घातक हथियारों के उपयोग के लिए नियमावली की सिफारिश करने को अपनी मंजूरी दे दी है। यह तय करेगी कि अशांत भीड़ को नियंत्रित करने के लिए किन हथियारों या उपायों का इस्तेमाल करने की जरूरत है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि राज्य के गृह और वन विभाग नई एसओपी तैयार करेंगे। इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि भीड़ को खदेड़ने के लिए फायरिंग करने से पहले पुलिस संयम दिखा सकती थी। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह बिना किसी कारण के फायरिंग थी। मंगलवार को असम पुलिस और वन रक्षकों ने मेघालय के पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले के मुक्रोह गांव में लकड़ी ले जा रहे एक ट्रक को रोका और उसके बाद बड़ी संख्या में गांव के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस और वन रक्षकों को घेर लिया, जिसके बाद फायरिंग हुई। इस फायरिंग में पांच नागरिक और एक असम फॉरेस्ट गार्ड मारे गए। जिसके चलते गांव और 885 किलोमीटर लंबी अंतर्राज्यीय सीमा के विभिन्न हिस्सों में तनाव व्याप्त है। ऐसे में दोनों पड़ोसी राज्यों द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की आवश्यकता है।

अभिनेता विक्रम गोखले की हालत गंभीर, कई अंगों ने काम करना किया बंद

पुणे, एजेंसी। पुणे के एक अस्पताल में भर्ती वरिष्ठ अभिनेता विक्रम गोखले की हालत अभी गंभीर है। उनकी पत्नी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। थियेटर, टेलीविजन और फिल्मों में समान रूप से काम करने वाले अभिनेता गोखले का यहां दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में इलाज चल रहा है। वह 77 साल के हैं। उनकी पत्नी वृशाली गोखले ने एक बयान में कहा कि उनके पति की हालत पिछले 24 घंटों से गंभीर है, उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया है।

पाकिस्तान के कराची शहर में मेवे बेचकर गुजर बसर करती हैं हिंदू महिलाएं

एजेंसी

कराची। बनारसी साड़ी और लाल चूड़ियां पहने 30 वर्षीय सविता कराची में फुटपाथ पर सूखे मेवे बेचकर अपना घर चलाती हैं लेकिन अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय से होने के कारण कुछ दुकानदार अक्सर उससे झगड़ते रहते हैं जिनमें से ज्यादातर पश्तून समुदाय से हैं। सविता पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची की सूक्ष्म अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा है जहां हर साल हजारों प्रवासी आते हैं। कराची की अर्थव्यवस्था में सूखे मेवे के कारोबार का 40 फीसदी योगदान है। सविता की तरह करीब 200 महिलाएं एम्प्रेस मार्केट में मेवे बेचकर अपनी आजीविका कमाती है। हालांकि, इन महिलाओं के लिए जिंदगी इतनी आसान नहीं है। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय से होने के कारण उन्हें अक्सर पश्तून कारोबारियों के उत्पीड़न का शिकार होना पड़ता है और ताने सहने पड़ते हैं। वह अपने परिवार की तीसरी पीढ़ी की सदस्य हैं जो चहल-पहल वाले सदर इलाके में एम्प्रेस मार्केट बिल्डिंग के बाहर फुटपाथ पर सूखे मेवे बेचती हैं। उसने कहा, ''मेरी दादी और नानी ने 1965 के युद्ध के बाद यहां काम करना शुरू किया था और फिर मेरी मां, बहन और अब मैं यह काम कर रही हूं।''एक अन्य हिंदू महिला विक्रेता 20 वर्षीय विजेता ने कहा, ''कुछ दुकानदार, ज्यादातर पश्तून समुदाय के लोग हमसे लड़ते हैं कि हम उनके कारोबार में खलल डाल रहे हैं। ऐसी भी घटनाएं हुई है जब कुछ ने हमारी महिलाओं को भी प्रताड़ित किया।'' लेकिन सविता के साथ ही एक अन्य विक्रेता माला कहती हैं कि जनता का बर्ताव उनके प्रति अच्छा है और उन्हें एम्प्रेस मार्केट के बाहर सुबह से शाम तक काम करने में डर नहीं लगता है। यह पूछने पर कि क्या उसकी बेटी भी यही काम करेगी इस पर सविता ने कहा, ''वह अभी 15 साल की है, हम देखेंगे कि क्या करते हैं।'' थोड़ा और टटोलने पर सविता ने बताया कि उसने अपनी बेटी को पड़ोसी इलाके में स्कूल जाने से रोक दिया है क्योंकि कुछ लड़कों ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया था। पाकिस्तान में हिंदू महिलाओं के सामने अपहरण, जबरन धर्मांतरण और गैरकानूनी शादियां सबसे बड़ी चुनौती हैं और सविता की कहानी भी इससे अलहदा नहीं है। एक अन्य विक्रेता काजल ने कहा कि कोई यह सोच भी नहीं सकता कि फुटपाथ पर बैठकर कमायी करना कितना मुश्किल है। उन्होंने कहा, ''हमें बाजार में गश्त कर रहे पुलिस वालों से भी निपटना पड़ता है जो हमारे ठेले से सूखे मेवे मुट्ठी भरकर ले जाते हैं।'' महामारी से पहले 2019 में यहां फुटकर विक्रेताओं को हटाने के अभियान ने भी इन महिलाओं की जिंदगी को अस्त-व्यस्त कर दिया था। अतिक्रमण रोधी अभियान तीन साल पहले शुरू किया गया और विश्व बैंक ने एम्प्रेस मार्केट की काया पलटने के लिए इसके वास्ते निधि मुहैया करायी थी। अभियान के तहत करीब 1,700 दुकानें ढहा दी गयी। कई हिंदू महिलाओं समेत करीब 3,000 विक्रेताओं को कहीं और जाने के लिए कहा गया। ऐसा अनुमान है कि इस अतिक्रमण रोधी अभियान में करीब 2,00,000 लोगों ने अपनी आजीविका गंवा दी थी। इस इलाके में दो दशक से अधिक समय से कारोबार कर रही शारदा देवी ने उस वक्त को याद किया जब उन्होंने प्राधिकारियों पर उन्हें कारोबार फिर से शुरू करने का मौका देने का दबाव बनाने के लिए कराची प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन किया था। उसने कहा, ''एक महिला पत्रकार ने हमारी बहुत मदद की थी और हमारी तरफ से अर्जियां भेजी थीं।'' शारदा देवी ने बताया कि एम्प्रेस बाजार के नवीनीकरण के दौरान कई हिंदू महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया जबकि कुछ महिलाएं भूख से मर गयी। फिर इसके बाद कोविड महामारी आ गयी। उसने कहा, ''कोरोना वायरस ने हमें भिखारी बना दिया क्योंकि हम बाहर नहीं जा पाए और सरकार तथा किसी अन्य संगठन से कोई मदद नहीं मिल पायी। हमारे जैसे अल्पसंख्यकों के पास कोई नहीं आया।'' ये ज्यादातर महिलाएं कराची शहर के रणछौर लाइन तथा भीमपुरा इलाकों में रहती है जिनके पास विभाजन से पहले मंदिर बनाए गए थे। शारदा ने कहा, ''घर में छह लोग मुझ पर निर्भर हैं क्योंकि मेरे पति की 15 साल पहले मृत्यु हो गयी थी।'' इन महिलाओं के लिए जिंदगी अब भी चुनौतियों से भरपूर है। विजेता ने कहा, ''चुनौतियों के बावजूद हम सम्मानजनक रूप से आजीविका कमाते हैं और अपना सिर ऊंचा रख सकते हैं।'' पाकिस्तान में हिंदू सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय है। आधिकारिक अनुमान के मुताबिक, मुस्लिम बहुल देश में 75 लाख हिंदू रहते हैं। पाकिस्तान में हिंदू बड़ी तादाद में सिंध प्रांत में रहते हैं क्योंकि वहां उनकी संस्कृति, परंपराएं और भाषा मुस्लिम निवासियों से मिलती जुलती हैं।

तिहाड़ जेल में रसूखदारों के लिए हर तरह का इंतजाम आम बात

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन के जेल की अपनी कोठरी में कथित तौर पर 'मालिश' कराने के वीडियो पर विवाद के बीच तिहाड़ जेल के एक पूर्व विधि अधिकारी ने दावा किया कि वहां ऐसी 'गैरकानूनी गतिविधियां आम बात हैं और प्रभावशाली कैदियों की यौन इच्छाओं की पूर्ति तक की व्यवस्था वहां की जाती है।' तिहाड़ जेल में 1981 से 2016 तक विधि अधिकारी एवं प्रवक्ता के तौर पर काम करने वाले सुनील गुप्ता ने दावा किया कि 'रसूखदार लोगों' को देश की सबसे बड़ी जेल में अधिकारियों के साथ ही कैदियों से सभी तरह की 'विशेष सुविधाएं' मिलती थीं। गुप्ता ने कहा कि जब उन्होंने कुछ मामलों में शिकायत की तो उन पर कार्रवाई भी की गयी थी।अपनी सेवानिवृत्ति के एक साल बाद गुप्ता ने एक किताब 'ब्लैक वारंट' लिखी, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे रसूखदार कैदी हर नियम को तोड़कर 'लग्जरी' जीवन बिताते हैं। गुप्ता ने कहा, 'मेरे कार्यकाल में, मैंने प्रभावशाली लोगों को यौन इच्छाओं की पूर्ति की व्यवस्था करने के लिए कहते हुए तथा इन्हें हासिल करते हुए देखा। तिहाड़ के भीतर लौंडेबाजी सामान्य बात है और प्रभावशाली कैदी, दूसरे कैदियों से आपसी रजामंदी या जेल अधिकारियों की मदद से ये सब करने के लिए कहते हैं।'तिहाड़ जेल के प्रवक्ता धीरज माथुर ने गुप्ता के आरोपों पर जवाब देने से इनकार कर दिया। गुप्ता ने कहा कि सत्येंद्र जैन के प्रकरण की विस्तृत जांच की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'अगर सत्येंद्र जैन ने किसी आरोपी से अपनी जेल की कोठरी में मालिश करायी तो यह गैरकानूनी है, क्योंकि परिसर में किसी कैदी को फिजियोथेरैपी देने के लिए भी अधिकृत वार्ड हैं। वह किसी आरोपी से अपनी कोठरी में मालिश नहीं करा सकते।' हालांकि, इस वायरल वीडियो ने गुप्ता को हैरान नहीं किया, क्योंकि उनकी नजर में जेल में 'ऐसी गैरकानूनी गतिविधियां सामान्य' हैं। गुप्ता ने दावा किया, 'मैंने मंत्रियों, कारोबारियों और उद्योगपतियों को खुश करने के लिए नियमों की धज्जियां उड़ते हुए देखी हैं। प्रभावशाली लोगों के साथ कौन नहीं जुड़ना चाहेगा? वे गरीब कैदियों को नौकरी, कानूनी सहायता और पैसे देने का वादा करते थे तथा उनसे अपनी मनमर्जी की सुविधा लेते थे।' गुप्ता ने दावा किया, 'यहां तक कि जेल अधिकारी भी उनके इशारों पर नाचते हैं, क्योंकि बदले में उन्हें धन, उनके रिश्तेदारों एवं अन्य को नौकरियां दिलाने का वादा किया जाता है।'पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी ने कहा, 'सुनील जो कह रहे हैं वह संभवतरू मेरे आने से पहले या मेरे जाने के बाद उनके कार्यकाल में हुआ होगा।श्तिहाड़ जेल में 1993-1995 तक महानिदेशक रहीं बेदी ने हालांकि, यह स्वीकार किया कि उन्हें कैदियों से कुकर्म समेत 'सभी तरह की शिकायतें' मिलती थीं। उन्होंने एक मोबाइल बॉक्स के जरिए कैदियों की प्रतिक्रिया तथा शिकायतों के लिए एक व्यवस्था बनायी थी और यह बॉक्स केवल वही खोलती थीं। बेदी ने कहा, 'मेरी जिम्मेदारी के वक्त किसी को इस तरह की सुविधा नहीं मिली।

बेखौफ बदमाशः दबिश देने गई पुलिस की टीम पर हमला, एक एसआई समेत तीन पुलिसकर्मी घायल

समर्थ दैनिक। एजेंसी

संभल। यूपी के संभल में बेखौफ बदमाशों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। जिसमें एक एसआई समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। घायल पुलिसकर्मियों का संभल के जिला संयुक्त चिकित्सालय में मेडिकल हुआ है। बता दें कि पूरा मामला जिले के थाना नखासा क्षेत्र के मौहल्ला दीपा सराय का है। 20 दिन पुराने मामले में धारा 307 के मुकदमे में वांछित चल रहे अभियुक्त रिजवान को पुलिस पकड़ने के लिए गई थी। उसी दौरान आरोपी पक्ष ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। पुलिस पर हुए हमले में एसआई अश्वनी शर्मा, कांस्टेबल विकास कुमार व कपिल शर्मा घायल हुए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उक्त मामले में तीन आरोपी पूर्व में जेल जा चुके हैं। आज मुख्य आरोपी की सूचना मिली जिसको पकड़ने के लिए पुलिस गई, लेकिन पुलिस टीम पर ही हमला हो गया। हमले में घायल हुए पुलिसकर्मी थाना नखासा क्षेत्र की रायसत्ती पुलिस चौकी से जुड़े हैं। अश्वनी शर्मा चौकी प्रभारी हैं। हमले में कांस्टेबल विकास कुमार और कपिल शर्मा भी घायल हो गए हैं। एसपी चक्रेश मिश्रा ने बताया कि पुलिस टीम धारा 307 के एक मुल्जिम को गिरफ्तार करने के लिए दबिश देने गई थी। हमले में तीन पुलिस कर्मी घायल हुए हैं।

रूस के पीछे हटने के बाद यूक्रेन की सेना ने बनायी नयी योजना

एजेंसी

खेरसॉन। यूक्रेनी निशानेबाज ने अपने दायरे को समायोजित करते हुए नाइपर नदी के पार एक रूसी सैनिक पर 0.50 कैलिबर की गोली से निशाना साधा। इससे पहले, दूसरे यूक्रेनी सैनिक ने रूसी सेना की टोह लेने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया। कुल मिलाकर खेरसॉन से बाहर निकलने के दो सप्ताह बाद रूस तोप से यूक्रेन के इस दक्षिणी शहर पर गोले बरसा रहा है, जबकि यूक्रेन अपने लंबी दूरी तक निशाना साधने वाले हथियारों से पलटवार कर रहा है। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि उनकी सेना अपनी गति को बनाये रखना चाहती है। यूक्रेन के साथ जारी नौ महीने के युद्ध में कब्जाई गई एकमात्र प्रांतीय राजधानी से भी रूस की वापसी उसकी सबसे करारी हार थी। यूक्रेनी सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि अब जब उसके सैनिकों ने नयी स्थिति हासिल की है तो सेना नयी योजना बना रही है। यूक्रेनी सेना अब रूस-नियंत्रित क्षेत्रों में अंदरुनी सीमा तक हमले कर सकती है और संभवतरू क्रीमिया

के करीब अपनी जवाबी कार्रवाई कर सकती है, जिस पर रूस ने 2014 में अवैध रूप से कब्जा कर लिया था। रूसी सैनिकों ने क्रीमिया सीमा के पास और पूरब में दोनेत्स्क तथा लुहांस्क क्षेत्रों के बीच के कुछ इलाकों में 'ट्रेंच सिस्टम' (खाई बनाना) सहित किलेबंदी कर रखी है। ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय के अनुसार, कुछ ठिकानों पर रूस की नयी किलेबंदी मौजूदा अग्रिम मोर्चे से करीब 60 किलोमीटर पीछे तक है और इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि रूस एक बार फिर से यूक्रेन पर महत्वपूर्ण सफलता हासिल करने की फिराक में है। सैन्य रणनीतिकार और सेवानिवृत्त ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख जनरल मिक रयान ने कहा, उनके पास गति है। इसे वह किसी भी रूप में बर्बाद करना नहीं चाहते। नदी पार करने और रूसियों को और पीछे धकेलने के लिए यूक्रेन को जटिल तार्किक योजना की आवश्यकता होगी। दोनों पक्षों ने नाइपर पर बने पुलों को उड़ा दिया है। इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट के एक विश्लेषक मारियो बिकार्स्की ने कहा, इसी वजह से रूसियों की आपूर्ति लाइन कट गयी थी और यही वह वजह होगी कि नदी के बाएं किनारे से यूक्रेनी सेना को आगे बढ़ने में दिक्कत होगी। वाशिंगटन स्थित थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर ने कहा है कि क्षेत्र को फिर से हासिल करने से यूक्रेनी सेना को खेरसॉन क्षेत्र में रूसी सेना को पीछे धकेलने में मदद मिल सकती है, क्योंकि इस इलाके में यूक्रेनी सैनिकों को रूसी तोप के कम गोलों का सामना करना पड़ेगा। विश्लेषक बिकार्स्की ने कहा कि इस बीच रूस का मुख्य काम व्यापक खेरसॉन क्षेत्र से उसके सैनिकों की किसी भी तरह की वापसी को रोकना और क्रीमिया पर अपनी रक्षा प्रणालियों को मजबूत करना है। रूस के रोजाना हमले पहले से तेज होते जा रहे हैं। रूस के पीछे हटने के बाद पहली बार खेरसॉन में पिछले हफ्ते एक ईंधन डिपो पर हमला हुआ था। यूक्रेनी राष्ट्रपति के कार्यालय के अनुसार, इस सप्ताह रूसी गोलाबारी में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। रूस की वापसी से पहले रूसी हवाई हमलों ने प्रमुख बुनियादी ढांचे को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे एक भयानक मानवीय संकट पैदा हो गया।रूसी गोलाबारी के कारण उष्मा, बिजली और पानी की कमी के डर से यूक्रेनी अधिकारियों ने हाल ही में खेरसॉन और मायकोलाइव क्षेत्रों के हाल ही में मुक्त किए गए हिस्सों से नागरिकों को निकालना शुरू कर दिया है।

देश-विदेश डायरी

फॉक्सकॉन ने चीन की फैक्टरी में वेतन विवाद पर माफी मांगी

बीजिंग, एजेंसी। एप्पल के आईफोन को असेंबल करने वाली कंपनी फॉक्सकॉन ने वेतन के विवाद के लिए बृहस्पतिवार को माफी मांग ली। इस विवाद के कारण कंपनी की फैक्टरी में कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर दिया था। कर्मचारियों ने शिकायत की थी कि फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप ने मध्य झेंगझोउ शहर में फैक्टरी बुलाने के लिए उन्हें दिए जाने वाले वेतन की शर्तों में बदलाव कर दिया है। कर्मचारियों ने फैक्टरी में असुरक्षित स्थितियां होने की शिकायतों को लेकर पिछले महीने काम पर आना बंद कर दिया था जिसके बाद फॉक्सकॉन कर्मचारियों को वापस बुलाने की कोशिश कर रहा है। सोशल मीडिया पर आयी वीडियो में मंगलवार को शुरू हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कर्मचारियों के बीच झड़प देखी गयी। वहीं, फॉक्सकॉन ने नए कर्मचारियों को जोड़ने की प्रक्रिया में ''तकनीकी खामी'' को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उन्हें वही वेतन दिया जाएगा जिसका उनसे वादा किया गया था। इस बीच, चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर लॉकडाउन की अवधि को बढ़ा दिया गया है। झेंगझोउ के आठ जिलों की कुल आबादी करीब 66 लाख है और वहां लोगों को बृहस्पतिवार से लेकर पांच दिन तक अपने-अपने घरों में रहने को कहा गया है। शहर की सरकार ने संक्रमण से निपटने की कार्रवाई के तहत वहां व्यापक स्तर पर जांच के आदेश दिए हैं। झेंगझोउ इन दिनों खबरों में बना हुआ है, जहां स्थित एप्पल के आईफोन के दुनिया के सबसे बड़े कारखाने में कर्मचारियों को कथित तौर पर पुलिस ने संविदा संबंधी विवाद के चलते पीटा और हिरासत में रखा।

ट्रंप के खिलाफ बलात्कार का आरोप लगाने वाली लेखिका ने नया मुकदमा दायर किया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर 1990 में बलात्कार का आरोप लगाने वाली एक लेखिका ने बृहस्पतिवार को यहां उनके खिलाफ नया मुकदमा दायर किया। राज्य में लागू हुए एक नए कानून के तहत यौन हिंसा पीड़ितों को दशकों पहले हुए अपराधों के खिलाफ भी मामला दायर कराने की अनुमति दी गई है। इस कानून के लागू होने के कुछ ही मिनट बाद लेखिका ई. जीन कैरोल ने मुकदमा दायर किया। कैरोल के वकील ने 'एडल्ड सर्वाइवल्स एक्ट' के तहत यौन उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करने संबंधी समयसीमा अस्थायी रूप से हटाए जाने के बीच इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से कानूनी दस्तावेज दायर किए। कैरोल ने उन्हें हुए दर्द और पीड़ा, मानसिक क्षति, गरिमा को पहुंची ठेस और प्रतिष्ठा को हुए नुकसान के लिए मुआवजा दिए जाने और आरोपी को दंड दिए जाने का अनुरोध किया है।'एले' पत्रिका के लिए एक लंबे समय तक स्तंभ लिखने वाली कैरोल ने 2019 में छपी एक किताब में पहली बार आरोप लगाया था कि ट्रंप ने 1995 के अंत में या 1996 की शुरुआत में मैनहट्टन के एक लक्जरी डिपार्टमेंटल स्टोर के ड्रेसिंग रूम में उनसे बलात्कार किया था।ट्रंप ने इन आरोपों के जवाब में कहा था कि ऐसा कभी नहीं हो सकता था क्योंकि कैरोल ''मेरे 'टाइप' की नहीं हैं।'' इसके बाद कैरोल ने ट्रंप के खिलाफ मानहानि का मामला भी दायर किया था। इससे पहले कानून के तहत कैरोल को कथित घटना को हुए कई वर्ष बीत जाने के कारण ट्रंप के खिलाफ बलात्कार का मुकदमा दायर करने से रोक दिया गया था।

विनाशकारी हमलों के बाद बिजली बहाल करने की कोशिश में जुटा यूक्रेन

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचों पर नये सिरे से रूसी सैन्य बलों के मिसाइल हमलों के बाद देश की राजधानी कीव के करीब 70 प्रतिशत हिस्से में बृहस्पतिवार सुबह बिजली गुल हो गई। यूक्रेनी बुनियादी ढांचों पर रूस द्वारा बुधवार को किए हमलों के कारण देश के अधिकतर हिस्सों में बिजली चली गई। यूक्रेन का विद्युत नेटवर्क पहले ही संकट में है और इन हमलों ने सर्दियां शुरू होने के बीच हालत और खराब कर दी है। इन हमलों के कारण पड़ोसी मालदोवा में भी बिजली का संकट पैदा हो गया। रूस ने नौ महीने पहले 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला किया था। उसके बलों को युद्ध मैदान में मिले झटकों के बाद से रूस, अब यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचों पर विनाशकारी हमले कर रहा है। कीव के मेयर विताली क्लित्स्को ने एक बयान में बताया कि इंजीनियर बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने बृहस्पतिवार को सुबह बताया कि रूसी सेना ने बुधवार को कीव और यूक्रेन के कई अन्य क्षेत्रों में ''आवासीय भवनों और ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर हमले'' करते हुए 67 क्रूज मिसाइल और 10 ड्रोन दागे। यूक्रेन में अन्य स्थानों पर भी बुधवार के हमलों से बाधित बिजली एवं जल आपूर्ति बहाल करने के प्रयास जारी है। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री हरमन हालुशचेंको ने बताया कि पूरी तरह कार्य कर रहे चार में से तीन परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को ग्रिड से पुनरू जोड़ दिया गया है। ये संयंत्र बुधवार के हमलों के बाद बंद कर दिए गए थे। पोल्तावा क्षेत्र के गवर्नर दमित्रो लुनिन ने कहा कि ''एक आशावादी परिदृश्य'' को देखते हुए मध्य यूक्रेनी क्षेत्र में बृहस्पतिवार को बिजली आपूर्ति बहाल हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''आगामी कुछ घंटों में हम अहम बुनियादी ढांचे और इसके बाद अधिकतर घरों में बिजली आपूर्ति बहाल कर देंगे। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में 15,500 लोगों और 1,500 कानूनी संस्थाओं के लिए बिजली पहले ही बहाल कर दी गई है। लुनिन ने बताया कि पोल्तावा शहर के कई हिस्सों में पानी की आपूर्ति फिर से शुरू हो गई है। नए हमलों के कारण पहले से तहस-नहस ऊर्जा ढांचे पर बोझ और बढ़ गया है। नए हमलों से पूर्व यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा था कि रूस के हमलों के कारण यूक्रेन की करीब आधी आधारभूत संरचना बर्बाद हो गई है।

इंग्लैंड टीम के साथ अभ्यास सत्र में शामिल हुए केन, फिटनेस पर दूर किया संदेह

दोहा, एजेंसी। इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने शुक्रवार को होने वाले दूसरे विश्व कप मैच से पहले टीम के बाकी साथियों के साथ अभ्यास किया, जहां केन ने अपनी फिटनेस को लेकर भी संदेह दूर कर दिया। सोमवार को ईरान पर टीम ने 6-2 से जीत दर्ज की, हालांकि, 49वें मिनट में केन की फिटनेस पर चिंता व्याप्त की गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, केन को मैच के बाद पैर पर पट्टी बांधकर लंगड़ाते हुए देखा गया था, लेकिन बुधवार को प्रशिक्षण के बाद गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड ने जोर देकर कहा कि स्ट्राइकर श्ठीकश् हैं। स्ट्राइकर के कीपर ने टिप्पणी की, मुझे लगता है कि वह अब ठीक हैं। केन ने इंग्लैंड के लिए 76 मैचों में 51 गोल किए हैं। सेंट्रल डिफेंडर हैरी मागुइरे को सोमवार को चक्कर आने के बाद पिच छोड़ना पड़ा। उन्होंने भी बाकी खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण किया, हालांकि लीसेस्टर सिटी मिडफील्डर, जेम्स मैडिसन घुटने की समस्या के साथ अभी भी अनुपस्थित हैं।

वेल्स के खिलाफ वैकल्पिक गोलकीपर के साथ उतर सकता है ईरान

दोहा, एजेंसी। ईरान के गोलकीपर अली बेरानवंद विश्व कप के पहले मुकाबले में चोटिल हो गए थे और उनका वेल्स के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले ग्रुप बी के मैच में उतरने की कम संभावना है। बेरानवंद की अनुपस्थिति में हुसैन हुसैनी को गोलकीपिंग की जिम्मेदारी निभानी पड़ सकती है। उनके लिए यह बड़ी चुनौती होगी क्योंकि उनका सामना गैरेथ बेल जैसे खिलाड़ी से होगा। ईरान अपने पहले मैच में इंग्लैंड से 6-2 से हार गया था और वह ग्रुप में में सबसे निचले पायदान पर है। हुसैनी पहले ही एक दमदार प्रतिद्वंदी का सामना कर चुके हैं। बेरानवंद के चोटिल होने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने ही गोलकीपर की जिम्मेदारी संभाली थी लेकिन वह पूरी तरह से नाकाम रहे थे। ईरान ने बेरानवंद की स्थिति के बारे में नहीं बताया है। बस उसने इतनी जानकारी दी है कि उनकी नाक पर चोट लगी है। वेल्स के खिलाफ ईरान पिछले मैच जैसी गलतियों से बचना चाहेगा जब इंग्लैंड के सामने उसकी एक नहीं चल पाई थी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक विद्यावती दूबे द्वारा बी डी प्रिन्टींग प्रेस गणेशपुर, रहमानपुर निकट रघुनन्दन आशियाना फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ से मुद्रित तथा- C 3/76, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित । मो0 9450615356, फोन नं. 0522- 4102634

नहीं होगी प्रेग्नेंसी में थकान और कमजोरी, डाइट में शामिल करें मखाना

प्रेग्नेंसी में महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का खास ध्यान रखना पड़ता है। कोई भी चीज को खाने से पहले एक्सपर्ट्स की सलाह लेनी पड़ती है। क्योंकि इस दौरान गर्भवती महिला जिस भी चीज का सेवन करती है वह बच्चे के स्वास्थ्य पर भी असर करता है। ऐसे में महिलाएं अपने खाने-पीने को लेकर सतर्क रहती हैं। मखाने का सेवन आप गर्भावस्था में कर सकती हैं। इसकी तासीर ठंडी होती है। इसके अलावा इसमें आयरन, कैलोरी, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं प्रेग्नेंसी में मखाना खाने के फायदे...

दूर होगी थकान

गर्भवती महिलाओं को लिए मखाना खाना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। इसका सेवन करने से उन्हें सारे पोषक तत्व मिलते हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान इसका सेवन करने से गर्भावस्था के दौरान आने वाली समस्याओं से भी राहत मिलती है। इसके अलावा गर्भावस्था में होने वाली थकान और शारीरिक कमजोरी भी दूर होती है।

हड्डियां बनाए मजबूत

मखाना हड्डियां मजबूत करने में भी मदद करता है। खासकर 40 के बाद महिलाओं को हड्डियों की समस्याएं होने लगती है। ऐसे में आप मखाने का सेवन कर सकते हैं। 100 ग्राम मखाने में करीबन 60 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है यह हड्डियों की समस्याएं दूर करने में मदद करता है। आप इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

एनर्जेटिक रखे

गर्भावस्था में महिलाओं के शरीर में कमजोरी होने लगती है। ऐसे में आप मखाने को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। नियमित मखाना खाने से आपका शरीर सारा दिन एनर्जेटिक रहेगा। इसमें पाए जाने वाला हैल्दी फैट और लो कैलोरी आपके शरीर को स्वस्थ रखेगी।

स्किन रहेगी ग्लोइंग

मखाने में एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी-एजिंग गुण पाए जाते हैं यह आपकी त्वचा को झुर्रियों से बचाने में मदद करेंगे। नियमित इसका सेवन करने आपकी त्वचा निखरेगी। सूर्य की हानिकारक किरणों से बचाने में भी मखाना आपकी मदद करेगा।

वजन रहेगा नियंत्रित

प्रेग्नेंसी में यदि आपका वजन बढ़ रहा है तो उसे नियंत्रित रखने के लिए आप मखाने का सेवन कर सकते हैं। यह आपका वजन नियंत्रि करने में मदद करेगा। सुबह खाली पेट मखाने का सेवन करें। इससे आपका सारा दिन आपका पेट भी भरा रहेगा। यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। **-एजेंसी**

जैकलीन फर्नांडिस को 200 करोड़ रूपये के ठगी मामले में कोर्ट ने दी राहत, इस तारीख पर टाली अगली सुनवाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस का नाम जबसे सुकेश चंद्रशेखर के साथ जुड़ा है तबसे एक्ट्रेस की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। 200 करोड़ रुपए की ठगी के मामले में जैकलीन फर्नांडिस को कई बार ईडी दफ्तर में जाकर पूछताछ के दौर से गुजरना पड़ा। हालांकि इस मामले में जैकलीन को फिलहाल थोड़ी राहत मिलती हुई नजर आ रही है। कुछ दिनों पहले ही जैकलीन फर्नांडिस को कोर्ट से इस मामले में जमानत मिल गई थी और अब पटियाला कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई को दिसंबर तक टाल दिया गया है, जिसके बाद अब एक्ट्रेस ने थोड़ी राहत की सांस ली है। बता दें कि जैकलीन हाल ही में पटियाला कोर्ट पहुंची थी जहां उनके मामले की सुनवाई को आगे की डेट पर टाल दिया गया है। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में जैकलीन फर्नांडिस से जुड़े हुए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैकलीन पर लगे आरोपों पर किसी तरह की बहस नहीं हुई इसलिए इस मामले पर अब अगली सुनवाई के लिए 12 दिसंबर की डेट दे दी गई है। सुकेश चंद्रशेखर के साथ नाम

जुड़ने के बाद जैकलीन फर्नांडिस की दिक्कतें बढ़नी शुरू हो गई थी, लेकिन फिलहाल कुछ समय के लिए एक्ट्रेस को राहत मिलती नजर आ रही है। बता दें कि एक्ट्रेस को जज ने ईडी की ओर से पेश की गई दलीलों को सुनने के बाद 2 लाख रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दे दी थी। जैकलीन की तरफ से जमानत की मांग करते हुए कहा गया था कि उन्हें हिरासत में ना लिया जाए क्योंकि जांच पूरी हो चुकी है और आरोप पत्र भी दाखिल किया जा चुका है। जमानत मिलने के बाद ईडी की ओर से दलील दी गई थी कि जैकलीन आसानी से विदेश भाग सकती हैं क्योंकि उनके पास पैसे की कोई भी कमी नहीं है। ईडी की स दलील पर कोर्ट ने कहा था कि जब एलओसी जारी हो चुका था तो उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया और वो भी तब जब इस मामले से जुड़े बाकि आरोपी जेल में थे।

शादी के 10 साल बाद आई नेहा मर्दा की झोली में खुशी, प्रेग्नेंट हैं एक्ट्रेस

बालिका वधू और डोली अरमानों की जैसे सुपरहिट शोज में नजर आ चुकी एक्ट्रेस नेहा मर्दा की जिन्दगी में खुशियों ने दस्तक दी है। एक्ट्रेस इस वक्त अपनी जिन्दगी के सबसे खूबसूरत पलों को एन्जॉय कर रही हैं। जिसकी जानकारी एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ भी शेयर की। आपको बता दें, ये खबर इतनी बड़ी है कि एक्ट्रेस के फैंस और उनके दोस्त अब उनके इस पोस्ट को देखने के बाद खुशी से झूम उठे हैं। दरअसल, एक्ट्रेस प्रेग्नेंट हैं और जल्द ही उनके घर किलकारियां गूंजने वाली हैं। वही सबसे खास बात ये है कि शादी के 10 साल के बाद नेहा मां बनेंगी। आपको बता दें, ये एक्ट्रेस की पहली प्रेगनेंसी है। ऐसे में अब एक्ट्रेस ने पोस्ट शेयर कर फैंस को ये खबर सुनाई है। नेहा ने पति आयुष्मान अग्रवाल के साथ एक तस्वीर इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की जिसमें वो रेड कलर की खूबसूरत ड्रेस में दिखाई दें रही हैं। इस फोटो में एक्ट्रेस का बेबी बंप भी नजर आ रहा है। बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, श्श्री शिवाय नमस्तुभ्यं। फाइनली भगवान मुझमें आ गए हैं। बेबी 2023 में आने वाला है। अब ये तस्वीर देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स एक्ट्रेस को बधाइयां दे रहे हैं। फैंस के साथ-साथ सेलेब्स भी कपल को इस आने वाली खुशी के लिए विश करते दिखाई दे रहे हैं। आपको बता दें, नेहा मर्दा छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस हैं। उन्होंने कई सुपरहिट शोज में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाया है। वहीं पर्सनल लाइफ की बात करें तो नेहा ने 10 फरवरी साल 2012 में पटना के बिजनेसमैन आयुष्मान अग्रवाल से अरेंज्ड मैरिज की थी। जिसके बाद अब ये कपल अपने पहले बच्चे का स्वागत करने की तैयारी कर रहा है।

दिल्ली के मुखर्जी नगर में शूट होगी विक्रांत मैसी की अपकमिंग फिल्म, स्टूडेंट की स्ट्रगल पर बेस्ड होगी स्टोरी

बॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों में से एक कहे जाने वाले विक्रांत मैसी जो अपनी पर्सनालिटी सहित अपनी एक्टिंग से लोगों को दीवाना बना देते हैं। ये तो हम सभी जानते हैं की विक्रांत ने इंडस्ट्री में हर जॉनर की फिल्मों में अपना बेस्ट किरदार निभाया हैं। ऐसे में विक्रांत अब एक और धमाकेदार फिल्म की तैयारी शुरू कर दिए हैं। जिसे दिल्ली के मुखर्जी नगर में शूट किया जाएगा। दरअसल दिल्ली के मुखर्जी नगर का नाम सुनते ही उन हजारों,लाखों की संख्या में अपना घर छोड़ कर आँखों में सपना लिए स्ट्रगल करने वाले उन तमाम स्टूडेंट्स का चेहरा सामने आ जाता हैं। जो हर दिन यहीं कोशिश करते हैं की बस उनका आईएएस, आईपीएस बनने का सपना साकार हो जाए। ऐसे में अब इसी स्ट्रगल की स्टोरी हिंदी सिनेमा को कई वजनदार और सफल फिल्में देने वाले निर्माता-निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा अब एक ऐसी फिल्म लेकर आ रहे हैं,

जो शिक्षा प्रणाली के एक अलग पहलू को दिखाती है। फिल्म का शीर्षक है 12वीं फेल। फिल्म का निर्देशन विधु ही कर रहे हैं। यह फिल्म अनुराग पाठक के इसी शीर्षक से आये बेस्ट सेलिंग नॉवेल पर आधारित है। फिल्म में आईपीएस और आइआरएस अधिकारी बनने के लिए विद्यार्थियों की तैयारी और संघर्षों को दिखाया गया है। 12वीं फेल आइपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा और आइआरएस अधिकारी श्रद्धा जोशी के जीवनकी घटनाओं से प्रेरित कहानी है। हालांकि, उनकी बायोपिक नहीं है। इस फिल्म में विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। वही फिल्म के अनुभव को साझा करते हुए विक्रांत ने कहा की ये फिल्म उन सारे स्ट्रगलिंग स्टूडेंट और सपने देखने वाले सभी विद्यार्थियों और ईमानदार अफसरों को समर्पित है। साथ ही एक्टर ने कहा की ये मूवी मेरे लिए बेहद ही खास हैं। और इससे मुझे खुद भी बहुत कुछ सिखने को मिलेगा। और एक तरह से ये मेरे सपनों को सच कर देने जैसा हैं। फिल्म को लेकर विधु विनोद चोपड़ा ने कहा कि 12वीं फेल उन सभी लोगों के लिए एक ट्रिब्यूट है, जो आइपीएस बनने का सपना पूरा करने लिए जीतोड़ मेहनत करते हैं। उन्होंने कहा कि तमाम आइएएस और आइपीएस अफसरों से मिलने के बाद यह फिल्म लिखी है। यह फिल्म उन सभी को समर्पित है। अगर यह फिल्म 10 छात्रों को भी प्रेरित करती है तो मैं अपनी कोशिश को सफल समझूंगा।वही सूत्रों की माने तो मुखर्जी नगर में शूट होने वाली यह पहली फिल्म है। मुखर्जी नगर दिल्ली के सपनो का नगर कहा जाता हैं। जहां देशभर से मेधावी विद्यार्थी आइएएस बनने का सपना लेकर पहुंचते हैं। कई ब्यूरोक्रेट्स के तार इस जगह से जुड़े रहे हैं। वही फिल्म का पहला पार्ट आगरा के चम्बल में शूट किया गया हैं। और फिल्म के दूसरे पार्ट को दिल्ली के मुखर्जी नगर में शूट किया जाएगा। रिपोर्ट्स की माने तो ये फिल्म अगले साल गर्मियों की छुट्टी में रिलीज की जाएगी।

मल्टीपल ऑर्गन फेलियर के बाद वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं एक्टर विक्रम गोखले, नाजुक बनी हुई है हालत

टीवी और बॉलीवुड इंडस्ट्री के जाने-माने एक्टर विक्रम गोखले इस वक्त सुर्खियों में बने हुए हैं। आपको बता दें, उनसे जुड़ी जो खबर सामने आ रही है वो जरा भी अच्छी नहीं है। दरअसल, विक्रम गोखले की हालत नाजुक बनी हुई है। एक्टर पिछले 24 घंटों से क्रिटिकल कंडीशन में हैं और उनकी तबियत में कोई सुधार नहीं हो रहा। रिपोट्स की माने तो, एक्टर को इस वक्त वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। दरअसल, विक्रम गोखले के मल्टीपल ऑर्गन फेल हो गए और वो इस वक्त कोमा में हैं। विक्रम गोखले 5 नवंबर से पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं इसी बीच एक्टर के निधन की खबरें सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने लगी, लेकिन अब एक्टर के परिवार ने सच्चाई से फैंस को रूबरू करवा दिया हैं। एक्टर की पत्नी वृषाली गोखले ने कहा कि श्वो कोई जवाब नहीं दे रहे। हम जब उन्हें छू रहे हैं, तब भी उनका शरीर कोई रिस्पॉन्स नहीं दे रहा। जब उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया था तब उनकी सेहत में थोड़ा सुधार आया था, लेकिन तबीयत फिर खराब होने लगी। उन्हें दिल और किडनी जैसी कई प्रोब्लेम्स हैं। वहीं, अब उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया है। आपको बता दें, एक्टर पिछले 24 घंटे से जिन्दगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

सालों बाद अपने स्कूल जाकर इमोशनल हुई कृति सेनन, बचपन की यादों में खोई एक्ट्रेस ने शेयर किया भावुक पोस्ट

बॉलीवुड की 'परम सुंदरी' कृति सेनन ने अपनी एक से बढ़कर एक दिलकश अदाओं से लाखों करोड़ों लोगों के दिलों पर राज किया है। कृति सेनन ने अपने अब तक के फिल्मी करियर में कई तरह के रोल निभाकर लोगों का प्यार पाया और अब अपनी अपकमिंग फिल्म 'भेड़िया' में भी कृति सेनन एक चौलेजिंग रोल में नजर आने वाली है। वरुण धवन और कृति सेनन स्टारर 'भेड़िया' 25 नवंबर को रिलीज होने वाली है। रिलीज डेट में बस एक ही दिन बचा है और ऐसे में हर कोई इसकी रिलीज को लेकर एक्साइटेड है। बीते कई दिनों से वरुण और कृति अपनी फिल्म के प्रमोशन में बिजी है और अब हाल ही में कृति फिल्म प्रमोट करने अपने घर दिल्ली पहुंचीं जहां पहुंचकर वो थोड़ी सी

इमोश्नल भी हो गई। कृति सेनन अपनी फिल्म प्रमोट करने दिल्ली में अपने बचपन के स्कूल डीपीएस आरके पुरम पहुंची जहां एक्ट्रेस अपनी बचपन की यादों में खो गई। कृति ने अपने स्कूल के दिनों की यादें शेयर करते हुए एक फोटो शेयर की है और इसके साथ ही एक भावुक नोट लिखा है। इस तस्वीर में कृति कैप्शन में लिखती है, 'स्कूल वापस! 15 साल बाद। अपनी फिल्म 'भेड़िया' का प्रचार करने के लिए अपने स्कूल में वापस आकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है।'इसके साथ ही कृति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने स्कूल और शिक्षकों को इसका श्रेय दिया है।

ये फेमस टेनिस स्टार थी भेड़िया स्टार वरुण धवन की क्रश, एक्टर ने सुनाया पहली मुलाकात का दिलचस्प किस्सा

वरुण धवन और कृति सेनन स्टारर भेड़िया जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। ऐसे में फिल्म की स्टार कास्ट जमकर मूवी का प्रमोशन कर रहे हैं। वरुण और कृति अपनी फिल्म को हिट कराने के लिए अतरंगी तरीकों से फिल्म को प्रमोट कर रहे हैं। ट्रेलर ने भेड़िया को लेकर लोगों की एक्साइटमेंट को काफी बढ़ा दिया है। इसी बीच वरुण धवन ने अपने प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बारे में एक ऐसी घटना का खुलासा किया है जिसे सुनकर उनके फैंस हैरान हो जाएंगे। एक्टर ने पहली बार अपनी क्रश के नाम का खुलासा किया जो कोई बॉलीवुड एक्ट्रेस नहीं बल्कि एक फेमस टेनिस स्टार है। इतना ही नहीं वरुण ने अपनी क्रश से मुलाकात का मजेदार किस्सा भी बताया। दरअसल, अपनी आगामी फिल्म भेड़िया के प्रमोशन के लिए अभिनेता वरुण धवन हाल ही में यूएई गए थे। जहां उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी पहली सैलरी और क्रश को लेकर खुलासा किया। वरुण ने बताया कि वो टेनिस स्टार सानिया मिर्जा को बहुत पसंद करते थे। हालांकि, सानिया के साथ उनकी पहली मुलाकात बहुत अच्छी नहीं रही। इसी के साथ वरुण ने सानिया संग अपनी पहली मुलाकात का दिलचस्प किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया कि उनकी सानिया से पहली मुलाकात एक विज्ञापन की शूटिंग के दौरान हुई थी और उस दौरान वे बहुत नर्वस थे। सानिया से एक्टर की पहली मुलाकात पर ही उन्हें उनकी मम्मी से डांट पड़ गई थी लेकिन

फिर सानिया ने ही उन्हें बचाया था। वरुण ने बताया कि एक बार सानिया ने मुझसे सेब मांगा और जब मैं सेब लेकर लौटा तो सानिया की माँ ने मुझे रोका और पूछा कि मैं कहाँ जा रहा हूँ? मैंने जवाब दिया, ये सेब सानिया के लिए हैं। मैंने उन्हें मैडम नहीं कहा था क्योंकि मुझे उस पर भारी क्रश था। मेरी बात सुनने के बाद सानिया की मां ने मुझे डांटते हुए कहा, यह सेब किसने लाने के लिए कहा, सानिया सेब नहीं खाती है। अभिनेता ने आगे कहा, इससे पहले कि बात और बिगड़ती, सौभाग्य से वहां सानिया आ पहुंची। उन्होंने सारी जिम्मेदारी अपने ऊपर लेते हुए बात को रफा दफा कर दिया। ÷ वहीं जब वरुण ने उनकी फर्स्ट सैलरी को लेकर सवाल पूछा गया तो एक्टर ने बताया कि उन्हें विज्ञापन की शूटिंग के लिए सिर्फ 5000 हजार रुपये मिले थे।

सेहत के लिए वरदान है भीगे हुए चने का पानी, मिलेंगे 6 जबरदस्त फायदे

स्वस्थ शरीर के लिए स्वस्थ खान-पान आवश्यक है। दालें, सब्जियां और फल शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इनमें पाए जाने वाले पोषक तत्व शरीर को कई तरह की बीमारियों से बचाते हैं। जैसे काले चने खाने से कई समस्याएं दूर होती हैं। वैसे ही चने का पानी भी शरीर को स्वस्थ रखता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, फाइबर, मैग्नीशियम, फास्फोरस, पौटेशियम, विटामिन-ए, विटामिन-बी, मिनरल्स जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। भीगे हुए चने का पानी पीने से आप कई तरह की बीमारियों से दूर रहेंगे। तो चलिए जानते हैं इसे खाने के फायदे के बारे में...

दूर होगी खून की कमी

भीगे हुए चने का पानी पीने से आपके शरीर में से खून की कमी दूर होगी। चने में आयरन की मात्रा काफी अच्छी पाई जाती है इसका सेवन करने से शरीर में खून की कमी नहीं होगी।

इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला आयरन आपके हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाने में भी मदद करता है।

स्वस्थ रहेगा पाचन

भीगे हुए चने का पानी पीने से आपका पाचन तंत्र स्वस्थ रहेगा। इसमें पाया जाने वाला फाइबर आपका पाचन दुरुस्त करता है और पेट संबंधी समस्याएं जैसे कब्ज, अपच और पेट में दर्द से भी राहत मिलती है।

कम करे वजन

भीगे हुए चने के पानी का सेवन करके आप अपना वजन कम कर सकते हैं। इसमें पाया जाने वाला फाइबर आपका वजन कम करने में भी सहायता करता है। सुबह उठकर खाली पेट आप भीगे हुए चने के पानी का सेवन आप कर सकते हैं।

मजबूत करे इम्यूनिटी

इसमें पाए जाने वाले विटामिन्स आपकी इम्यून पावर मजबूत करने में मदद करते हैं। चने के पानी का सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी मजबूत होगी और आप कई बीमारियों से दूर रहेंगे।

कंट्रोल रहेगी ब्लड शुगर

इस पानी का सेवन करने से आपकी ब्लड शुगर भी कंट्रोल में रहेगी। डायबिटीज के मरीजों के लिए यह बहुत ही फायदेमंद होता है।

त्वचा संबंधी दिक्कतें करे दूर

भीगे हुए चने का पानी पीने से त्वचा से संबंधित समस्याएं भी दूर होती हैं। इससे आपकी स्किन पर भी ग्लो आता है।**-एजेंसी**